फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 285 प्रभात जयपुर, मंगलवार 19 मई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

A History Of The Famous Dabba

So fond was the Chettiyar community of the tiffin that soon these carriers became a part of their gifts to the groom, or even to a kid starting school

No Need To Live With Stains

The Inspiration For Sherlock Holmes

'पैट्रोल-डीज़ल को जीएसटी के दायरे में लाया जाए'

पैट्रोल-डीज़ल के निरंतर बढ़ते दामों के बीच कांग्रेस ने मांग की

- इधर केन्द्र सरकार का कहना है कि कांग्रेस पैट्रोल-डीज़ल को जीएसटी दायरे में लाने का विरोध करती है और वह तो पैंसिल पर जीएसटी को भी मुद्दा बनाती है तो पैट्रोल-डीज़ल पर कैसे जीएसटी लगाया जाए।
- इस पर कांग्रेस के नेताओं ने कहा, क्या केन्द्र सरकार ने पैंसिल पर जीएसटी लगाने से पहले कांग्रेस से पूछा था, वैसे भी जीएसटी काउन्सिल साधारण बहुमत के सिद्धांत पर काम करती है तो उन्हें कांग्रेस की सहमति की क्या जरूरत है।
- कांग्रेस के सूत्रों ने कहा, कांग्रेस की असहमति की बात कर केन्द्र सरकार बहाना बना रही है, क्योंकि वह पैट्रोल-डीज़ल से मुनाफा कमा रही है, इसलिए इसे जीएसटी के दायरे में नहीं लाना चाहती है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मई। पैट्रोल और डीज़ल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए कांग्रेस ने मांग की है कि पैट्रोल और डीज़ल दोनों को जीएसटी के दायरे में लाया जाए।

वहीं, सरकार का कहना है कि कांग्रेस इसके लिए सहमत नहीं है।

कांग्रेस का कहना है कि पेंसिल, कागज और लगभग हर चीज पर जीएसटी लगाया गया है, तो क्या सरकार ने पेंसिल पर जीएसटी लगाने से पहले कांग्रेस से सलाह ली थी?

और जीएसटी काउन्सिल साधारण बहुमत के सिद्धांत पर काम करती है।

केन्द्र सरकार और विभिन्न भाजपा शासित राज्यों की सरकारों के पास पूरा बहुमत है, तो फिर उन्हें कांग्रेस की सहमति की जरूरत क्यों है?

वे खुद फैसला ले सकते हैं और उसी के अनुसार निर्णय कर सकते हैं।

कांग्रेस को इस मामले में घसीटना सिर्फ एक बहाना है, क्योंकि भाजपा सरकारें पैट्रोल और डीज़ल पर जीएसटी नहीं लगाना चाहतीं और इससे पैसा कमा रही हैं तथा फायदा उठा रही हैं। चूंकि जीएसटी काउन्सिल में भाजपा का बहुमत है, इसलिए वह साधारण बहुमत के आधार पर अपनी मर्जी से काम कर सकती है, क्योंकि विपक्ष के पास भाजपा का मुकाबला करने लायक संख्या नहीं है।

कांग्रेस का कहना है कि भाजपा सरकार, अपनी पुरानी रणनीति के तहत, देश को गुमराह कर रही है।

एसआई भर्ती 2021 की पुनः होने वाली परीक्षा पर याचिका दायर

- हाई कोर्ट ने इस पर नोटिस जारी किया और पूछा, याचिकाकर्ता ने 2021 भर्ती के लिए आवेदन किया, पर किसी कारण यह भर्ती की दोनों परीक्षा नहीं दे पाया। उसे वापस परीक्षा में शामिल क्यों नहीं किया।

जयपुर, 18 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने पेपर लीक के कारण रद्द की गई एसआई भर्ती: 2021 में आवेदन कर परीक्षा नहीं देने वालों को आगामी सितंबर माह में होने वाली एसआई भर्ती परीक्षा में शामिल नहीं करने पर राज्य सरकार और आरपीएससी से 20 मई तक जवाब मांगा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश मधुसूदन शर्मा व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता आरपी सैनी ने बताया कि याचिकाकर्ता ने 2021 की एसआई भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन किया था, लेकिन किसी कारणवश उन्होंने भर्ती की दोनों ही परीक्षाएं नहीं दी। वहीं उन्हें एसआई 2021 की दोबारा होने वाली परीक्षा में यह कहते हुए शामिल नहीं किया जा रहा है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ताबड़तोड़ फैसले कर रहे हैं प.बंगाल में मु.मंत्री शुभेन्दु

तृणमूल सरकार के पुराने कृत्यों की जाँच के लिए एक के बाद एक कई आदेश दिए हैं प.बंगाल की नई भाजपा सरकार ने

- मुख्यमंत्री पार्क सर्कस एरिया में गए और हिंसा में घायल पुलिसकर्मियों से मिले, शुभेन्दु ने साफ कहा कि पुलिस बल पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।
- असल में जब सरकार ने सड़कों पर नमाज़ पढ़ने पर रोक लगाई थी तो भारी संख्या में अल्पसंख्यक समुदाय के लोग पार्क सर्कस में एकत्रित हुए और वाहनों व लोगों पर पथराव किया। हिंसक भीड़ को रोकने की कोशिश में 5 पुलिसकर्मी व केन्द्रीय बलों के कुछ जवान घायल हो गए थे।

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 मई। पश्चिम बंगाल में नई भाजपा सरकार पूरी तेजी से एक्शन मोड में आ गई है। हिंसा का सीधे मुकाबला कर रही है और पूर्व तृणमूल सरकार की गड़बड़ियों की जांच के लिए आयोगों का गठन किया गया है।

स्पष्ट संदेश देते हुए कि बंगाल की नई भाजपा सरकार अपने काम को गंभीरता से ले रही है और पुलिस बलों पर हिंसक हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगी, मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने आज कोलकाता के पार्क सर्कस इलाके का दौरा किया और वहां घायल पुलिसकर्मियों तथा केन्द्रीय बलों के जवानों से मुलाकात की, जो कल इलाके में हुई घटनाओं में घायल हुए थे।

नई सरकार ने मुस्लिम समुदाय द्वारा शहर की सड़कों पर नमाज़ पढ़ने पर रोक लगा दी है। अब तक शहर की प्रमुख सड़कों पर नमाज़ की वजह से ट्रैफिक जाम हो जाता था। पिछले पंद्रह सालों तक ममता बनर्जी सरकार के दौरान यह एक आम प्रथा थी, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस तरह का व्यवहार 1951 के कानून के तहत गैरकानूनी था। सरकार ने अब लाउडस्पीकर पर डेसिबल सीमा लगाने वाला पुराना कानून भी फिर से लागू किया है।

प्रतिबंधों का विरोध करते हुए अल्पसंख्यक समुदाय के लोग अचानक बड़ी संख्या में पार्क सर्कस की महत्वपूर्ण सात-पॉइंट क्रॉसिंग पर जमा हो गए। उन्होंने पुलिस चौकियों और गाड़ियों पर पत्थर और अन्य चीजें फेंकनी शुरू कर दीं। प्रदर्शनकारियों के पास इस इलाके में इस तरह की बैठक करने की कोई पूर्व अनुमति नहीं थी।

इसके बाद हुई झड़प में कम से कम पांच पुलिसकर्मी और केन्द्रीय बलों के सदस्य घायल हुए और कई बसें और अन्य वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

सरकार की गंभीरता का साफ संकेत देने के लिए मुख्यमंत्री इस इलाके में मौजूद डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (दक्षिण जिला) के दफ्तर में गए। वहां उन्होंने लोगों को चेताया कि हिंसा के जरिए अपने विरोध को आगे न बढ़ाएँ। उन्होंने स्पष्ट किया कि नई सरकार किसी भी तरह की धमकी या कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आखिर क्यों आबादी बढ़ाने की बात कर रहे हैं दक्षिणी राज्य?

विशेषज्ञों के अनुसार, उनकी प्रमुख चिंता परिसीमन को लेकर है, जिसकी वजह से संसद में दक्षिणी राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो सकता है

- परिसीमन में आबादी के आधार पर सीटें तय की जानी हैं, इस आधार पर उत्तरी भारतीय राज्यों, विशेषकर यूपी की सीटें बढ़ जाएंगी।
- आँध्र प्रदेश में चन्द्रबाबू नायडू के अलावा तमिलनाडु में एम के स्टालिन भी घटती आबादी को लेकर काफी मुखर रहे हैं। केरल, तेलंगाना व कर्नाटक से भी ऐसी ही बातें सुनने में आयी हैं।
- इसके साथ ही आरएसएस भी घटती फर्टिलिटी रेट को लेकर चिंतित है तथा ज्यादा बच्चे पैदा करने करने की बात करता रहा है।
- पर मुख्य समस्या यह है कि भारत की आबादी बढ़ रही है, देश के सामने युवा बेरोजगारी का संकट है, इन हालात में ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील चिंताजनक है।

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 मई। दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश जिसमें 1.42 अरब लोग हैं, के रूप में भारत को युवा बेरोजगारी जैसी बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड सकता है। लेकिन केन्द्र में सत्तारूढ़ एनडीए सरकार के कुछ गठबंधन साझेदार - साथ ही भाजपा से जुड़े संगठन जैसे आरएसएस - गिरती प्रजनन दर का मुकाबला करने के लिए बडे परिवारों की वकालत कर रहे हैं।

भारत की जनसंख्या अगले चार दशकों तक बढ़ती रहने का अनुमान है, लेकिन कुछ नीतिनिर्माताओं और हिंदू समूहों को चिंता है कि देश की कुल प्रजनन दर लंबी अवधि में घट सकती है, जिससे देश की युवा जनसंख्या संरचना पर नकारात्मक प्रभाव पड सकता है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने तीसरे बच्चे के जन्म पर 30,000 रुपये और चौथे बच्चे के जन्म पर 40,000 रुपये की एकमुश्त नकद प्रोत्साहन राशि देने का वादा किया है। उनका तर्क है कि कई देशों में जन्म दर गिरने से आबादी बूढ़ी हो रही है और आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। डीएमके नेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने भी इसी प्रकार के विचार व्यक्त किए हैं, जैसे कि तेलंगाना, कर्नाटक और केरल के अन्य दक्षिणी राज्यों के राजनीतिक नेताओं ने भी यही बात कही है।

छोटे उत्तर-पूर्वी राज्य सिक्किम ने भी परिवारों से अधिक बच्चे पैदा करने का आग्रह किया है, और इसके लिए प्रोत्साहन स्वरूप एक साल के मातृत्व अवकाश, एक महीने के पितृत्व अवकाश और आईवीएफ के लिए वित्तीय सहायता दी जा रही है। भाजपा के वैचारिक मार्गदर्शक आरएसएस ने भी बडे परिवारों की वकालत की है और इसे प्राथमिकता बताया है। आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसाबोले ने पिछले सप्ताह कहा, हम कहते हैं कि भारत युवाओं का देश है। लेकिन धीरे-धीरे प्रजनन दर घट रही है। जनसांख्यिक असंतुलन समस्याएं पैदा करेगा।

आंध्र और अन्य दक्षिणी राज्यों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंचायत-निकाय चुनाव पर अवमानना की सुनवाई 26 मई को

- अदालत ने कहा, राज्य सरकार व राज्य चुनाव आयोग की समय सीमा बढ़ाने के प्रार्थना पत्र पर फैसला सुरक्षित है, अतः अवमानना की सुनवाई टाली जा रही है।

जयपुर, 18 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में अदालती आदेश के बावजूद, 15 अप्रैल तक पंचायत और निकाय चुनाव नहीं कराने के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर 26 मई तक सुनवाई टाल दी है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस अनिल उपमन की खंडपीठ ने ये आदेश गिर्राज सिंह और संयम लोढा की अवमानना याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि मामले में राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग की ओर से चुनाव कराने के लिए तय समय सीमा बढ ाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किए गए हैं और उन पर सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा गए है। ऐसे में मामले की सुनवाई टाली जा रही है।

अवमानना याचिका में अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने कहा कि अदालत ने प्रदेश में पंचायत व निकाय चुनाव कराने के लिए 15 अप्रैल तक का समय दिया था। इसके बावजूद, तय समय पर चुनाव नहीं कराए गए। ऐसे में यह अदालती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बेल नियम है, जेल सिर्फ अपवाद होना चाहिए'

सुप्रीम कोर्ट ने उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत नहीं देने के अपने ही फैसले पर संदेह जताया

- कोर्ट ने यह टिप्पणी इफ्तिखार बनाम एनआईए फैसले में अंद्राबी को जमानत देते समय कि, लंबे समय से जेल में बंद अंद्राबी पर आतंकवाद को फंड करने के लिए नशीली दवाओं का कारोबार करने का आरोप है।
- जस्टिस बीवी नागरत्ना और उज्जल भुयान की बैंच ने कहा, गुलफिशा फातिमा बनाम स्टेट केस में सुप्रीम कोर्ट ने के.ए. नजीब बनाम भारत सरकार के मामले में तीन सदस्यीय बैंच के फैसले को ध्यान में नहीं रखा, जिसमें कहा गया था, सुनवाई में देरी हो रही हो तो जमानत देने का आधार बनता है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मई। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि जमानत का नियम होना चाहिए और जेल असाधारण स्थिति, यहां तक कि यूएपीए मामलों में भी। कोर्ट ने दिल्ली दंगों के मामले में सक्रिय कार्यकर्ता उमर खालिद को जमानत न देने के एक अन्य बैंच के पिछले फैसले पर गंभीर संशय व्यक्त किया (सैयद इफ्तिखार अंद्राबी बनाम राष्ट्रीय जांच एजेंसी, जम्मू)।

न्यायमूर्ति बी.वी. नगरथना और उज्ज्वल भूयान की बेंच ने यह टिप्पणी एक कूपवाड़ा निवासी को जमानत देते हुए की, जो जून 2020 से नारको-टेररिज़्म मामले में ट्रायल की प्रतीक्षा में जेल में था, जिसे राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दर्ज किया था।

ध्यान देने योग्य है कि कोर्ट ने गुलफिशा फातिमा बनाम राज्य मामले के फैसले पर आपत्ति जताई। यह फैसला दिल्ली दंगों के आरोपी की जमानत से संबंधित था। इस केस में, जहाँ कई आरोपियों को जमानत दी गई थी, वहीं सक्रिय ऐक्टिविस्ट उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत नहीं मिली थी।

कोर्ट ने आज कहा, गुलफिशा फातिमा के फैसले को लेकर हमें गंभीर आपत्तियां हैं। कोर्ट ने कहा, खालिद के फैसले से कोर्ट ने नजीब फैसले का ध्यान नहीं रखा, जो कहता है कि किसी को भी अनिश्चितकाल के लिए जेल में नहीं रखा जा सकता है। गुलफिशा फातिमा बनाम स्टेट के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने तीन न्यायाधीशों की बड़ी बैंच के उस फैसले को ध्यान में नहीं रखा,जो बैंच ने भारत सरकार बनाम के ए नजीब के मामले में दिया था कि अगर ट्रायल में देरी हो रही हो तो यूएपीए जैसे कठोर कानूनों में बेल देने का आधार बनता है।

कोर्ट ने आज यह भी कहा कि "अनलॉफुल ऐक्टिविटीज़ (प्रीवेन्शन) एक्ट (यूएपीए) 1967 के तहत मामलों में भी जमानत होना नियम होना चाहिए और केवल इसलिए कि आरोपी को इस सख्त आतंकवाद विरोधी कानून के तहत बुक किया गया है, शीघ्र न्याय का अधिकार बाधित नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने कहा, "धारा 43डी (5) यूएपीए का वैधानिक प्रतिबंध सीमित रहना चाहिए और यह संविधान के अनुच्छेद 21 और 22 की गारंटी के अधीन होना चाहिए। इसलिए, हमारे लिए यह स्पष्ट है कि कानून के तहत जमानत नियम है और जेल असाधारण स्थिति। निश्चित रूप से, उपयुक्त मामले में, जमानत विशेष तथ्यों के आधार पर अस्वीकृत की जा सकती है।

कोर्ट ने जम्मू और हाई कोर्ट के निर्णय से असहमति जताई, जिसने वर्तमान मामले में आरोपी के निरंतर कारावास को न्यायसंगत ठहराया था। कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट का दृष्टिकोण सुप्रीम कोर्ट के पहले के निर्णयों के कानूनी सिद्धांतों के खिलाफ है।

कोर्ट ने कहा, "नजीब और शेख जावेद इकबाल के मामलों से जो कानूनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीट लीक में लातूर का कोचिंग संस्थान मालिक गिरफ्तार

- सीबीआई के अनुसार प्रोफेसर मोटेगांवकर के संस्थान व घर पर रसायन शास्त्र का प्रश्न बैंक मिला।

नई दिल्ली, 18 मई। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नीट यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में सीबीआई ने लातूर के आरसीसी कोचिंग इंस्टीट्यूट के मालिक प्रोफेसर शिवराज मोटेगांवकर को गिरफ्तार किया है। यह संस्थान नीट की तैयारी कराने वाला बड़ा नेटवर्क है, जिसकी नौ शाखाएं हैं।

सीबीआई ने बताया कि तलाशी के दौरान मोटेगांवकर के संस्थान और घर से रसायन शास्त्र का प्रश्न बैंक मिला, जिसमें वही सवाल थे, जो 3 मई को हुई परीक्षा में पूछे गए थे। एजेंसी ने पिछले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाईकोर्ट ने 80 फीट सड़क के दोनों तरफ 25-25 फीट भूमि खाली रखने को कहा, जिला प्रशासन ने वैध काबिजों को भी दे डाले नोटिस

झुंझुनूं जिला प्रशासन द्वारा हाईकोर्ट में पेश पालना रिपोर्ट में खुद माना गया कि, जिन्हें नोटिस दिए गए हैं, वे कानूनी रूप से काबिज हैं

- उधर जिन पीड़ितों को 15 दिन में अतिक्रमण हटाने के नोटिस मिले हैं, वे भी अपना पक्ष लेकर हाईकोर्ट पहुंचे।
- गौरतलब है कि वर्ष 2019 में दायर जनहित याचिका पर करीब 7 साल बाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने मार्च 2026 में आदेश दिए थे कि 188 अतिक्रमियों को हटाया जाए। परंतु अदालत ने पीआईएल में मांगी गई राहत से आगे बढ़ते हुए यह भी आदेश दिए कि 80 फीट रोड पर सड़क के दोनों तरफ 25-25 फीट की भूमि रिक्त रखी जाए।

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 18 मई। झुंझुनूं के गुढ़ा गौड़जी गांव के बीच से निकल रहे 80 फीट चौड़े स्टेट हाईवे के किनारे बसे लोगों को जिला प्रशासन और स्थानीय निकाय ने अतिक्रमण मानते हुए नोटिस थमा दिए हैं। प्रशासन ने कोर्ट के आदेश की आड़ में उन लोगों को भी नोटिस थमा दिए, जो कानूनी रूप से जमीन पर काबिज थे। दरअसल इस मार्ग पर अतिक्रमण को लेकर वर्ष 2019 में सुरेन्द्र कुमार की ओर से जनहित याचिका दायर हुई थी, जिस पर 18 मार्च 2026 को हाईकोर्ट के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और न्यायाधीश बलविंदर सिंह संधू की खंडपीठ ने सुनवाई की थी। जनहित याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता फाहद हुसैन पैरवी के लिए पेश हुए थे।

खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि 80 फीट रोड पर 188 अतिक्रमण हटाएं जाए, जिनमें से 185 अस्थायी हैं। परंतु अदालत ने जनहित याचिका में मांगी गई राहत से आगे बढ़ते यह भी आदेश दिए वि 80 फीट रोड पर सड़क के दोनों तरफ 25-25 फीट की भूमि रिक्त रखी जाए। अदालत के इस आदेश की पालना में जिला प्रशासन और स्थानीय निकाय ने बिना जमीन अवाप्ति की प्रक्रिया अपनाए ही, सड़क किनारे काबिज लोगों के मकान-दुकानों को अतिक्रमण मानते हुए 15 दिन में तोड़ने के नोटिस भी दे डाले।

यह हैरतअंगेज मामला सोमवार को हाईकोर्ट में तब सामने आया, जब झुंझुनूं जिला प्रशासन व निकाय की ओर से अदालती आदेशों की पालना रिपोर्ट पेश की गई। उधर जिन लोगों को नोटिस मिले हैं, वे भी पीड़ित बनकर हाईकोर्ट के दरवाजे पर पहुंचे हैं। पीड़ितों के एक पक्ष की ओर से स्वदीप सिंह हूरा तथा दूसरे पीड़ित पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एम एम रंजन पेश हुए।

जिला प्रशासन की ओर से पेश रिपोर्ट में खुद माना गया है कि हाईकोर्ट में पहुंचे पीड़ित महावीर प्रसाद गोयल की भूमि खसरा नंबर 1062/620 पर स्थित है। वे इस जमीन पर कानूनी रूप से काबिज हैं। वर्ष 1967 में यह भूमि महावीर प्रसाद की माताजी ने खरीदी थी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सतीशन ने केरल के मु.मंत्री पद की शपथ ली

- सतीशन के साथ 20 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें से 5 मंत्री आईयूएमएल के हैं।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 मई। वी.डी. सतीशन ने सोमवार को तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित भव्य समारोह में केरल के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें शपथ दिलाई।

आकाशवाणी तिरुवनंतपुरम के संवाददाता के अनुसार, मुख्यमंत्री सहित 21 सदस्यीय मंत्रिमंडल ने भी पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण की।

नई सरकार में 16 सदस्य पहली बार मंत्री बन रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के नए कैबिनेट में 11 प्रतिनिधि हैं। भारतीय यूनियन मुस्लिम लीग के पांच मंत्री हैं।

इस कार्यक्रम में कई प्रमुख नेताओं ने भाग लिया, जिनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जिस प्रकार थोड़ी-सी वायु से आग भड़क उठती है, उसी प्रकार थोड़ी-सी मेहनत से किस्मत चमक उठती है। –अज्ञात

नाकामी को छिपाना है, युद्ध तो बहाना है

10 मई ,2026 को प्रधानमंत्रीजी ने सिकंदराबाद में आयोजित सार्वजनिक सभा में अचानक देशवासियों से कई प्रकार की अपीलें कीं। सामान्यतया, अब तक प्रधानमंत्री जी इस प्रकार की गंभीर और महत्वपूर्ण घोषणाएं राष्ट्र के नाम संबोधन के माध्यम से करते रहे हैं चाहे वह नोटबंदी की घोषणा हो, कोरोना के दौरान अचानक पूरे देश में लॉकडाउन की घोषणा हो अथवा तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा हो। ये घोषणाएं देशवासियों से अपील के रूप में थीं। यह अलग बात है कि प्रधानमंत्री द्वारा की गई अपील को सत्ताधारी दल के अनुयायियों द्वारा आदेश के रूप में ही लिया जाता है ।

इन अपीलों का प्रमुख उद्देश्य, विदेशी मुद्रा के कम होते भंडार को बचाने के लिए था । इनमें में से कुछ इस प्रकार थीं:–

अगले एक वर्ष में विदेश यात्रा कम से कम करें ।

निजी वाहनों का उपयोग न्यूनतम करें और वाहनों को पूल बनाकर उपयोग करें। सार्वजनिक परिवहन का अधिकाधिक उपयोग करें। वर्क फ्रॉम होम करें, जैसा कोरोना काल में किया था।

एक वर्ष तक सोना नहीं खरीदें, चाहे कितना ही महत्वपूर्ण सामाजिक और पारिवारिक उत्सव ही क्यों न हो।

खाने के तेल का उपयोग कम करें ।

किसान रासायनिक खाद का उपयोग 25 से 50 प्रतिशत तक कम करें।

सामान्य स्थिति में प्रधानमंत्री की अपील का स्वागत किया जाता और इसे कोई भी अन्यथा नहीं लेता। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जिस समय देश पर खाद्यान्न का संकट था और देशवासियों से सप्ताह में एक समय का भोजन नहीं करने की अपील की थी, तो सबने सोमवार को व्रत रखना प्रारंभ किया था । इनमें से कई तो आज तक भी सोमवार का व्रत रखते हैं। उनकी अपील का असर इसलिए अधिक हुआ कि वह स्वयं सादगी युक्त जीवन जीते थे एवं जैसा वह कहते थे, वैसा ही करते थे।

जहां तक प्रधानमंत्री की वर्तमान अपीलों का प्रश्न है उन्होंने इसे पश्चिम एशिया के युद्ध से जोड़कर बताया है। यह समझ से परे है कि अचानक समस्या इतनी गंभीर कैसे हो गई, जबकि युद्ध को प्रारंभ हुए दो महीने से अधिक हो चुके हैं। देशवासी समझ सकते हैं कि पांच राज्यों में चुनाव के कारण प्रधानमंत्री के लिए अपनी आर्थिक नीतियों की असफलता को स्वीकार करना सरल नहीं होता और उनका शायद चुनाव के परिणाम पर भी प्रभाव पड़ सकता था। चुनाव के दौरान, उन्होंने पूरे जोर-शोर से वाहनों के काफिलों के साथ अनेक रैलियां और रोड शो किए। अब लोग यह प्रश्न अवश्य पूछेंगे कि जब युद्ध प्रारंभ हो चुका था तो आपने फिर चुनाव प्रचार के दौरान सादगी क्यों नहीं बरती और इसके लिए ऑनलाइन मोड का क्यों नहीं उपयोग किया ?

जब देशवासियों से वर्क फ्रॉम होम करने की अपील की जा रही है तो प्रधानमंत्री भी कम से कम 'वर्क फ्रॉम नेशन' तो कर ही सकते थे। विडंबना यह है कि जैसे ही प्रधानमंत्री ने देशवासियों से विदेश यात्रा न्यूनतम करने की अपील की, उसी के ठीक बाद प्रधानमंत्री स्वयं पांच देशों की यात्रा पर निकल गए. क्या इन देशों के नेताओं से ऑनलाइन वार्ता नहीं हो सकती थी एवं क्या वहां जाना आवश्यक था?

प्रधानमंत्री जी द्वारा ये अपीलें 4 मई 2026 को चुनाव समाप्त होते ही 10 मई को की गईं । देश की आर्थिक स्थिति और विदेशी मुद्रा का भंडार अचानक एक दिन में तो समाप्त नहीं हो गया था। 10 मई की अपीलों को 11 मई को वडोदरा में भी दोहराया गया। देशवासी अच्छी तरह समझते हैं कि प्रधानमंत्री की अपील, आदेश का प्रभाव रखती हैं, विशेषकर भाजपा के नेताओं के लिए। इसी कारण, दिल्ली की मुख्यमंत्री मेट्रो में चलने लगीं तो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री मोटरसाइकिल चलाकर अपने कार्यालय पहुंचे । दिल्ली सरकार ने तो सरकारी कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन घर से ही काम करने के आदेश जारी कर दिए। यहाँ तक की सर्वोच्च न्यायालय ने भी सप्ताह में दो दिन ऑनलाइन सुनवाई करने का निर्णय ले लिया।

पश्चिम एशिया का युद्ध प्रारंभ हुए दो माह हो गए किंतु चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री, गृहमंत्री एवं उनके नेताओं द्वारा सैकड़ों कारों के काफिले के साथ अनेक रोड शो और रैलियां आयोजित की गईं। इन सब में भाग लेने के लिए हजारों, लाखों लोगों को लाया गया जिनके लिए हजारों वाहनों का उपयोग निश्चित रूप से किया गया था। प्रधानमंत्री जी चुनाव के दौरान, लगभग प्रतिदिन, दिल्ली से पांच राज्यों में से किसी न किसी स्थान पर हवाई जहाज/ हेलीकॉप्टर से गए थे, जिनमें बहुत अधिक 'एविएशन फ्यूल,' लगता है। यह भी एक संयोग ही है कि जिस दिन प्रधानमंत्री ने देशवासियों से विदेश यात्रा न करने की अपील की, उसके ठीक एक दिन बाद प्रधानमंत्री स्वयं पांच देशों की विदेश यात्रा पर निकल गए। क्या विदेश यात्रा पर जाने के लिए उनके हवाई जहाज में पेट्रोल के स्थान पर पानी भरा जाता है?

देश के लोगों को गलतफहमी में रखकर और गलत जानकारियां देकर आप चुनाव तो जीत सकते हैं, किंतु अधिक समय तक वास्तविकता से मुंह नहीं मोड सकते। यदि सरकार देशवासियों को विश्वास में ले सके, तो वे सरकार के हर निर्णय में पूरी तरह साथ देंगे। संकट से पार पाने के लिए देश का एक जुट रहना अत्यंत आवश्यक है। अन्यथा, लोग यह कहने से बाज नहीं आयेंगे कि अपनी नीतियों की असफलता का ठीकरा सरकार द्वारा पश्चिम एशिया के युद्ध पर फोड़ा जा रहा है।

कभी-कभी ऐसा लगता है कि सत्ताधारी दल के नेताओं ने देश की जनता को मूर्ख समझ लिया है। उन्हें एक बात अवश्य याद रखनी चाहिए जो किसी विद्वान ने कही थी, "आप सब लोगों को एक बार मूर्ख बना सकते हैं, एक व्यक्ति को कई बार मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन सभी लोगों को हर बार मूर्ख नहीं बना सकते" । देशवासी जानते हैं कि देश की आर्थिक स्थिति काफी दिनों से अत्यंत खराब चल रही थी । बेरोजगारी बहुत बढ़ी हुई थी। इस बारे में न केवल विपक्षी दलों के नेताओं अपितु अनेक आर्थिक विशेषज्ञों ने भी कई बार सरकार का ध्यान आकर्षित किया था । लेकिन सत्ताधारी दल पांच राज्यों के चुनाव होने तक इनको नकारते रहे और जनता को विश्वास दिलाते रहे कि देश बहुत मजबूत स्थिति में है।

यह तो तब है, जब प्रतिदिन रुपए की कीमत घटती जा रही थी । अब तो यह घटकर एक डॉलर के 96 रुपए से अधिक हो गई है । रुपए की गिरती कीमत का लाभ अधिक निर्यात करके उठा सकते थे क्योंकि डॉलर में सौदा होने पर पहले की तुलना में अब अधिक रुपए प्राप्त होते हैं। यह अवसर था कि निर्यात के उत्पादों में वृद्धि की जाती जिससे रोजगार भी बढ़ता। किंतु ऐसा हो नहीं रहा है।

एक बच्चे के विदेश में पढ़ने पर लगभग 50 लाख का व्यय होता है। यह भुगतान विदेशी मुद्रा में ही होता है। इस राशि में 20 लोग विदेश भ्रमण कर सकते हैं। क्या प्रधानमंत्री अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं से यह अपील करेंगे कि वे अपने बच्चों को विदेश से बुलाकर यहां पढ़ाना प्रारंभ करें, एवं बच्चों को अब विदेश में पढ़ने के लिए नहीं भेजें। इससे विदेशी मुद्रा की बहुत बचत होगी।

प्रधानमंत्री की एक अपील यह है कि लोग खाने के तेल के उपयोग में कमी करें। क्या उन्हें यह नहीं पता है कि देश के 85 करोड़ लोग तो सरकार द्वारा दिए जा रहे मुफ्त राशन पर निर्भर हैं ? उनके खाने में तेल, वैसे ही महंगाई के कारण गायब होता जा रहा है। जिनके पास पहले ही तेल खरीदने के लिए पैसे नहीं हों, उनसे तेल की खपत कम करने के लिए कहना एक प्रकार से उनके साथ मजाक ही होगा।

प्रधानमंत्री जी ने इस प्रकार की आर्थिक स्थिति के लिए पश्चिम एशिया के युद्ध को जिम्मेदार ठहराया है। भाजपा के नेता सभी टी वी डिबेट में भारत की उत्कृष्ट विदेश नीति का हवाला देते हुए यह बयान देते नहीं थक रहे थे कि हमारी अच्छी विदेश नीति के कारण भारत पर अन्य देशों जितना प्रभाव नहीं होने दिया गया है। यदि समय समय पर सरकार वास्तविक स्थिति से देशवासियों को अवगत कराती रहती तो देशवासी, प्रधानमंत्री की इस अपील के लिए मानसिक रूप से तैयार रहते।

प्रधानमंत्री जी ने एक वर्ष तक देशवासियों से सोना नहीं खरीदने की अपील की है। यहां के सामान्य परिवारों में भी विवाह के अवसर पर कुछ सोना, जैसे मंगल सूत्र, अपनी पुत्री को देने का रिवाज रहा है । गत लोक सभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर यह आरोप लगाते हुए कहा था कि वह यदि सत्ता में आ गई तो वे महिलाओं का मंगलसूत्र भी छीन लेंगे। अब तो प्रधानमंत्री जी स्वयं, महिलाओं को मंगलसूत्र नहीं खरीदने की सलाह दे रहे हैं।

विदेशी मुद्रा का संकट, इस प्रकार की अपील के पीछे मुख्य कारण रहा है क्योंकि तेल के आयात पर अत्यधिक विदेशी मुद्रा खर्च होती है। यदि भारत, इस युद्ध में अमेरिका, इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले एवं उसके सुप्रीम लीडर और 40 उच्च नेताओं की हत्या करने की तत्काल निंदा कर देता, तो हॉर्मूज स्ट्रेट से भारत आने वाले तेल वाहक जहाजों के लिए कठिनाई नहीं होती। किंतु उसने अमरीका के डर से ऐसा नहीं किया।

अब यह तो लगभग स्पष्ट हो चुका है कि भारत की आर्थिक स्थिति काफी समय से खराब चल रही थी और सरकार इसे स्वीकार नहीं कर रही थी। अब पहली बार परोक्ष रूप से प्रधानमंत्री जी ने सार्वजनिक मंच से आर्थिक स्थिति खराब होने की बात को स्वीकार किया है। देश की जनता को पूर्ण पारदर्शिता के साथ विश्वास में लेने की वर्तमान समय में आवश्यकता है। सरकार को एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए, जिस पर संसद में बहस हो, ताकि देशवासी अवगत हो सकें कि किस प्रकार देश की आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे खराब होती गई और इसके लिए कौन सी नीतियां जिम्मेदार रही हैं?

देश के लोगों को गलतफहमी में रखकर और गलत जानकारियां देकर आप चुनाव तो जीत सकते हैं, किंतु अधिक समय तक वास्तविकता से मुंह नहीं मोड सकते। यदि सरकार देशवासियों को विश्वास में ले सके, तो वे सरकार के हर निर्णय में पूरी तरह साथ देंगे। संकट से पार पाने के लिए देश का एक जुट रहना अत्यंत आवश्यक है। अन्यथा, लोग यह कहने से बाज नहीं आयेंगे कि अपनी नीतियों की असफलता का ठीकरा सरकार द्वारा पश्चिम एशिया के युद्ध पर फोडा जा रहा है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

स्ट्रीट्स एज़ ओपन म्यूजियम्स - विरासत का सांस्कृतिक प्रवाह

अब्दुल लतीफ़ उस्ता

प्रगतिशील समाज एक ऐतिहासिक बोध (Historical Consciousness) की धुरी पर घूमते हुए, अपने वर्तमान का विश्लेषण और भविष्य का निर्धारण करता है। प्रतिवर्ष 18 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मानव सभ्यता के क्रमिक विकास, उसकी कलात्मक उपलब्धियों और सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का वैश्विक घोषणापत्र है। संग्रहालयों को केवल संस्थान मात्र न मानकर उन्हें ज्ञानमीमांसीय केंद्र (Epistemological Hubs) के रूप में देखा जाता हैं, जो विस्मृति के विरुद्ध स्मृति के संघर्ष को दर्शाते हैं।

''शिला-अक्षर उद्घोषते, युग-युग का वृत्तांत।
कला निधि अक्षय यहाँ, संस्कृति-बोध नितांत॥''

संग्रहालय की अवधारणा वास्तव में मनुष्य की उस आदिम इच्छा से निपजी है जिसमें वह अपने समय को मुट्ठी में कैद करना चाहता था। प्राचीन काल के वंडर रूम्स (Cabinets of Curiosities) से लेकर आधुनिक काल के अत्याधुनिक डिजिटल गैलरीज तक, संग्रहालयों ने एक लंबी वैचारिक यात्रा तय की है। आज संग्रहालय केवल पुरावशेषों का संचयन स्थल नहीं हैं, बल्कि उन्हें समाज के सांस्कृतिक मूल्यों के रक्षक और सभ्यता के साक्ष्य कहा जाये तो गलत नहीं होगा।

हालाँकि संग्रहालयों की पारंपरिक अवधारणा प्राय: उन्हें स्थिर संचयन (Static Accumulation) के रूप में देखती रही है, जहाँ पुरावशेषों को उनके मूल परिवेश से पृथक कर एक नियंत्रित वातावरण में प्रदर्शित किया जाता है। इस प्रक्रिया में वस्तु का भौतिक रूप तो सुरक्षित रहता है, परंतु उसका सांस्कृतिक स्पंदन शांत हो जाता है। आधुनिक कला-विमर्श में इस स्थिर संचयन की धारणा तेजी से बदल रही है और अब हमारे लिए संग्रहालय जीवंत मंच हैं, जहाँ अतीत और वर्तमान के बीच एक निरंतर द्वंद्वात्मक संवाद (Dialectical Dialogue) स्थापित होता है। ऐतिहासिक कलाकृतियाँ केवल सौंदर्यपरक वस्तुएँ नहीं हैं, वे अपने समय के सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्शों का भौतिक प्रतिलेख (Physical Transcript) हैं। जब हम मथुरा संग्रहालय में प्रदर्शित किसी मौर्यकालीन प्रतिमा, विक्टोरिया अल्बर्ट संग्रहालय में अकबरनामा की चित्रित प्रतियों या श्री गंगा गोल्डन जुबली संग्रहालय, बीकानेर के तैल-चित्रों का सूक्ष्मता से विश्लेषण करते हैं, तो हम उस युग की तकनीकी विशेषज्ञता, दार्शनिक मान्यताओं और राजनीतिक संरचनाओं का ही पाठ कर रहे होते हैं। एक जागरूक नागरिक के लिए संग्रहालय में प्रदर्शित प्रत्येक वस्तु Polysemic होती है, जिसके अनेक अर्थ और सन्दर्भ होते हैं। एक साधारण सा खंडित टेराकोटा भी प्राचीन काल की अर्थव्यवस्था, खान-पान की आदतों और कलात्मक अभिरुचि की व्याख्या कर सकता है। अत: संग्रहालयों का कार्य केवल प्रदर्शन मात्र नहीं, बल्कि अर्थ-निर्माण (Meaning-making) है।

भारतीय संस्कृति और सभ्यता में निरंतरता का भाव है यह मूल्य केवल पांडुलिपियों तक सीमित नहीं है बल्कि जन-जीवन की परंपराओं में भी जीवित है। हमारे लिए विरासत साक्षरता का अभिप्राय केवल पुरातत्व को समझना नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक प्रवाह को महसूस करना है जो सतत चला आ रहा है। आज के क्षण-प्रतिक्षण बदलते दौर में जब संस्कृति - सभ्यता को जानने की अधिक आवश्यकता हैं और संग्रहालयों तक हमारी पहुँच प्राय: सीमित रह गई है।

इन सन्दर्भों में संग्रहालयों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। अब संग्रहालयों को चार दिवारी से निकल कर समुदायों में जाना होगा और विरासत को संस्थागत सीमाओं से बाहर लाकर समाज के साझा जीवन का हिस्सा बनाकर उसे संरक्षित करना होगा।

राजस्थान के सन्दर्भों में मेरा यह मानना हैं कि हमारे लिए विरासत के मूर्त (Tangible) और अमूर्त (Intangible) का भेद मिटाना आवश्यक है। राजस्थान की कलाएँ विशेषकर लोक-कलाएँ इस मायने में महत्वपूर्ण है कि ये मूर्त और अमूर्त का संगम हैं। बिना भोपा-भोपी के गायन (अमूर्त) के, फड़ (मूर्त) केवल एक चित्रित कपड़ा है। इनका सह-अस्तित्व ही हमारी वास्तविक थाती है। कठपुतली नगर के कठपुतली-कारीगर की कला तब तक पूर्ण नहीं है जब तक की भाट समुदाय के कलाकार द्वारा ढोलक की थाप पर कठपुतली कला के गीत न गाए जाएँ। इस दिशा में हमारे मोहल्लों, गलियों और गुवाडों जैसे स्थलों का सांस्कृतिक रूपांतरण कला और विरासत के लोकतंत्रीकरण और उनके संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता हैं। संग्रहालयों को केवल इमारतों तक सीमित करना हमारी विरासत के साथ न्याय नहीं होगा। उदाहरण के लिए बीकानेर की हवेलियाँ, विशेषकर रामपुरिया हवेलियाँ, मध्यकालीन और आधुनिक वास्तुकला के समन्वय का प्रतिनिधित्व करती हैं। पास के ही दुलमेरा गाँव का लाल पत्थर, केवल एक निर्माण सामग्री नहीं है, बल्कि यह बीकानेर की तप्त जलवायु और यहाँ के निवासियों के साहस का कलात्मक प्रतीक है। मारवाड़ की नगर योजना में गुवाड़, एक ऐसा लोकतांत्रिक स्थान रहा है जहाँ इतिहास, लोक-कथाएँ और समकालीन राजनीति एक साथ घुलती-मिलती हैं। शेखावाटी क्षेत्र के नवलगढ़, मंडावा, फतेहपुर में बनी हवेलियों के कारण यदि इसे दुनिया की सबसे बड़ी खुली कला दीर्घा कहा जाये तो गलत नहीं होगा। इन चित्रों के विषय जहाँ एक ओर पौराणिक कथाएँ हैं, वहीं दूसरी ओर ब्रिटिश काल के प्रभाव में रेलगाड़ियाँ, मोटरकार और ग्रामोफोन भी अंकित हैं। यह दर्शाता है कि उस दौर का व्यापारी समाज वैश्विक परिवर्तनों के प्रति कितना सजग था।

इसी तरह जयपुर का परकोटा, नगर नियोजन का जीता-जागता उदाहरण है, जो चौपड़-प्रणाली और वास्तु शास्त्र का अनूठा मेल है। यहाँ की चौपड़ें, बाज़ारों की एकरूपता और छतरियों वाले बरामदे एक नयनाभिराम तारतम्य पैदा करते है और दर्शातें है कि Urban Planning ?? Heritage Conservation ही की नींव है। जयपुर शहर का गुलाबी रंग केवल एक वर्ण नहीं, बल्कि अतिथि-सत्कार और समन्वय का प्रतीक है। यहाँ के बाजार अपने हस्तशिल्पों (ब्लॉक प्रिंटिंग, कुंदन) से वैसे ही जीवंत हैं जैसे अतीत में थे। जैसलमेर का किला विश्व के उन गिने-चुने किलों में से एक है जहाँ आज भी लोग निवास करते है।

इसकी पीली नक्काशीदार झरोखे और गलियाँ साक्षी हैं कि विरासत और निवास साथ-साथ चल सकते हैं। जोधपुर के मेहरानगढ़ की तलहटी में बसे ब्रह्मपुरी में मकान और दूसरे भवन नील (Indigo) के विभिन्न शेड्स से रंगे है। यह नीला शहर केवल पर्यटन का विषय नहीं है, बल्कि यह गर्मी से बचाव की एक वैज्ञानिक तकनीक और सामुदायिक पहचान का परिचायक है। इन नीली गलियों से गुजरना किसी कोबाल्ट गैलरी में चलने जैसा अनुभव है। इसी प्रकार बूंदी, दौसा की तरह राजस्थान के अन्य शहरों में बनी बावड़ियाँ जल स्थापत्य के संग्रहालय ही तो है, जो सार्वजनिक स्थलों पर जल संरक्षण और कला के समन्वय को दर्शाते हैं।

अब जरुरत इस बात की है कि Urban Planning keâes Heritage Conservation के साथ इस प्रकार एकीकृत किया जाये कि हमारे शहर अपने आप में एक गैलरी बन जाएं। जब हम किसी पुराने गुवाड़ या चौक में आधुनिक स्ट्रीट लाइट के बजाय पारंपरिक लालटेन-नुमा रोशनी और बैठने के लिए पाटों या पत्थर की बेंचों का इस्तेमाल करते हैं, तो वह स्थान स्वत: ही एक संग्रहालय में तब्दील हो जाता है। जब एक छात्र अपने स्कूल की ओर जाते हुए किसी ऐतिहासिक शिलालेख, स्थापत्य या पुरानी हवेली को देखता है, समझता है, तो वह जाने-अनजाने में ही अपनी संस्कृति से जुड़ जाता है और यह Sub- conscious Learning ही समाज, संस्कृति और सभ्यता की जड़ों को मजबूत करती है। Streets as Open Museums की प्रक्रिया कला, संस्कृति और विरासत की प्रस्तुति, प्रोत्साहन और संरक्षण की सामुदायिक जिम्मेदारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और हमारी आने वाली पीढ़ियां विरासत साक्षर बनेंगी। यदि हम इस दिशा में सफल होते हैं, तो हमारे शहर केवल ईंट-पत्थरों के निर्जीव ढांचे नहीं रह जाएंगे, बल्कि वे जीवंत कला दीर्घाओं के रूप में हमारी संस्कृति की निरंतरता के गवाह बनेंगे। अंतत: कला एवं विरासत के प्रति यही सामूहिक सजगता ही एक सशक्त, स्वावलंबी और अपनी जड़ों से जुड़े समाज की स्थायी नींव रखेगी।

–अब्दुल लतीफ़ उस्ता,
कला एवं विरासत अध्येता

सभ्यता और संस्कृति के साक्षी–संग्रहालय

डॉ. अरुणा व्यास

रविवार को संग्रहालय दिवस था। देशभर के संग्रहालयों को इस दौरान सजाते-संवारते वहां पर आम जन को आकर्षितत करने का प्रयास किया गया परन्तु संग्रहालय जीवंत कैसे बनें, वहां निंरतर लोग कैसे आएं इस पर कोई खास प्रयास अभी भी कहीं दिखाई नहीं देता है। क्या ही अच्छा हो, संग्रहालयों को जीवंत करते उन्हें संवाद केन्द्रों के रूप में विकसित किया जाए।

संग्रहालय प्राचीन वस्तुओं को सहेजने की जगह भर नहीं हैं, बल्कि मानवीय सभ्यता, कला, विज्ञान और इतिहास के जीवंत ज्ञान के भंडार होते हैं। संग्रहालयों को ज्ञान से जुड़ी अनौपचारिक पाठशाला कही जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। स्मृति में पढने से जो प्रभावी रूप में दर्ज नहीं होता, वह देखने और अनुभव करने से होता है। इस दृष्टि से संग्रहालयों में रखी वस्तुएं बिना बोले इतिहास, विज्ञान और संस्कृति का एक तरह से पाठ पढ़ाती हैं। इस पाठ का असर कितनाबों से कहीं गहरा और स्थाई होता है। नई शिक्षा नीति में अनुभव-आलोक से विद्यार्थियों को जोड़े जाने पर जोर दिया गया है। मुझे लगता है, इस ज्ञान में सर्वाधिक सहायक कुछ है तो वह हमारे संग्रहालय है। देश के लगभग हर स्थान पर कोई न कोई महत्वपूर्ण संग्रहालय है। इन संग्रहालयों में विद्यार्थियों को यदि ऐतिहासिक वस्तुएं, वैज्ञानिक मॉडल को अपनी आँखों से देखने के अवसर बढ़ाए जाएं तो इतिहास और विज्ञान विषय की समझ को कई गुना हम बढ़ा सकते है।

एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में एक हजार पांच सौ से अधिक संग्रहालय हैं। लगभग हर प्रांत में वहां से जुड़े इतिहास, संस्कृति और कलाओं से जुड़ी पुरा-वस्तुओं को इनमें संग्रहित किया हुआ है। शिक्षा में यदि इनके सुनियोजित उपयोग को सुनिश्चित किया जाए तो न केवल ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के बारे में बहुत सूक्ष्मता से अध्ययन को प्रोत्साहित किया जा सकता है बल्कि इनसे नई पीढी को अपने विरासत के गौरव से भी स्वत: जोड़ा जा सकता है।

देश आजाद होने के कुछ ही समय बाद 1949 में कोलकता के कला सम्मेलन में राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (नेशनल गैलरी आफ मॉर्डन आर्ट) की आवश्यकता महसूस की गई और 1954 में फिर इसकी स्थापना नई दिल्ली स्थित जयपुर हाऊस में हुई। आज इस कला संग्रहालय में 18 हजार से अधिक कलाकृतियों का अनूठा संग्रह है और निरंतर इसमें वृद्धि ही हो रही है। बाद में इसकी दो और शाखाएं भी मुम्बई और बैंगलुरू में खुली। देश के 150 वर्षों की सांस्कृतिक धरोहर को सहेज यह संग्रहालय भारतीय संस्कृति का आज जीता-जागता उदाहरण है।

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय प्रांगण में स्थित भारत कला भवन एशिया का सबसे महत्वपूर्ण भारतीय संग्रहालय है। सुप्रसिद्ध कलाविद् राय कृष्णदास ने भारत कला भवन की स्थापना की और आज इसमें 12 वीं से 20 शती तक के चित्र और मूर्तियों का अनूठा संग्रह है। पर यह विडम्बना ही है कि इसके बाद किसी विश्वविद्यालय में कला संग्रहालय के लिए इस तरह से कभी कोई विचार नहीं हुआ। विश्वविद्यालयों में संग्रहालयों की अपना महत्व है। इसलिए कि वहां विद्यार्थी सीधे संग्रहालय से जुड़ते हैं।

राजस्थान में रियासतों के एकीकरण से पहले लगभग सभी प्रांतों में राजा-महाराजाओं ने अपने स्तर पर संग्रहालयों की स्थापना की थी। इनमें पुरा वस्तुओं का अनुपम भंडार है। जयपुर का अल्बर्ट हॉल संग्रहालय इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि इसमें प्रसिद्ध मिस्त्र की ममी, उत्कृष्ट लघु चित्रकलाएँ, पारंपरिक राजस्थानी आभूषण, प्राचीन हथियार और सजावटी कलाओं का बहुत महत्वपूर्ण संग्रह है। अलवर और भरतपुर का संग्रहालय गुप्त और कुषाण काल की मूर्तियां और मराठा शासकों के इतिहास के जीवंत गवाह हैं। निजी स्तर पर पिलानी का बिरला संग्रहालय इस दृष्टि से विशिष्ट है कि इसमें भारत के आधुनिक विकास का वैज्ञानिक चित्रण है। कोयल के खानें, रेल पटरियों के बिछे जाल और प्राचीन मूर्तियों, चित्रों और हथियारों के साथ यहां पर वैज्ञानिक उपब्धियों का विशेष संग्रह है। निजी स्तर पर जयपुर के जलमहल के पास संजय संग्रहालय में भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़ी विरल विरासत संजोई हुई है।

संग्रहालय हमारी सांस्कृतिक विरासत और इतिहास के ही महत्वपूर्ण स्त्रोत नहीं है, यह भारतीय ज्ञान परम्परा के साक्षी हैं। क्या ही अच्छा हो, संग्रहालयों को जीवंत करते उन्हें संवाद केन्द्रों के रूप में विकसित किया जाए।

-डॉ. अरुणा व्यास,
पर्यावरण एवं संस्कृति अध्येता
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

बीकानेर में दिन का पारा 45 डिग्री पहुंचा

बीकानेर, (निसं)। जिले में भीषण गर्मी का दौर लगातार जारी है। यहां शहर का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं रात का तापमान भी बढ़कर 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, जिससे लोगों को दिन ही नहीं बल्कि रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही।

मौसम विभाग के अनुसार बीकानेर में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। विभाग की ओर से जारी वेदर मैप में बीकानेर के अधिकांश हिस्सों को रेड जोन में दर्शाया गया है। इसके चलते हीट वेव को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण इस बार हीटवेव के दिन भी बढ़ गए हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 25 मई से शुरू होने वाला नौतपा एक जून तक चलेगा। इस दौरान तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर जा सकता है। तेज गर्म हवाओं और तपिश के कारण दोपहर के समय सड़कें सूनी नजर आ रही हैं। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। चिकित्सकों ने भी लोगों को दोपहर में धूप से बचने, पर्याप्त पानी पीने और सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम विभाग के संकेतों के अनुसार फिलहाल बीकानेर संभाग में गर्मी से राहत मिलने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ ने की संभावना जताई जा रही है।

वहीं कालू में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जहां तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। प्रदेश भर में चल रही गर्म हवाओं और लू के कारण कालू क्षेत्र में जनजीवन प्रभावित हुआ है।

राशिफल मंगलवार 19 मई, 2026

पंडित अनिल शर्मा

प्रथम ज्येष्ठ मास (अधिक), शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2083, मृगशिरा नक्षत्र प्रात: 8:42 तक, धृति योग सायं 5:48 तक, गर करण दिन 2:19 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-मेष, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज राजयोग सूर्योदय से प्रात: 8:48 तक है। यमघट योग प्रात: 8:48 से सूर्योदय तक है। रवियोग प्रात: 8:48 से आरम्भ होगा। आज भद्रा रात्रि 12:43 से आरम्भ होगी। आज अंगारक विनायक चतुर्थी है। आज जिलहिज मु. मास 12 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:02 से 10:43 तक, लाभ-अमृत 10:43 से 2:04 तक, शुभ 3:44 से 5:25 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:05

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर
व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कुंभ
घर-परिवार में मांगलिक रचनात्मक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक व्यक्तिगत कारणों से भागदौड़ और मानसिक तनाव हो सकता है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा।

वृश्चिक
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

देश के पहले आर.आर.टी.एस. नेटवर्क से जुड़ेगा राजस्थान

अलवर, सोतानाला से नई दिल्ली के बीच दौड़ेगी ''नमो भारत ट्रेन''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता से राजस्थान को नई दिल्ली से तेज, सुरक्षित और विश्वस्तरीय परिवहन नेटवर्क के जरिए जोड़ने वाली रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) परियोजना को नई गति मिली है। राज्य सरकार और हरियाणा सरकार के बीच सहमति बनने से अब आने वाले समय में राजस्थान ''नमो भारत'' नेटवर्क से जुड़ेगा और दिल्ली से अलवर के बीच ''नमो भारत ट्रेन'' का संचालन संभव हो सकेगा।

नई दिल्ली के सराय काले खां से शुरू होने वाला दिल्ली-गुरुग्राम-एसएनबी-अलवर कॉरिडोर मुनिरका, एरोसिटी, गुरुग्राम, बावल होते हुए एसएनबी से खैरथल एवं अलवर तक पहुंचेगा। वहीं, एसएनबी से इसका दूसरा हिस्सा नीमराणा, बहरोड़ होते हुए सोतानाला तक विस्तारित होगा। इससे राजस्थान के भिवाड़ी एवं नीमराना सहित एनसीआर के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा तथा निवेश व रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए तैयार 'एकीकृत परिवहन योजना' के तहत क्षेत्र के प्रमुख शहरों को आधुनिक एवं तीव्र परिवहन प्रणाली से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके प्रथम चरण में दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ, दिल्ली-गुरुग्राम-एसएनबी-अलवर तथा दिल्ली-पानीपत- करनाल कॉरिडोर को नमो भारत कॉरिडोर्स के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन

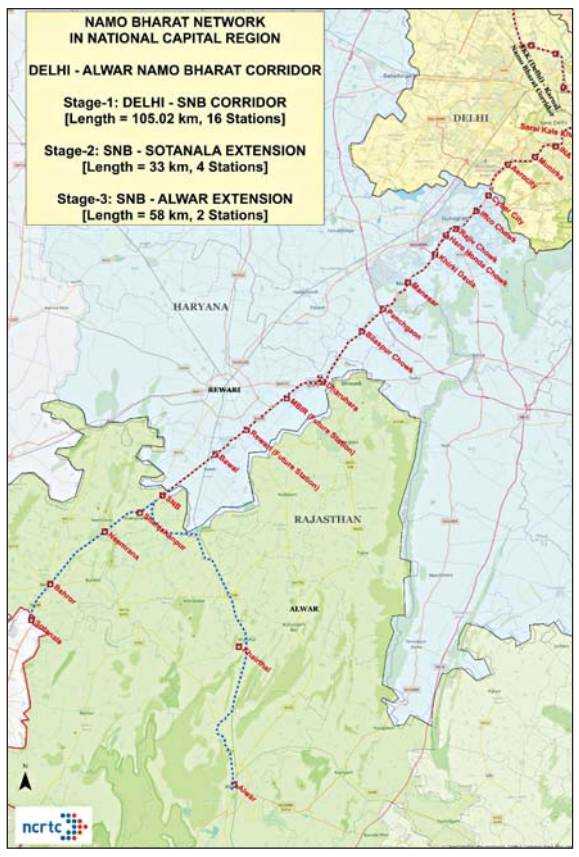

- प्रदेश में बनेगा 91 किमी लंबा आर.आर.टी.एस. कॉरिडोर
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिबद्धता से मिली परियोजना को नई गति

कॉरिडोर्स में से दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर का लोकार्पण भी हो चुका है।

इस पूरी परियोजना के अन्तर्गत कुल 196 किलोमीटर लंबा नमो भारत नेटवर्क एवं 22 मुख्य स्टेशन प्रस्तावित हैं, जो क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नई मजबूती प्रदान करेंगे। राजस्थान में इस परियोजना की कुल लंबाई 91 किलोमीटर होगी और इसमें 6 स्टेशन प्रस्तावित हैं। यह नेटवर्क 160 किलोमीटर प्रति घंटा की उच्च गति जैसी सुविधाओं से लैस होगा। नमो भारत नेटवर्क के तीनों कॉरिडोर्स को इंटर-ऑपरेबल भी बनाया जा रहा है, जिससे यात्री एक कॉरिडोर से दूसरे कॉरिडोर तक निर्बाध और त्वरित यात्रा कर सकेंगे। दिल्ली के सराय काले खां स्टेशन पर ये कॉरिडोर्स परस्पर जुड़ेंगे। आरआरटीएस ट्रेनों का संचालन डेडिकेटेड एवं एलिवेटेड कॉरिडोर पर किया जाएगा, जिससे यह सड़क यातायात और जाम से पूरी तरह मुक्त रहेगा। साथ ही, इस पूरे नेटवर्क को रेलवे स्टेशन, बस टर्मिनल (आईएसबीटी), एयरपोर्ट और दिल्ली मेट्रो से जोड़ा जाएगा। रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) सार्वजनिक परिवहन का एक अत्याधुनिक मॉडल है, जिसे विशेष रूप से एनसीआर क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इसकी ट्रेनें मेट्रो की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक गति से संचालित होती है।

जहां मेट्रो मुख्यत: एक शहर के भीतर यात्रा का माध्यम है, वहीं आरआरटीएस निटकवर्ती शहरों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक ढंग से जोड़ने का कार्य करती है। हरियाणा और राजस्थान के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों से होकर गुजरने वाला दिल्ली-गुरुग्राम-एसएनबी-अलवर कॉरिडोर न केवल एनसीआर क्षेत्र में आवागमन को तेज एवं सुगम बनाएगा, बल्कि राजस्थान में औद्योगिक विकास एवं आधारभूत संरचना के विस्तार के नये युग का सूत्रधार बनेगा।

रेलवे ट्रैक पर युवक का क्षत विक्षत शव मिला

जयपुर। शिप्रा पथ थाना क्षेत्र में दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर सोमवार को एक युवक का क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत होना सामने आ रहा है। सूचना पर पहुंची जीआरपी थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है।

पुलिस के अनुसार ट्रैक पर युवक का शव पडे होने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि शव दो टुकडों में बंटा हुआ था। युवक का धड कमर से अलग हो चुका था तथा दाहिना हाथ भी शरीर से अलग पडा मिला। पुलिस ने शव के सभी हिस्सों को एकत्रित कर अस्पताल भिजवाया। मृतक की उम्र करीब 30 वर्ष बताई जा रही है। फिलहाल उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पहचान के लिए पुलिस ने युवक के शरीर पर बने टैटू के आधार पर जांच शुरू की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को जयपुर के आराध्यदेव श्री गोविंददेवजी मंदिर एवं मोती डूंगरी स्थित श्री गणेश मंदिर पहुंचकर सपत्नीक पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं आमजन के लिए खुशहाली की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से आत्मीयता के साथ मुलाकात की।

सीजेआई सूर्यकांत की टिप्पणियों की निंदा की एटक ने

जयपुर (कासं)। सीजेआई (भारत के मुख्य न्यायाधीश) न्यायमूर्ति सूर्यकान्त द्वारा बेरोजगार युवाओं और आरटीआई कार्यकर्ताओं के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों की ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) ने निन्दा की है। एटक, राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष एम.एल. यादव ने कहा कि सीजेआई द्वारा बेरोजगार युवाओं और कार्यकर्ताओं के लिए 'कॉकरोच' और 'परजीवी' जैसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग स्पष्टरूप से निंदनीय है। यद्यपि मुख्य न्यायाधीश ने बाद में कुछ स्पष्टीकरण दिए हैं, फिर भी प्रयुक्त भाषा अत्यंत चिंताजनक है और गहरी असंवेदनशीलता तथा उदासीनता को दर्शाती है।

यादव ने कहा कि एटक पुन: स्पष्ट करती है कि बेरोजगार युवा नीतिगत विफलताओं और आर्थिक असमानता के शिकार हैं। ट्रेड यूनियनें, आरटीआई कार्यकर्ता, पत्रकार और सामाजिक आंदोलन राष्ट्र के दुश्मन नहीं हैं; वे लोकतंत्र और संवैधानिक जवाबदेही के अनिवार्य स्तंभ हैं। बेरोजगार युवाओं की तुलना 'कॉकरोच' और 'परजीवियों' से करना अत्यंत अपमानजनक, अमानवीय और पूरी तरह अस्वीकार्य है। यह पहला अवसर नहीं है जब न्यायमूर्ति सूर्यकांत की टिप्पणियों में मेहनतकश जनता और ट्रेड यूनियनों के प्रति पूर्वाग्रह झलका हो। इससे पहले भी उन्होंने औद्योगिक विकास की धीमी गति के लिए ट्रेड यूनियनवाद को जिम्मेदार ठहराते हुए अत्यंत अनुचित टिप्पणियाँ की थीं, जिनका व्यापक विरोध हुआ था। वही चिंताजनक शत्रुतापूर्ण दृष्टिकोण एक बार फिर सामने आया है। यह स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि आज भारत अभूतपूर्व बेरोजगारी, अस्थायी रोजगार, श्रम सुरक्षा में कटौती और बढ़ती आर्थिक असुरक्षा के गंभीर संकट का सामना कर रहा है। लाखों शिक्षित युवाओं के संघर्ष और पीड़ा अत्यंत व्यापक हैं। यह स्थिति नवउदारवादी आर्थिक नीतियों का परिणाम है, जिन्होंने सार्वजनिक रोजगार को कमजोर किया, श्रमिक अधिकारों को क्षति पहुंचाई तथा ठेका प्रथा और निजीकरण को बढ़ावा दिया। यह चिंता भी बढ़ रही है कि भारतीय न्यायिक व्यवस्था जनता के प्रति न्याय और समानता के संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने में अपेक्षित स्तर तक सफल नहीं रही है। ऐसे समय में उपहास नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और सहानुभूति की आवश्यकता है।

कार्यकर्ता विकास वर्ग का उद्घाटन

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र के कार्यकर्ता विकास वर्ग प्रथम का सोमवार को राजापार्क, जयपुर में औपचारिक उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर संघ के राजस्थान क्षेत्र प्रचारक निंबाराम ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग स्वयंसेवकों में नेतृत्व क्षमता, संगठन कौशल और दायित्व की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि वर्ग का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि स्वयंसेवकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर राष्ट्र और समाज के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं का निर्माण करना है।

निंबाराम ने कहा कि शाखा संघ कार्य का आधार है तथा शाखा के माध्यम से व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास होता है।

शाखा व्यक्ति निर्माण का माध्यम है और व्यक्ति निर्माण से ही समाज एवं राष्ट्र का निर्माण संभव है।

आबकारी विभाग ने पकडी 60 लाख की अवैध अंग्रेजी शराब

जयपुर। प्रदेश में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बडी कार्रवाई करते हुए कोटा में एक ट्रक से करीब 60 लाख रुपए मूल्य की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त आयुक्त कोटा जोन नरेश कुमार मालव ने बताया कि अवैध शराब के विरुद्ध लगातार गश्त, नाकाबंदी और दबिश अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर रविवार रात नेशनल हाईवे-52 स्थित नया टोल प्लाजा गोपालपुरा के पास नाकाबंदी की गई। इस दौरान एक संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली गई।

जांच में ट्रक में टाट की बोरियों के नीचे छिपाकर रखी गई फॉर सेल इन चंडीगढ़ अंग्रेजी शराब की बडी खेप बरामद हुई। मौके से राजस्थानी व्हिस्की ब्रांड के 1360 कार्टन, जिनमें 65 हजार 280 पव्वे भरे हुए थे, जब्त किए गए। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 60 लाख रुपए आंकी गई है।

कार्रवाई में जिला आबकारी अधिकारी बारां देवेन्द्र गिरी, जिला आबकारी अधिकारी कोटा विवेक शर्मा तथा सहायक आबकारी अधिकारी नारायण सिंह तोमर के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। अभियान में आबकारी निरीक्षक चेतन, प्रदीप मीणा, पीओ प्रमोद सिंह, हंसराज मीणा और पृथ्वीराज सिंह मीणा सहित अन्य अधिकारी और जाप्ता शामिल रहा।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने प्रदेशभर में अवैध शराब की तस्करी, निर्माण और बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अधिकारियों को जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में अवैध शराब के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है, वहां विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी।

आबकारी विभाग ने कोटा में एक ट्रक से करीब 60 लाख रुपए मूल्य की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को उम्रकैद

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम 1, महानगर द्वितीय ने नाबालिग को ब्लैकमेल कर उसके साथ लंबे समय कर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त राहुल मंडल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पीठासीन अधिकारी विकास कुमार ने अपने आदेश में कहा कि मासूम बच्चियों के खिलाफ होने वाले ऐसे अपराध समाज की अंतरात्मा को झकझोर देते हैं। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता ने साल 2022 में विद्याधर नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि साल 2018 में स्कूल में पढने के दौरान अभियुक्त ने उसे नशीला पेय पिलाकर उसके आपत्तिजनक फोटो खींच लिए थे। इसके बाद वह इन फोटो को सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करने की धमकी देकर उसे बुलाने लगा। इस दौरान अभियुक्त ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। अभियुक्त ने पीडिता के पिता को भी धमकाया और जान से मारने की धमकी दी। इससे परेशान होकर उसने रिपोर्ट दर्ज कराई। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

सील गोदाम में चोरी करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। मालपुरा गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सील किए गए गोदाम में चोरी करने वाले तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर चोरी गया सामान बरामद किया है। आरोपियों के कब्जे से एल्यूमिनियम, कॉपर, पीतल, लोहे का स्क्रैप और मशीनों सहित लाखों रुपए का माल बरामद किया गया।

पुलिस उपायुक्त रंजीता शर्मा ने बताया कि मालपुरा गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सील किए गए गोदाम में चोरी करने वाले तीन शातिर चोर पवन उर्फ पोंड्या (24), अभिषेक वर्मा (20) और विजय बैरवा (21) को गिरफ्तार किया है। मालपुरा गेट थाना प्रभारी उदयभान यादव ने बताया कि मामले में परिवादी अमनदीप ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी फर्म का गोदाम सांगासेतु पुलिया के पास शिकारपुरा रोड पर स्थित है, जिसे नगर निगम द्वारा यूडी टैक्स जमा नहीं होने के कारण सील कर दिया गया था। गोदाम में करीब ढाई लाख रुपए मूल्य का एल्यूमिनियम, कॉपर, पीतल, लोहे का स्क्रैप, वेल्डिंग मशीन, कटर मशीन और ग्राइंडर आदि सामान रखा हुआ था। 14 मई 2026 की रात अज्ञात चोर गोदाम से सामान चोरी कर ले गए। इस पर मालपुरा गेट थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गईजांच के दौरान पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और पूर्व में चोरी के मामलों में शामिल बदमाशों से पूछताछ की। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपी पवन उर्फ पोंड्या, अभिषेक वर्मा और विजय बैरवा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से अधिकांश सामान बरामद कर लिया।

- आरोपियों के कब्जे से एल्यूमिनियम, कॉपर, पीतल, लोहे का स्क्रैप और मशीनों सहित लाखों रुपए का माल बरामद

नाबालिग अभियुक्त को 10 वर्ष की सजा

हत्या के बाद पांव काटकर चांदी के कड़े लूटे थे

जयपुर। जिले के बालक न्यायालय ने पशु चराने गई महिला की हत्या करने के बाद उसके पांव काटकर चांदी के कडे लूटने वाले करीब 17 वर्षीय अभियुक्त को दस साल की सजा सुनाई है।

इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी माधवी दिनकर ने अपने आदेश में कहा कि केवल गहने लूटने के लिए महिला की हत्या कर उसके पांव काट देना, केवल एक अपराध नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की पूर्ण समाप्ति का संकेत है।

इतनी कम उम्र में व्यक्ति लालच के लिए इतनी क्रूरता कर सकता है तो यह सिर्फ व्यक्तिगत विकृति नहीं बल्कि समाज, संस्कार, हिंसक मानसिकता और नैतिक पतन पर भी गंभीर सवाल खडे करता है।

एक इंसान की जान की कीमत चांदी के कडो से कम समझ लेना अत्यंत शर्मनाक है। अदालत ने कहा कि कोर्ट बालक न्यायालय के रूप में काम कर रहा है। ऐसे में वह अभियुक्त को फांसी या आजीवन कारावास से दंडित नहीं कर सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक सुरेश कुमार शर्मा ने अदालत को बताया कि 19 अक्टूबर, 2021 को रामगोपाल शर्मा ने जमवारामगढ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी पत्नी दोपहर को अपने खेत पर पशु चराने गई थी। थोडी देर बाद उसके पास परिचित व्यक्ति का फोन आया कि उसकी पत्नी को किसी ने मार दिया है।

जब वह मौके पर पहुंचा तो उसकी पत्नी मरी हुई पडी थी और दोनों पांव के पंजे कटे हुए थे। इसके अलावा पत्नी के पैरों के कडे व कानों की बालिया शरीर पर मौजूद नहीं थी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

राजस्थान विधानसभा के 75वें वर्ष पर अमृत महोत्सव का आगाज

नए प्रतीक चिन्ह का विमोचन और 13 द्वारों का नामकरण किया गया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में सोमवार को विधानसभा परिसर में भव्य समारोह आयोजित किया गया। समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान विधानसभा के नए प्रतीक चिन्ह (लोगो) का विमोचन किया तथा विधानसभा भवन के 13 द्वारों के नामकरण की पट्टिकाओं का अनावरण कर विधानसभा अमृत महोत्सव का औपचारिक शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में लोकतंत्र, संस्कृति और राजस्थान की गौरवशाली विरासत की झलक देखने को मिली।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अपने संबोधन में कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का पवित्र सदन है और राजस्थान विधानसभा का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि भले ही स्वतंत्र भारत में 1952 में विधानसभा गठित हुई, लेकिन राजस्थान में लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव 1913 में ही रख दी गई थी, जब महाराजा गंगासिंह ने प्रतिनिधि सभा की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि विधानसभा के अमृतकाल में नए प्रतीक चिन्ह का विमोचन ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कदम है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, स्पीकर वासुदेव देवनानी, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को राजस्थान विधानसभा के नए प्रतीक चिन्ह (लोगो) का विमोचन किया।

राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल की सराहना करते हुए कहा कि नया प्रतीक चिन्ह राजस्थान की संस्कृति, संघर्षशीलता और जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। प्रतीक चिन्ह में शामिल खेजड़ी वृक्ष, गोडावण, ऊंट और विधानसभा भवन की आकृतियां राजस्थान की पहचान को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि खेजड़ी राजस्थान का कल्पवृक्ष है और यह त्याग, पर्यावरण संरक्षण तथा लोकमंगल का प्रतीक है। गोडावण और ऊंट को उन्होंने मरुधरा की सहनशीलता, समन्वय और जीवटता का प्रतीक बताया।

समारोह के दौरान राज्यपाल ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर हल्के-फुल्के अंदाज में सियासी तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि राजस्थान के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री टीकाराम पालीवाल थे। जूली की ओर इशारा करते हुए उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि जब मैंने नाम सुना कि पहले मुख्यमंत्री टीकाराम थे तो लगा नहीं कि ये होंगे, इनकी उम्र तो कम है। आगे इनका नंबर कब आएगा, यह भी पता नहीं। राज्यपाल की इस टिप्पणी पर सदन में मौजूद जनप्रतिनिधियों के बीच ठहाके गूंज उठे। बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि वह महाराष्ट्र की राजनीति का उदाहरण दे रहे थे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा देश की ऐसी विधानसभा बन गई है जिसका आधिकारिक प्रतीक चिन्ह तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह प्रतीक चिन्ह राजस्थान की 75 वर्षों की लोकतांत्रिक यात्रा, जनआकांक्षाओं और संवैधानिक मूल्यों का सजीव प्रतीक है। देवनानी ने कहा कि राष्ट्राय धर्मनिष्ठा विधायिका राजस्थान विधानसभा की जनसेवा, कर्तव्यनिष्ठा और संवैधानिक मर्यादा का आत्म मंत्र है। भारतीय परंपरा में धर्म का अर्थ सत्य, न्याय, संतुलन और लोककल्याण है तथा विधानसभा इन्हीं मूल्यों के अनुरूप कार्य करती है।

उन्होंने बताया कि विधानसभा के प्रमुख प्रवेश द्वारों को कर्तव्य द्वार, शक्ति द्वार, सुशासन द्वार, संकल्प द्वार और शौर्य द्वार नाम दिए गए हैं। वहीं बाहरी द्वारों को राजस्थान के विभिन्न सांस्कृतिक अंचलों-बृज, शेखावाटी, वागड़, मेवाड, मारवाड़, हाडौती, मेरवाड़ा और ढूंढाड-के नाम समर्पित किया गया है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने विधानसभा को पेपरलेस बनाने और सांस्कृतिक प्रतीकों को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जोड़ने की पहल को सराहनीय बताया।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि विधानसभा में लगातार नवाचार किए जा रहे हैं और यह नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का कार्य करेगा। समारोह में उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा सहित कई मंत्री, विधायक और विधानसभा अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर विधानसभा के नए प्रतीक चिन्ह के अभिकल्पक शेर सिंह को भी सम्मानित किया गया।

- विधानसभा लोकतंत्र का पवित्र मंदिर : राज्यपाल बागडे
- राष्ट्राय धर्मनिष्ठा विधायिका जनसेवा का आत्म मंत्र : देवनानी

जनभागीदारी से जल संवर्धन को मिली नई दिशा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने जल संरक्षण को सुशासन और जनभागीदारी का प्रमुख आधार बनाया है। मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप प्रदेश में जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने वाला 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान-2026 का शुभारंभ गंगा दशमी के दिन 25 मई से होने जा रहा है। यह अभियान 5 जून तक चलेगा। इसके तहत प्रदेश भर में जल संचयन और पौधारोपण के कार्य किये जाएंगे। पिछले वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से शुरू हुए अभियान को समाज के सभी वर्गों से अभूतपूर्व सहयोग प्राप्त हुआ। इसके परिणामस्वरूप जल संरक्षण, स्वच्छता और जनजागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की गईं। इसी सफलता को आधार बनाकर इस वर्ष और अधिक व्यापक स्वरूप दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन, भू-जल स्तर सुधार और पारंपरिक जल संरचनाओं के संरक्षण जैसे विभिन्न कार्यों को प्राथमिकता से धरातल पर उतारा है। उन्हीं के मार्गदर्शन में प्रशासन, सामाजिक संगठनों, युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हुई हैं। वर्ष 2025 में अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में लगभग 3 लाख 70 हजार कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें 1.32 करोड़ महिलाओं सहित कुल 2 करोड़ 53 लाख प्रदेशवासियों ने सहभागिता की। अभियान-2025 के दौरान 42 हजार 200 जल स्त्रोतों की सफाई कर उन्हें पुनर्जीवित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया गया। इसी का सफल परिणाम रहा कि वर्षाकाल में हमारे जल स्त्रोत लबालब होने से विभिन्न स्थानों पर भू-जल स्तर में वृद्धि हुई। इसके साथ ही 73 हजार 900 कार्यालयों, अस्पतालों एवं विद्यालयों में स्वच्छता गतिविधियां संचालित की गईं। प्रदेश में लगभग 18 हजार 900 पूर्ण कार्यों का लोकार्पण एवं अवलोकन किया गया। साथ ही, 5 हजार 600 नए कार्यों की शुरुआत ने भविष्य के जल संरक्षण ढांचे को मजबूत आधार प्रदान किया गया।

- 'वंदे गंगा' जल संरक्षण अभियान 25 मई से 5 जून तक चलेगा

सीकर के तारपुरा व दादिया क्षेत्र में प्रस्तावित एयरपोर्ट, रेलवे लाइन प्रोजेक्ट का विरोध

चार हजार बीघा कृषि भूमि बचाने की मांग को लेकर हजारों किसान एवं ग्रामवासी ट्रैक्टरों के साथ सीकर कलैक्ट्रेट पहुंचे और महापड़ाव के रूप में प्रदर्शन किया

- तारपुरा और दादिया क्षेत्र में प्रस्तावित एयरपोर्ट, रेलवे लाइन, सीमेंट प्लांट और अंडरपास प्रोजेक्ट के विरोध में किसानों का गुस्सा सामने आया
- किसानों ने चेतावनी दी कि बिना सहमति जमीन अधिग्रहण किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा

सीकर, (निसं)। सीकर जिले के तारपुरा और दादिया क्षेत्र में प्रस्तावित एयरपोर्ट, रेलवे लाइन, सीमेंट प्लांट और अंडरपास प्रोजेक्ट के विरोध में किसानों का गुस्सा सोमवार को खुलकर सामने आया। अपनी कृषि भूमि बचाने की मांग को लेकर हजारों किसान एवं ग्रामवासी ट्रैक्टरों के साथ सीकर कलैक्ट्रेट पहुंचे और महापड़ाव के रूप में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि बिना सहमति जमीन अधिग्रहण किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों ने सरकार से दो टूक कहा कि, जमीन किसी भी कीमत पर नहीं देंगे।

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन तारपुरा एयरपोर्ट परियोजना के नाम पर तारपुरा और दादिया गांव की करीब 4 हजार बीघा उपजाऊ कृषि भूमि अधिग्रहित करने की तैयारी कर रहा है। किसानों का कहना है कि पहले रेलवे लाइन और अब एयरपोर्ट तथा सीमेंट प्लांट जैसी परियोजनाओं के नाम पर लगातार उनकी जमीनें छीनी जा रही हैं। यदि यह अधिग्रहण हुआ तो हजारों परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो जाएगा। मंगलवार को सुबह से ही दादिया, तारपुरा, बेरी, जेरठी और आसपास के गांवों से किसान एवं ग्रामवासी ट्रैक्टर, ट्रॉलियों में सवार होकर सीकर कलैक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने 'जमीन हमारी-फैसला हमारा और खेती बचाओ- गांव बचाओ' जैसे नारे लगाए। महापड़ाव में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी भी देखने को मिली, जिन्होंने सरकार की अधिग्रहण नीति का विरोध करते हुए किसानों के समर्थन में आवाज बुलंद की। इससे पहले दादिया और तारपुरा गांवों में आयोजित विशाल महापंचायत में किसानों ने एकजुट होकर साफ कहा था कि ग्राम सभा और किसानों की अनुमति के बिना किसी भी प्रकार का भूमि अधिग्रहण स्वीकार नहीं किया जाएगा। किसानों ने आरोप लगाया कि प्रशासन बिना पर्याप्त संवाद किए परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।

कृषि भूमि बचाने को लेकर हजारों किसान एवं ग्रामवासी नारेबाजी कर सीकर कलैक्ट्रेट पहुंचे।

किसानों ने सरकार और प्रशासन के सामने चार बड़ी मांगें रखीं, ग्राम सभा और किसानों की लिखित सहमति के बिना किसी भी जमीन का अधिग्रहण नहीं किया जाए, एयरपोर्ट और रेलवे लाइन परियोजनाओं को लेकर प्रशासन किसानों से सीधा संवाद करे, जेरठी-दादिया अंडरपास की डिजाइन और स्थान को लेकर किसानों की आपत्तियों का समाधान किया जाए, सीमेंट प्लांट और रेलवे लाइन के लिए खेतों के बजाय बंजर भूमि अथवा खेतों के बाहर से गुजरने वाले वैकल्पिक मार्गों का सर्वे किया जाए।

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। किसान नेताओं ने कहा कि यह लड़ाई केवल जमीन की नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य और किसानों की पहचान बचाने की लड़ाई है। इस दौरान सीकर विधायक राजेन्द्र पारीक, उप जिला प्रमुख ताराचंद धायल, आरएलपी जिला अध्यक्ष महेन्द्र डोरवाल, सतपाल धींवा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

श्रीगंगानगर में बन रहे एक्सप्रेस-वे बाइपास कॉरिडोर का किसानों ने विरोध किया

सैकड़ों किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ जिला कलैक्ट्रेट पहुंचे और जाम लगा दिया

- किसानों ने एनएचएआई पर खेतों के बीच से रोड निकालने और कम मुआवजा तय करने का आरोप लगाया
- एनएचएआई की ओर से बनाया जा रहा 954 नंबर एक्सप्रेस-वे बाइपास कॉरिडोर करीब 70 किलोमीटर लंबा होगा

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बन रहे एक्सप्रेस-वे बाइपास कॉरिडोर के विरोध में सैकड़ों किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ जिला कलैक्ट्रेट पहुंचे। किसानों ने गंगा सिंह चौक के पास रेलवे स्टेशन जाने वाली सड़क पर ट्रैक्टर खड़े कर जाम लगा दिया। भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में किसानों ने एनएचएआई पर खेतों के बीच से रोड निकालने और कम मुआवजा तय करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

किसानों का कहना था कि एनएचएआई ने जानबूझकर खेतों के बीच से रोड का डिजाइन बनाया है, जिससे उनकी जमीन दो हिस्सों में बंट रही है। किसानों ने यह भी कहा कि कई पुरानी ढाणियां और मकान भी इस प्रोजेक्ट से प्रभावित हो रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष संदीप सिंह (केरा चक) ने कहा कि एनएचएआई के अधिकारियों ने मनमानी तरीके से रोड डिजाइन किया है। किसानों की जमीनों के बीच से सड़क नहीं बनने देंगे। कुछ परिवारों की तो थोड़ी-थोड़ी जमीन है, वह भी दो टुकड़ों में बंट जाएगी। सदियों से चली आ रही खेती-बाड़ी छिन जाएगी।

किसानों का कहना है कि बनवाली गांव जिला मुख्यालय से करीब 10 से 15 किलोमीटर दूर है और यहां पहले से कई फैक्ट्रियां और उद्योग चल रहे हैं। इसके बावजूद राजस्व विभाग और एनएचएआई की ओर से कम मुआवजा तय किया जा रहा है। किसानों ने प्रति बीघा 1 करोड़ रुपए मुआवजा देने की मांग रखी।

एनएचएआई की ओर से बनाया जा रहा 954 नंबर एक्सप्रेस-वे बाइपास कॉरिडोर करीब 70 किलोमीटर लंबा होगा। इसकी अनुमानित लागत करीब 1600 करोड़ रुपए बताई गई है। यह फोर-लेन एक्सप्रेस-वे दो साल में पूरा किया जाना प्रस्तावित है। यह एक्सप्रेस-वे साधुवाली से रीको जाने वाले नेशनल हाईवे-62 पर कालूवाला ओवरब्रिज के पास से शुरू होकर स्टेट हाईवे-7बी तक बनाया जाएगा। बनवाली के पास रेलवे ओवरब्रिज और बाइपास बनाकर इसे लालगढ़ रोड से जोड़ा जाएगा। जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया सादुलशहर एसडीएम कार्यालय के माध्यम से चल रही है। किसानों का कहना है कि जब पोल लगाने की टीम गांव पहुंची, तब उन्हें सड़क के रूट की जानकारी मिली। इसके बाद किसानों ने विरोध शुरू कर दिया।

चूरू में कृषि संग्रहालय स्थापित करने की मांग उठी

- राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष और कृषि अध्येता डॉ. दुलाराम सहारण ने मांग उठाई

जयपुर/चूरू। राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष और कृषि अध्येता डॉ. दुलाराम सहारण ने प्रदेश के मुख्य मंत्री भजनलाल शर्मा एवं चूरू जिले के जनप्रतिनिधियों से चूरू में राजकीय कृषि संग्रहालय स्थापित करवाने की पुरजोर मांग की है।

कृषि अध्येता डॉ. सहारण ने कहा कि कृषि प्रधान भारत में कृषि विरासत के संरक्षण पर अपेक्षित स्तर पर कार्य नहीं हुआ है। समय के साथ खेती का स्वरूप तेजी से बदला है। कभी बैलों और परंपरागत औजारों पर आधारित खेती में ट्रैक्टर ने क्रांति लाई थी और अब आधुनिक तकनीक तथा ड्रोन कृषि क्षेत्र में नई दिशा दे रहे हैं। यह परिवर्तन विकास और उन्नित का प्रतीक है, किंतु इसके साथ पुरानी कृषि संस्कृति और उपकरण तेजी से विलुप्त होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी और शोधार्थियों को यह जानने का अवसर मिलना चाहिए कि हळ, तांगड़-पट्टिये, पीनणी-बांसिया जैसे पारंपरिक कृषि उपकरण कैसे होते थे। इसी प्रकार हांडी, बिलोवणी, घिलोड़ती, अराई, नेतरो और झेरणा जैसे ग्रामीण जीवन एवं कृषि संस्कृति से जुड़े उपकरणों और वस्तुओं का भी संरक्षण आवश्यक है। इसके लिए कृषि संग्रहालयों की स्थापना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

डॉ. दुलाराम सहारण

डॉ. सहारण ने कहा कि यह कार्य प्राथमिक रूप से कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि महाविद्यालयों, कृषि संस्थानों तथा संस्कृति एवं संग्रहालय विभाग का दायित्व है। साथ ही निजी स्तर पर भी इस दिशा में प्रयास होने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जहां-जहां किसान भवन स्थापित हैं, वहां कृषि विरासत के संरक्षण हेतु एक कक्ष विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान का चूरू क्षेत्र कृषि प्रधान रेगिस्तानी इलाका रहा है, जहां सिंचाई और आधुनिक तकनीक के विस्तार के कारण पिछले दशकों में खेती और ग्रामीण जीवन में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। इस बदलाव के ऐतिहासिक स्वरूप को सहेजने के लिए चूरू में कृषि संग्रहालय की स्थापना अत्यंत आवश्यक है।

डॉ. सहारण ने बताया कि पूर्व में उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल में भी इस संबंध में पत्रावली चलाई थी, किंतु सरकार परिवर्तन के बाद यह विषय आगे नहीं बढ़ सका। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, स्थानीय सांसद, विधायकों तथा जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे कृषि विरासत के संरक्षण के इस महत्त्वपूर्ण उपक्रम को गंभीरता से लेते हुए चूरू में भारत सरकार अथवा राजस्थान सरकार से राजकीय कृषि संग्रहालय स्वीकृत करवाने की पहल करें।

स्कॉर्पियो की टक्कर से युवक की मौत

- मृतक के भाई ने थाने में स्कॉर्पियों ड्राइवर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में पैदल जा रहे 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई। सोमवार सुबह काम पर जाते समय एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार ने उसे टक्कर मार दी।

मृतक की पहचान उदयपुर जिले के खेरवाडा तहसील के मौतली निवासी बद्री पुत्र सोमेश्वर डामोर के रूप में हुई है। वह सुबह करीब छह बजे अपने घर से श्रीनाथ कॉलोनी पालवाडा की ओर पैदल जा रहा था। श्रीनाथ कॉलोनी के पास पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियों कार ने उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में बद्री के हाथ, पैर और सिर पर गंभीर चोटें आईं। उसे तुरंत 108 एम्बुलेंस से डूंगरपुर अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को डूंगरपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। मृतक के भाई राजू डामोर ने सदर थाने में स्कॉर्पियों ड्राइवर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

महिला से चाकू की नोंक पर हुई लूट का खुलासा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की पारोली थाना पुलिस ने फलासेड रोड पर एक राह चलती महिला को चाकू दिखाकर और जानलेवा हमला कर जेवरात लूटने की वारदात का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पुलिस ने लूटे गए सोने के जेवरात खरीदने वाले 5 हजार रुपये के इनामी और शातिर बदमाश को चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा से गिरफ्तार किया है।

पारोली थानाधिकारी सियाराम के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने यह कार्रवाई की है। घटना 27 फरवरी की है, जब फलासेड निवासी एक महिला शाम को अपने खेत से पैदल घर लौट रही थी। इसी दौरान दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए चार बदमाशों ने महिला को घेर लिया और चाकू की नोंक पर उसके गले से करीब तीन तोले सोने के जेवरात (सोने की रामनामी, दो मादलिया, दो सोने के मोती व टोपीस) छीनने लगे। जब महिला ने इसका विरोध किया, तो बदमाशों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की और चाकू से वार कर जेवरात काट लिए। चाकू के वार से महिला का गला कट गया और वह लहूलुहान हो गई। वारदात को अंजाम देकर बदमाश पारोली की तरफ भाग निकले थे। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए गठित विशेष टीम ने पूर्व में ही कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी भैंरूलाल उर्फ नाना लाल मोग्या और गोवर्धन मोग्या को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुछ जेवरात बरामद कर लिए थे। इसके बाद जब आरोपी भैरू लाल पिता पूरण मोग्या से पूछताछ की गई, तो उसने कबूला कि उसने अपने साथी विशाल उर्फ विकास मोग्या के साथ मिलकर लूटे गए शेष जेवरात निम्बाहेड़ा के एक शातिर खरीदार को बेचे थे। इस सूचना पर पारोली पुलिस ने जाल बिछाकर जेवरात के खरीदार और 5 हजार रुपये के वांछित इनामी अपराधी मोहम्मद अमजद उल्ला को डिटेन किया। गहन पूछताछ के बाद आरोपी ने लूट का माल खरीदना स्वीकार कर लिया, जिसके बाद पुलिस ने मोहम्मद अमजद उल्ला (42) पिता मुबारिक हुसैन, निवासी ढोलियों की गली, जावद दरवाजा, निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार इनामी आरोपी मोहम्मद अमजद उल्ला को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस अब उससे कड़ाई से पूछताछ कर रही है ताकि वारदात के शेष जेवरात बरामद किए जा सकें।

परिवार के चार सदस्यों का एक साथ अंतिम संस्कार

- सिपाही अमरीश पुरी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया

जोधपुर, (कासं)। जिले के पीपाड़ पंचायत समिति के रावनियाना गांव के रहने वाले एक ही परिवार के चार सदस्यों का सोमवार को एक साथ अंतिम संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार सिपाही अमरीश पुरी के साथ मां रुकमा देवी, छोटे भाई आकाश पुरी, आकाश पुरी की पत्नी नीतू का गोस्वामी समाज के अनुसार एक साथ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के सामने समाधि दी गई। इस दौरान वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गई। इन चारों लोगों की रविवार को सडक़ हादसे में मौत हो गई थी। इससे पहले सिपाही अमरीश पुरी को बोरुंदा थाना क्षेत्र में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। पाली पुलिस की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पाली से डीवाईएसपी अमृतलाल सोनी, महिला अपराध एवं अनुसंधान प्रभारी, बोरुंदा थानाधिकारी सुजानाराम विश्नोई, सायबर सेल प्रभारी गौतम आचार्य, एएसआई जियाराम चौधरी, सुभाष खदाव सहित अन्य सिपाहियों ने अपने सहकर्मी को अंतिम सलामी दी।

मजदूर की छत से गिरकर मौत

डूंगरपुर, (निसं)। निर्माणाधीन मकान पर मजदूरी करते समय छत से गिरने से एक श्रमिक की मौत हो गई। हादसे के बाद साथी मजदूर उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाली थाने के हैड कानि. ने बताया कि मृतक की पहचान सरकण कोपचा माली फला आसेला निवासी 58 वर्षीय गौतम रोत पुत्र रूपाजी रोत के रूप में हुई है। गौतम गांव के ही मगला पुत्र जीवा रोत और रमेश मनात के साथ मजदूरी करता था। रोज की तरह वह मजदूरी करने शहर आया था। तीनों मजदूर शहर में अरबाज खान निवासी अंबामाता मंदिर के पास पातेला क्षेत्र स्थित मकान पर काम कर रहे थे। वे मकान निर्माण के लिए रेती से भरे तसले ऊपर चढ़ाकर खाली कर रहे थे।

सायबर ठगी में बैंक खाता देने वाला युवक गिरफ्तार

- खाते का उपयोग 68 लाख रुपए की सायबर ठगी में किया गया था

गंगापुर सिटी, (निसं)। सायबर ठगी के एक मामले में उदेईमोड़ थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सायबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन म्यूल हंटर अभियान के तहत की गई। आरोपी पर कमीशन लेकर सायबर ठगी के लिए बैंक खाता उपलब्ध कराने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार युवक अपने बैंक खाते में ठगी की रकम मंगवाता था। इसके बाद, वह कमीशन काटकर शेष राशि को अन्य सायबर ठगी के आरोपियों तक पहुंचाता था। यह कार्रवाई महानिदेशक पुलिस एससीआरबी एवं सायबर क्राइम राजस्थान जयपुर के निर्देश पर संदिग्ध बैंक खातों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। जांच के दौरान, बैंक ऑफ बड़ौदा, गंगापुर सिटी के एक संदिग्ध खाते की पड़ताल की गई। इस खाते के खिलाफ सायबर क्राइम अहमदाबाद में ऑनलाइन ठगी की शिकायत दर्ज थी। जांच में सामने आया कि इस खाते का उपयोग करीब 68 लाख रुपए की सायबर ठगी में किया गया था। ठगी की कुल रकम में से 50 हजार रुपए सीधे आरोपी के खाते में ट्रांसफर हुए थे। पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजौरा और वृताधिकारी गिर्राज प्रसाद मीणा के सुपरविजन में उदेईमोड़ थाना प्रभारी बृजेश सिंह तंवर के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपी सोनू कुमार पुत्र शिवराम जाटव को नयागांव, थाना पीलोदा से गिरफ्तार किया है।

अजमेर में चेन स्नैचर से वृद्धा ने मुकाबला किया

- रिटायर्ड आर्मी अफसर की पत्नी ने दिखाई बहादुरी, आधी चेन बचाई

अजमेर, (निसं)। शहर के अलवर गेट थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक 70 वर्षीय महिला ने साहस और हिम्मत का परिचय देते हुए चेन स्नैचर का डटकर मुकाबला किया। बाइक सवार बदमाश रिटायर्ड आर्मी अफसर की पत्नी के गले से सोने की चेन छीनकर भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन महिला ने करीब तीन मिनट तक उससे संघर्ष किया। इस दौरान आधी चेन महिला के हाथ में रह गई, जबकि बदमाश आधी चेन लेकर फरार हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरों में आरोपी भागता हुआ दिखाई दिया है।

जानकारी के अनुसार बिहारीगंज स्थित अंबिका कॉलोनी निवासी शकुंतला शर्मा (70) सोमवार सुबह अपने घर के बाहर खड़ी थीं। इसी दौरान हेलमेट लगाए एक बाइक सवार युवक वहां पहुंचा। महिला कुछ समझ पाती, उससे पहले ही बदमाश ने उनके गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन छीनने का प्रयास किया। अचानक हुए हमले के बावजूद शकुंतला शर्मा घबराई नहीं और उन्होंने बदमाश का हाथ पकड़ लिया। महिला ने उसे धक्का भी दिया, जिससे कुछ देर तक दोनों के बीच छीना-झपटी होती रही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महिला और बदमाश के बीच करीब तीन मिनट तक संघर्ष चलता रहा। बदमाश लगातार चेन खींचने की कोशिश करता रहा, जबकि महिला पूरी ताकत से उसका विरोध करती रही। आखिरकार बदमाश चेन तोड़ने में सफल हो गया, लेकिन पूरी चेन नहीं ले जा सका। आधी चेन महिला के हाथ में ही रह गई।

जालोर में 55 लाख रुपये का अफीम दूध बरामद, ट्रक सहित चालक को दबोचा

- एएनटीएफ टीम ने मेवाड़ से मारवाड़ तक अफीम के काले गोरखधंधे का पर्दाफाश किया

जालोर, (कासं)। एएनटीएफ टीम ने सोमवार को मेवाड़ से मारवाड़ तक अफीम के गोरखधंधे के मामले में आबूरोड रेवदर के बीच में घेरा डालकर ट्रक को दबोचकर आरोपी को गिरफ्तार किया। उक्त आरोपी के कब्जे से दस किलो नौ सौ ग्राम अफीम का दूध बरामद किया। जिसकी कीमत 55 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि सिरोही जिले से अवैध मादक पदार्थ अफीम की बड़ी खेप ट्रक में छुपाकर ले जा रहे आरोपी पुरण गायरी पुत्र सवाजी गायरी निवासी नान्दोली पुलिस थाना निकुम्भ जिला चित्तौड़गढ़ को पकड़ने में सफलता अर्जित की है। यह काला धंधा लंबे से समय से मेवाड़ से मारवाड़ तक चल रहा था। आरोपी भाड़े का ट्रक चलाता था। निम्बाहेडा में सीमेंट फैक्टरी से सीमेंट लेकर सांचोर आता व रास्तों में तस्करों से सांठ-गांठ करके माल खरीदता व गुप्त रूप से जालोर व सांचोर इलाकों में ले आया करता था। चित्तौड़ के तस्करों से मिले निर्देश के अनुसार ग्राहकों को सुपुर्द करता चलता आता था। इसी काम के आरोपी को दस किलो अफीम की तस्करी के 2 से 3 हजार रूपये मिलते थे व प्रत्येक ट्रिप में कम से कम 10 से 15 किलो माल ले जाता था जिससे 40 से 50 हजार रूपये आमदनी कर लेता था।

जालोर में एएनटीएफ टीम ने दस किलो अफीम का दूध बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

पूर्व में आरोपी पुरण लंबे रास्ते में साथ अपने एक व्यक्ति को खलासी के रूप में रखता था। उस खलासी ने पूरण का यह धंधा व पूरा कार्यक्रम बड़े नजदीक से देखा हुआ था, लेकिन उसने किसी को कुछ भी बताया नहीं और पुरण का साथ देने से मना किया तो पूरण अकेले ही ये धंधा करने लग गया। सांचोर के इलाके में लगातार बड़ पैमाने पर अफीम की तस्करी की सूचना पर एएनटीएफ की टीमें सतर्क होकर जनसाधारण से सहयोग की अपील करती रही। उक्त सूचना के अनुसार एएनटीएफ की टीम पूरण के पीछे लग गयी। बेहत सतर्क व चालाक पूरण पहले चित्तौड़ के भादसोडा में दिखा, फिर उदयपुर दिखा, फिर गोगुंदा और स्वरूपगंज में एएनटीएफ की निगाह में आया पर चालाकी दिखाता हुआ निगाहों से ओझल होता रहा। करीब 8 घंटे की लुका-छिपी के खेल के बाद आबूरोड रेवदर के बीच में एएनटीएफ की टीम ने पूर्व से घेरा डालकर ट्रक को दबोच लिया।

आरोपी पूरण अपने सरगना तस्कर आकाओं के साथ मिलकर चित्तौड़ से लेकर उदयपुर, सिरोही, आबूरोड, सांचौर तथा रानीवाड़ा इलाके में माल की सप्लाई करता था। मार्ग के हर कच्चे-पक्के रास्ते तथा पुलिस की नाकाबंदी के बारे में पूरी तरह पूरण अवगत था। यही कारण है कि वह पुलिस के घेरे में नहीं आता था। इस बार भी एएनटीएफ की टीम को आठ घंटे छकाता रहा। गत वर्ष जनवरी माह में पिंडवाड़ा क्षेत्र में रंगे हाथों गिरफ्तार हुआ था। तब वह बोलेरो गाडी में अफीम की खेप लेकर जा रहा था। पूरण के अनुसार 15 दिन में जमानत करा ली और फिर से बाकायदा इसी धंधे मे लग गया। पिछली बार की गलती से सबक लेते हुये उसने रास्ते का फिर से पूर्ण सर्वेक्षण किया, ताकि पकड़ में नहीं आये। टीम ने 10 किलो 900 ग्राम अफीम दूध जिसकी कीमत लगभग 55 लाख रूपये, एक ट्रक जब्त कर पूरण गायरी पुत्र सवाजी गायरी निवासी नान्दोली पुलिस थाना निकुम्भ जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया।

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA
(Rawathbhata Road, Kota -324021 (Estate Cell))

NOTICE INVITING E-BIDS

E-Bids are invited for following works –

NIB No.	Name of work	Estimated Cost (in lacs)	UBN
06/2026-27	ARC for Catering Services	12.25	VMU2627SLRC00006
07/2026-27	ARC For hiring of tent related articles for various functions and occasions of the University.	12.00	VMU2627SLRC00007
08/2026-27	ARC for hiring of Vehicles.	55.00	VMU2627SLRC00008

Further details may be obtained from **http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.vmou.ac.in** w.e.f. 18/05/2026.
Raj.Samwad/C/26/3018 OIC Estate

कार्यालय नगरपरिषद बहरोड़ जिला-कोटपूतली-बहरोड
Email id- behror.jaipur@gmail.com Phone no. 01494-220090
क्रमांकः- न.प.ब./निर्माण/2026-27/11 दिनांकः-14.05.2026

निविदा सूचना- 03/2026-27

नगरपरिषद बहरोड़ की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए सील बंद निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा website www.sppp.raj.nic.in/eproc.raj.in से download कर देखी/प्राप्त की जा सकती हैं। RTPP एक्ट की शर्ते मान्य होंगी एवं अन्य शर्ते कार्यालय समय में देखी जा सकती हैं।
जिसके Nib Code व UBN Number निम्न प्रकार हैं।
NIB Code-DLB2627A1752
UBN No.- DLB2627WSOB04626, DLB2627WSOB04627
आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/2986 नगरपरिषद बहरोड़

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दूरभाष स.0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट. www-udaipurmc.org
क्रमांक : उद्यान/2026-27/ई -02 दिनांक :- 14.05.2026

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 02/2026-27

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 44.27 लाख के कुल 02 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 15.05.2026 एवं अंतिम तिथि 25.05.2026 तथा निविदा खुलने की तिथी 26.05.2026 रहेगी निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।
UBN No. UNP2627WSOB00030
अधीक्षण अभियन्ता
राज.संवाद/सी/26/3002 नगर निगम, उदयपुर

आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाते हुए 9 सटोरिये पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने सांगानेर सदर और मुरलीपुरा क्षेत्र में दबिश दी

जयपुर (कासं)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के रोमांच के बीच राजधानी जयपुर में ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर नौ सटोरियों को गिरफ्तार किया है। कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने सांगानेर सदर और मुरलीपुरा थाना क्षेत्रों में दबिश देकर राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के मैच पर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे गिरोह का भंडाफोड़ किया।

आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाने वाले युवकों को पुलिस ने दबोचा।

- आरोपियों के कब्जे से 20 मोबाइल फोन, एलईडी टीवी, सट्टे के हिसाब-किताब की डायरियां, दो लग्जरी वाहन, एक मोटरसाइकिल और नकदी बरामद की है।
- प्रारंभिक जांच में आरोपियों से जब्त रजिस्टर में करोड़ों रुपए के लेनदेन का हिसाब सामने आया है।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देशन और विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन) ओमप्रकाश के मार्गदर्शन में पुलिस उपायुक्त अपराध संजीव नैन यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 20 मोबाइल फोन, एलईडी टीवी, सट्टे के हिसाब-किताब की डायरियां, दो लग्जरी वाहन, एक मोटरसाइकिल और नकदी बरामद की है। प्रारंभिक जांच में रजिस्टरों में करोड़ों रुपए के लेनदेन का हिसाब सामने आया है।

विशेष पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि सीएसटी को सूचना मिली थी कि सांगानेर सदर थाना इलाके की जेडीए कॉलोनी गोविंदपुरा में दुकान के ऊपर बने कमरे में आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा चलाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश दी तो वहां आरोपी राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के मैच पर एप के जरिए ऑनलाइन दांव लगवा रहे थे। जांच में सामने आया कि आरोपी बुकियों उत्तम सैनी, निरंजन शर्मा और भगवान शर्मा से लाइन लेकर सट्टेबाजी कर रहे थे। पुलिस ने मौके से धर्म सिंह चौधरी निवासी शिकारपुरा जयपुर, रोशन चौधरी निवासी शिकारपुरा जयपुर, हरि गुर्जर निवासी शिकारपुरा जयपुर, महेंद्र चौधरी निवासी शिकारपुरा जयपुर, अजीत चौधरी निवासी सांयपुरा जयपुर, गिर्राज चौधरी निवासी राहोली टोंक तथा सूर्यप्रकाश चौधरी निवासी रणवा की ढाणी जयपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके कब्जे से 15 मोबाइल फोन, तीन रजिस्टर, दो लग्जरी वाहन, एक बाइक, कैलकुलेटर और 1.27 लाख रुपए नकद जब्त किए हैं। आरोपियों के खिलाफ बीएनएस, आईटी एक्ट और आरपीजीओ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वहीं दूसरी कार्रवाई मुरलीपुरा थाना इलाके के विजयवाड़ी क्षेत्र में की गई, जहां आरोपी पुलिस से बचने के लिए मकान के भीतर ऑनलाइन सट्टेबाजी का नेटवर्क संचालित कर रहे थे। पुलिस ने मौके से योगेश जैन उर्फ पिल्लू और संजय जैन को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी सौरभ और अभिषेक नामक बुकियों से लाइन लेकर एप के जरिए सट्टा संचालित कर रहे थे।

पुलिस ने इनके कब्जे से पांच मोबाइल फोन, एक एलईडी टीवी, जियो फाइबर सेटअप बॉक्स और हिसाब-किताब का रजिस्टर बरामद किया है। दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है और पुलिस अब पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य सटोरियों व ऑनलाइन गिरोह के तार खंगालने में जुटी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आईपीएल सीजन के दौरान ऑनलाइन सट्टेबाजी का कारोबार तेजी से फैलता है और सटोरिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए युवाओं को इस अवैध कारोबार में फंसा रहे हैं। जयपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अवैध सट्टेबाजी या ऑनलाइन जुए की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

20 मई को दवाओं की दुकानें बंद रहेंगी

जयपुर । ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के आव्हान पर राजस्थान केमिस्ट एलायंस (आरसीए) के सहयोग से 20 मई (बुधवार) को देशभर में केमिस्ट एवं दवा विक्रेताओं का बंद आयोजित किया जाएगा। जयपुर में राजस्थान केमिस्ट एलायंस के अध्यक्ष एवं एआईओसीडी के उपाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने बताया कि यह बंद केवल व्यापारिक मुद्दा नहीं, बल्कि देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि रिटेल केमिस्ट आमजन तक सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और समय पर दवाइयां पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, लेकिन ई-फार्मेसी के अनियंत्रित विस्तार और नीतिगत असंतुलन के कारण छोटे एवं मध्यम दवा विक्रेताओं के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है। संगठन ने अवैध ई-फार्मेसी पर सख्त कार्रवाई करने तथा जीएसआर 817(ई) और जीएसआर 220(ई) अधिसूचनाओं को तत्काल वापस लेने की मांग की है। अरविंद गुप्ता ने स्पष्ट किया कि बंद पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किया जाएगा तथा आपातकालीन दवा सेवाएं जारी रहेंगी, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य सरकार का ध्यान केमिस्ट समुदाय की वास्तविक समस्याओं की ओर आकर्षित करना है। उन्होंने प्रदेश और देशभर के केमिस्ट एवं रिटेलर साथियों से बंद का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि कुछ लोग भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे है।

हाईटेक आईपीएल क्रिकेट सट्टे का भंड़ाफोड़ किया

1.90 लाख नकदी सहित बुकी गिरफ्तार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर ग्रामीण जिले की चंदवाजी थाना पुलिस ने आईपीएल सीजन के दौरान ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में संचालित हाईटेक सट्टा नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। जहां पुलिस ने अचरोल कस्बे में दबिश देकर आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन हार-जीत का दांव लगवाने वाले एक शातिर बुकी को गिरफ्तार किया है। मौके से 1.90 लाख नकद, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, बैंक दस्तावेज और सट्टे के हिसाब-किताब से जुड़ी डायरी बरामद की गई है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि आईपीएल सीजन के दौरान बढ़ रही ऑनलाइन सट्टेबाजी, जुए और साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रणवीर सिंह एवं वृत्ताधिकारी रामकिशन विश्नोई के सुपरविजन में चंदवाजी थानाधिकारी एवं प्रोबेशनर आईपीएस नितिन चौधरी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। इसी दौरान कांस्टेबल रोहिताश बराला को सूचना मिली कि अचरोल के कारीगरों के मोहल्ले में बड़े स्तर पर ऑनलाइन आईपीएल सट्टा संचालित किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने आरोपी के मकान पर ताबड़तोड़ दबिश दी। पुलिस जब कमरे में पहुंची तो वहां एलईडी टीवी पर लाइव आईपीएल मैच चल रहा था और आरोपी मोबाइल फोन के जरिए हर गेंद और रन पर हार-जीत के दांव लगवा रहा था। कमरे में नकदी, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक, चेकबुक और हिसाब-किताब की डायरियां बिखरी पड़ी थीं। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपित विष्णु कुमार शर्मा (45) निवासी अचरोल थाना चंदवाजी जिला जयपुर ग्रामीण को मौके से गिरफ्तार किया। वहीं तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1.90 लाख नकद, तीन एंड्रॉइड मोबाइल, दो साधारण मोबाइल, 40 इंच की एलईडी टीवी, विभिन्न बैंकों के 8 एटीएम कार्ड, 7 बैंक पासबुक, 4 चेकबुक तथा सट्टे के हिसाब-किताब की मुख्य डायरी बरामद की।

पुलिस के अनुसार आरोपी मोबाइल एप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों से ऑनलाइन सट्टा खिलवा रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह लंबे समय से इस अवैध कारोबार में सक्रिय था और आईपीएल मैचों के दौरान लाखों रुपए का लेनदेन कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जुआ अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब पुलिस आरोपी के नेटवर्क, बैंक खातों, मोबाइल डेटा और उससे जुड़े अन्य सटोरियों की जानकारी जुटाने में लगी है।

42 बीघा भूमि विवाद में हाईकोर्ट ने एकलपीठ के आदेश पर लगी रोक हटाई

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने बी-2 बाईपास पर स्थित 42 बीघा भूमि से जुड़े मामले में गत 21 अप्रैल को एकलपीठ के आदेश पर लगाई अपनी रोक को हटा दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई ग्रीष्मावकाश के बाद तय की है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश श्रीराम कॉलोनी-बी विकास समिति की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। एकलपीठ ने गत 9 अप्रैल को इस भूमि को आवासन मंडल की मानते हुए विकास समिति व अन्य की याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

- एकलपीठ ने गत 9 अप्रैल को इस भूमि को आवासन मंडल की मानते हुए विकास समिति व अन्य की याचिकाओं को खारिज कर दिया था।
- सुनवाई के दौरान खंडपीठ में अधिवक्ता दिनेश यादव ने कहा कि क्षेत्र में आवासन मंडल की जमीन पर बसी कॉलोनियों के संबंध में हाईकोर्ट ने अतिक्रमण हटाने के आदेश दे रखे हैं। ऐसे में एकलपीठ की ओर से दिए आदेश के खिलाफ स्टे देना उचित नहीं है। इस पर अदालत ने पूर्व में दिए स्टे को हटा दिया है।

सुनवाई के दौरान खंडपीठ के समक्ष आवासन मंडल की ओर से अधिवक्ता दिनेश यादव ने कहा कि क्षेत्र में आवासन मंडल की जमीन पर बसी कॉलोनियों के संबंध में हाईकोर्ट ने अतिक्रमण हटाने के आदेश दे रखे हैं। ऐसे में आवासन मंडल की इस जमीन पर एकलपीठ की ओर से दिए आदेश के खिलाफ स्टे देना उचित नहीं है। इस पर अदालत ने पूर्व में दिए स्टे को हटा दिया है। वहीं अदालत ने मामले में महमूद आलम को पक्षकार बनाया है।

गौरतलब है कि एकलपीठ ने इस जमीन को लेकर जेडीए की ओर से 29 मई 1995 को दी गई योजना स्वीकृति और उसके बाद के आदेशों को अवैध माना था। इसके साथ ही अदालत ने 31 जुलाई, 1981 के समझौता विक्रय को भी शून्य घोषित कर दिया था। इस आदेश के खिलाफ श्रीराम कॉलोनी-बी विकास समिति की ओर से खंडपीठ में अपील दायर की थी। जिस पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगा दी थी।

मनीषा ए.अग्रवाल के गीत की सराहना

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया नीदरलैंड यात्रा के दौरान राजस्थान की प्रसिद्ध गायिका मनीषा ए अग्रवाल के एक गीत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान दिलाई। हेग में प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए आयोजित एक विशेष प्रस्तुति में मनीषा ए अग्रवाल का भावपूर्ण गीत पधारो म्हारे देस प्रस्तुत किया गया। स्वागत कार्यक्रम के अंतर्गत प्रस्तुत इस सांस्कृतिक कार्यक्रम को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राजस्थान की समृद्ध विरासत को अपनी मधुर संगीतात्मक प्रस्तुति के माध्यम से प्रदर्शित करने के लिए सराहा गया। इस पहल को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अपने आधिकारिक हैंडल पर साझा कर सम्मान दिया। वर्ष 2011 में पहली बार जारी हुए इस गीत में संगीत जगत जगजीत सिंह, उस्ताद सुल्तान खान, पंडित विश्व मोहन भट्ट, मनीषा ए अग्रवाल, संगीत निर्देशक रवि पवार, रूपकुमार राठौड़, उस्ताद अहमद हुसैन, उस्ताद मोहम्मद हुसैन, सलील भट्ट, मोहम्मद वकील, गुलाबो, अनवर खान और गाजी खान जैसे दिग्गज ने अपनी कला का योगदान दिया था।

अपहरण और मारपीट के मामले में तीन साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने अपहरण और मारपीट के एक पुराने मामले में तीन साल से फरार चल रहे आरोपी को मोहित कुमार शर्मा को किशनगढ़ जिला अजमेर से गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि लंबित मामलों में फरार आरोपियों की धरपकड के लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक कुमार सिंघल और सहायक पुलिस आयुक्त विनोद शर्मा के निर्देशन में जवाहर सर्किल थाना प्रभारी महेश चंद्र के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी।

आरोपी मोहित कुमार

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व ने बताया कि मामला 15 अप्रैल 2023 का है, जब परिवादी गौरव गौड़ ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि फोर्टिस हॉस्पिटल के पास चाय पीकर लौटते समय सफेद स्कॉर्पियो में आए कुछ युवकों ने उसका अपहरण कर लिया। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और 50 हजार रुपए की मांग की। विरोध करने पर उसके सिर पर बीयर की बोतल से हमला किया गया। इसके बाद आरोपी उसे उसके फ्लैट पर ले गए, जहां से लैपटॉप, टीवी, होम थिएटर, मोबाइल फोन, नकदी और दस्तावेज लूट लिए। बाद में आरोपियों ने उसे पत्रिका गेट के पास छोड़ दिया। मामले में जवाहर सर्किल थाने में विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया था।

इस मामले में पहले ही चार आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी थी, जबकि मुख्य वांछित आरोपी मोहित कुमार शर्मा फरार चल रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी अपना मकान बेचकर लगातार ठिकाने बदल रहा था। पुलिस टीम ने तकनीकी शाखा की मदद से आरोपी की लोकेशन ट्रेस की और लगातार दो दिन तक पीछा कर उसे किशनगढ़ से डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट के मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। कार्रवाई में जवाहर सर्किल थाना पुलिस की विशेष टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सार-समाचार

भानू प्रताप सिंह राजावत बने अध्यक्ष

जयपुर । अमर नगर सी विकास समिति खातीपुरा के चुनाव 17 मई को सम्पन्न हुए। निर्वाचन प्रक्रिया के उपरांत समिति की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें भानु प्रताप सिंह राजावत को अध्यक्ष, मदन लाल जाट को उपाध्यक्ष, राज कमल छीपा को सचिव, रामेश्वर जाट को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त समिति द्वारा 11 कार्यकारिणी सदस्यों को भी मनोनीत किया गया, जो समिति के विभिन्न विकासात्मक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। समिति के संरक्षक के रूप में बाछू लाल यादव को नामित किया गया। कार्यवाही में समिति के पूर्व अध्यक्ष दिलीप सिंह भाटी विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। चुनाव सम्पन्न होने के उपरांत चुनाव अधिकारी नंद किशोर चौधरी द्वारा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर शुरू

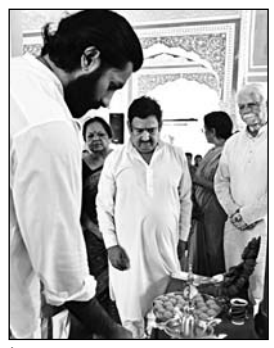

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर सोमवार को सिटी पैलेस में एक माह के सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन हुआ। शिविर का उद्घाटन जयपुर के हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच दीप प्रज्वलित कर किया। यह शिविर 18 जून तक महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय, रंगरीत स्टूडियो एवं सरस्वती कला केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर राजपरिवार प्रमुख सवाई पद्मनाभ सिंह ने कहा, इस शिविर का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों और कला प्रेमियों को राजस्थान की पारंपरिक कला, संगीत, नृत्य, भाषा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है। गुरु-शिष्य परंपरा की भावना के साथ आज सभी गुरु और शिष्य यहां सीखने और सिखाने के उद्देश्य से एकत्रित हुए हैं। शिविर संयोजक एवं वैदिक चित्रकार रामू रामदेव ने बताया कि इस शिविर में देश के प्रतिष्ठित कलाकार, विद्वान एवं प्रशिक्षक विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण देंगे। सप्ताह के पांच दिन, सोमवार से शुक्रवार नियमित प्रशिक्षण सत्र आयोजित होंगे, जबकि शनिवार एवं रविवार को विशेष कार्यशालाएं एवं पारंपरिक कलाओं पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

दंत चिकित्सा शिक्षा पर कार्यक्रम

जयपुर । सतत दंत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम सोमवार को जयपुर स्थित एक होटल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. अमनदीप सिंह कपूर, आईपीएस ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। डॉ. कपूर ने पुलिस और चिकित्सा सेवाओं के बीच समानताओं पर प्रकाश डाला, जो समाज में स्वस्थ व्यक्तियों और समाज की रक्षा के लिए कार्य करती हैं। उन्होंने व्यावसायिक जीवन में सतत शिक्षा के महत्व पर बल दिया और स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच साइबर अपराध की रोकथाम पर भी अपने विचार साझा किए। डॉ. अशोक धोबले, महासचिव, आईडीए मुख्यालय, मुंबई और डॉ. भगवान दास राय, अध्यक्ष, आईडीए राजस्थान राज्य ने ऑनलाइन माध्यम से सभा को संबोधित किया। पूर्व अध्यक्ष डॉ. प्रदीप जैन एवं डॉ. विनोद बिहाणी ने अपनी उपस्थिति और आशीर्वाद से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मंच पर डॉ. एच एल गुप्ता, अध्यक्ष आरएसडीसी; डॉ. संकल्प मित्तल, रजिस्ट्रार आरएसडीसी; डॉ. मनोज अग्रवाल, डीन, फैकल्टी ऑफ डेंटिस्ट्री, आरयूएचएस; डॉ. नरेंद्र पेडियार, प्राचार्य, एमजी डेंटल कॉलेज; साथ ही आईडीए जयपुर ग्रेटर शाखा के डॉ. प्रशांत भारद्वाज और डॉ. सुनील राघव उपस्थित रहे। बाड़मेर, सीकर, कोटा, झुंझुनू, भरतपुर, धौलपुर, कोटपूतली सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों से 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। नई दिल्ली से आए वक्ता डॉ. दिविज खुल्लर ने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन पर सारगर्भित सत्र प्रस्तुत किया और चिकित्सकों को नवीनतम क्लिनिकल तकनीकों से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुधांशु भटनागर और डॉ. सारिका शेखावत द्वारा किया गया।

'ईडब्ल्यूएस लाभ से नहीं कर सकते वंचित'

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती से जुड़े मामले में एक फैसले में कहा है कि दूसरे राज्य से राजस्थान में विवाह के आधार पर केवल लोकेशन बदलने पर प्रार्थिया को ईडब्ल्यूएस केटेगरी के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। वहीं राज्य सरकार को कहा है कि वह प्रार्थिया को 20 दिन में पद पर नियुक्ति दे। जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश करुणा सारस्वत की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता एसके सिंगोदिया ने बताया कि प्रार्थिया का विवाह राजस्थान निवासी से हुआ था। उसने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में भाग लिया और ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र हरियाणा राज्य का पेश किया, लेकिन भर्ती एजेंसी ने हरियाणा राज्य के ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र को मानने से मना कर दिया। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा गया कि अदालत ने मनीषा देवी के मामले में गत एक अप्रैल को ही इस संबंध में उचित आदेश दिया है। इसमें स्पष्ट किया है कि केवल शादी के आधार पर प्रदेश बदलने पर ईडब्ल्यूएस का लाभ देने से मना नहीं किया जा सकता। इस आदेश को राज्य सरकार ने विशेष अपील याचिका के जरिए खंडपीठ में भी चुनौती दी थी, लेकिन उसकी अपील खारिज हो चुकी है। ऐसे में प्रार्थिया को ईडब्ल्यूएस कैटेगरी का लाभ देते हुए नर्सिंग ऑफिसर के पद पर नियुक्ति दिलाई जाए।

16 साल पुराना फर्जी पट्टा बनाकर करोड़ों रुपए की जमीन हड़पने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। नारायण विहार थाना पुलिस ने भू-माफियाओं और जमीनों के फर्जीवाडे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करोड़ों रुपए की बेशकीमती जमीन हडपने की साजिश का खुलासा किया है। पुलिस ने वर्ष 2007 का फर्जी पट्टा तैयार कर जमीन हड़पने के मामले में मुख्य आरोपी भारत संधू को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने वर्ष 2023 में बैठकर करीब 16 साल पुराना फर्जी पट्टा तैयार किया था।

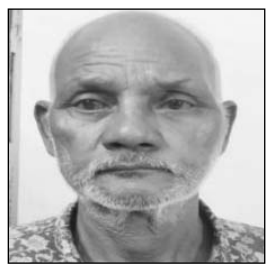

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि परिवादी बृजेश यादव ने 3 दिसंबर 2025 को नारायण विहार थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि कुछ भू-माफियाओं और जालसाजों ने संगठित होकर जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार किए और धोखाधड़ी कर जमीन हड़पने का प्रयास किया। इस पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 318(4), 338 और 336(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच में सामने आया कि वर्ष 2023 में मुख्य साजिशकर्ता राजेश यादव ने आरोपी भारत संधू को पांच लाख रुपए देने का लालच दिया था। इसके बाद राजेश यादव ने हनुमंत विहार स्थित प्लॉट संख्या ए-70 का एक ब्लैंक पट्टा भारत संधू को उपलब्ध कराया। साजिश के तहत पट्टे पर भारत संधू की फोटो लगाकर उसे वर्ष 2007 का दर्शाते हुए फर्जी तरीके से तैयार किया गया। इस काम के एवज में आरोपी को तत्काल आठ हजार रुपए नकद दिए गए थे।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि इस साजिश में अशोक कुमावत भी शामिल था। भारत संधू ने फर्जी पट्टे के आधार पर प्लॉट के स्वामित्व और बेचान से जुड़े दस्तावेजों पर फर्जी हस्ताक्षर किए तथा बाद में जमीन का सौदा अशोक कुमावत के नाम कर दिया। मामले में अपराध प्रमाणित पाए जाने पर नारायण विहार थाना पुलिस ने 17 मई 2026 को मुख्य आरोपी भारत संधू (65) निवासी माधोराजपुरा जयपुर ग्रामीण को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी वर्तमान में लाल कोठी स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी बेहद शातिर प्रवृत्ति का है और उसके खिलाफ पूर्व में भी धोखाधड़ी एवं जालसाजी के प्रकरण दर्ज होने की जानकारी मिली है। पुलिस अब आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है, वहीं फरार सह-आरोपी राजेश यादव और अशोक कुमावत की तलाश में दबिश दी जा रही है।

लाखों रुपए के जेवरात सहित नकबजन गिरफ्तार

जयपुर। हरमाड़ा थाना पुलिस ने सूने मकानों को निशाना बनाकर लाखों रुपए के जेवरात चोरी करने वाले शातिर नकबजन को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी दिनेश उर्फ धन्या निवासी विजय नगर, दौलतपुरा रोड, हरमाड़ा को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किए गए लाखों रुपए के जेवरात बरामद किए हैं। मामले में उसका साथी अजय अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि शांतिनगर-4, बैनाड रोड निवासी विकास मिश्रा ने हरमाड़ा थाने में घर में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी परिवार सहित इटावा गया हुआ था। इसी दौरान पडोसी ने फोन कर घर के ताले टूटे होने की सूचना दी। वापस लौटने पर घर का मुख्य गेट, कमरों और अलमारी के लॉक टूटे मिले तथा अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात चोरी पाए गए। चोरी गए सामान में सोने के झुमके, लॉन्ग, हार, चांदी की पायजेब सहित लाखों रुपए के कीमती आभूषण शामिल थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता, सहायक पुलिस आयुक्त चौमूं आलोक कुमार तथा थानाधिकारी उदय सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे 30 से 40 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी जांच और संदिग्धों से पूछताछ के बाद पुलिस आरोपी दिनेश उर्फ धन्या तक पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे का आदी है और नशे व ऐश-मौज के खर्च पूरे करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देता था।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से महिला लेक्चरर की मौत, पति गंभीर घायल

जगतपुरा में सीबीआई फाटक के पास ''हिट-एंड-रन'' का मामला

जयपुर (कासं)। रामनगरिया थाना इलाके में दर्दनाक हिट एंड रन हादसे में एक महिला लेक्चरर की मौत हो गई, जबकि उनके पति घायल हो गए। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन और चालक की तलाश शुरू कर दी है।

- रविवार रात खाना खाने के बाद सड़क पर टहल रहे थे दंपत्ति

हेड कांस्टेबल नाहर सिंह ने बताया कि मृतका भावना वशिष्ट (40) पत्नी मुकुल निवासी आनंद विहार रेलवे कॉलोनी जगतपुरा थीं, जो एक निजी कॉलेज में लेक्चरर के पद पर कार्यरत थीं। रविवार देर रात वह पति के साथ खाना खाने के बाद टहलने निकली थीं। सीबीआई फाटक के पास पीछे से तेज रफ्तार वाहन ने दंपती को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान भावना वशिष्ट ने दम तोड़ दिया। वहीं घायल पति को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने मृतका का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर फरार वाहन और चालक की तलाश की जा रही है।

बेकाबू कार पलटने से होटल संचालक की मौत

जयपुर। करणी विहार थाना क्षेत्र में रविवार-सोमवार की मध्यरात्रि तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां सिरसी रोड पर बेकाबू कार पलटने से एक होटल संचालक की मौत हो गई, जबकि कार चालक घायल हो गया। हादसे के बाद कार में सवार अन्य युवकों ने खिड़कियों से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई।

एसआई ओमप्रकाश ने बताया कि हादसे में पलसाना (सीकर) निवासी 26 वर्षीय सुरेंद्र सिंह शेखावत की मौत हो गई। सुरेंद्र सिरसी रोड स्थित सैफरॉन होटल का संचालन करते थे। रविवार रात करीब 12 बजे वह अपने दोस्तों के साथ दो गाड़ियों में 200 फीट बाइपास की ओर जा रहे थे। इसी दौरान जयपुर बेकरी के सामने तेज रफ्तार कार डिवाइडर से बचने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के समय कार की रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक बताई जा रही है। कार पलटते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मौके पर जुट गए। कार में सुरेंद्र ड्राइवर के पास वाली सीट पर बैठे थे। हादसे के बाद कार में सवार पांच अन्य युवकों ने खिड़कियों से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। साथियों और स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर घायल सुरेंद्र सिंह शेखावत और कार चालक अशोक बिश्नोई (26) निवासी जोधपुर को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने सुरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल चालक अशोक का उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

स्टंट के दौरान बेकाबू कार बेकरी में घुसी, पांच घायल

जयपुर। राजधानी में तेज रफ्तार और स्टंटबाजी एक बार फिर हादसे का कारण बन गई। करणी विहार क्षेत्र में रविवार देर रात सिरसी रोड स्थित विशनावाला इलाके में स्टंट कर रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई और सड़क किनारे स्थित एक बेकरी में जा घुसी। हादसे में कार सवार पांच युवक घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। करणी विहार थानाधिकारी हवा सिंह यादव ने बताया कि युवक तेज गति से कार दौड़ाते हुए स्टंट कर रहे थे।

ARBiT
it happens here...

Plant Something Day: Growing a Greener Tomorrow

Plant Something Day is a gentle reminder that even the smallest green action can create lasting change. Observed each year in spring, the day encourages people to plant trees, flowers, herbs, or vegetables and reconnect with nature. Beyond beautifying spaces, planting improves air quality, supports biodiversity, and nurtures mental well-being. Whether it's a backyard sapling, a balcony herb pot, or a community garden, every effort counts. The day also highlights the importance of sustainable living and environmental responsibility. By planting something today, individuals take a simple yet powerful step towards a healthier planet for future generations.

राष्ट्रदूत
TUESDAY
19 May 2026
A-B

#REMEDIES

No Need To Live With Stains

Effective Home Remedies to Remove Stains from Clothes

Stains on clothes can be frustrating, whether it's from medical marks, pen ink, oil, dirt, or other stubborn substances. While commercial stain removers are widely available, simple household ingredients can often do the job effectively, saving time and money. Here's a guide to tackling common stains using items you likely already have at home.

For iodine stains or medical marks, one effective method involves vitamin C. Simply dissolve two vitamin C tablets in warm water and use the solution to gently spray the stained area. The natural bleaching effect of vitamin C helps lift the discoloration without harming the fabric.

When it comes to pen marks, glycerin combined with dishwashing liquid works wonders. Squeeze a small amount of glycerin directly onto the stain, add a few drops of dishwashing liquid, and gently rub it in. This mixture softens the ink and helps break it down so that it can be washed out more easily.

Oil stains can be particularly stubborn, but a combination of rubbing alcohol and dishwashing liquid is highly effective. Spray alcohol on the stain first to break down the oil, then, add a few drops of dishwashing liquid and gently massage it into the fabric. For added scrubbing power, sprinkling some table salt over the area and rubbing it with your hands can help absorb excess oil before washing. For general dirt or grime, laundry powder remains a reliable option. Add a scoop of powder to the affected area, pour in a little baking soda, and then add hydrogen peroxide. Allow the mixture to soak for some time to let the ingredients penetrate the fabric fibers. The combined cleaning power of the detergent, baking soda, and hydrogen peroxide helps lift dirt and restore the garment's appearance. After soaking, rinse thoroughly with clean water to remove all residues.

These home remedies are simple, effective, and eco-friendly alternatives to chemical stain removers. By using ingredients like vitamin C, glycerin, dishwashing liquid, baking soda, and hydrogen peroxide, you can handle a variety of stains with minimal effort. Always remember to test any solution on a small, inconspicuous area of the fabric first to ensure that it doesn't affect colour or texture. With a bit of patience and the right ingredients, even the toughest stains can often be removed, keeping your clothes looking fresh and clean.

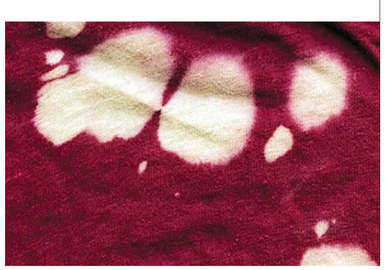

A History Of The Famous Dabba

The popularity of the pails, which were eventually compartmentalised to be able to carry more food, led to the rise of travel foods like chikki, doodh roti, khakhara, gurgoli (energy bars) and the famous chivda (to which even Queen Elizabeth took fancy). Made in different sizes, a pair or two could carry even pickle and slow-cooked dishes like the Parsi umbriyo, mutton sukkhe, masala channa, pickles and Oriya macho chutka and the UP Kukur rotla as well. While the metal body kept the food warm for a reasonable amount of time, the heaviness discouraged not only the robbers but also the merchants who refused to carry more than two if travelling alone.

● Bulbul Joshi

The idea of the tiffin is believed to have emerged in the 19th century and credited to the British. 'The history of the tiffin box, however, dates back to a much earlier time.

Mention 'tiffin,' and it's likely to lead to two different discussions: one, around the Mumbai Dabbawala and its founding father Mahadeo Havaji Bachche, and two, a shorter one on how the idea of tiffin came up, which is conveniently credited to the British. According to David Burton's *The Raj At Table*, "tiffin emerged in the 19th century." And to a large extent, Burton's theory is right. Not only tiffin, the word, but tiffin as a lunch carrier too became popular in and around the 1880s when Gora Sahib began a tradition of having a lighter snack after the (deliberate) light lunch to survive the hot weather in India. For the working Indians though, the tiffin was the lunch that they couldn't go home to.

The lunchboxes that came up in Europe, the United States and the Great Britain in the 1800s were mostly toolbox-lookalike lunch packs designed by R. J. Reynolds in Wisconsin, who stumbled upon the idea after watching kids and miners reuse their tobacco and cookie tins to pack their lunch, for safety. It was at the time (1885) when the first ekiben, a lunch of rice balls with pickled apricot, became popular in Utsunomiya Station, Japan.

But are tiffin carriers that young? While most histories of lunchboxes will help you believe so, for India, and much of South East Asia, the concept of tiffin carriers predates the Raj by a century at least.

According to old Jataka tales, the invention of tiffin boxes came about from a traveller's necessity. An old tale narrates how a merchant after having sattu from his bag had left it open for a snake to take refuge. The merchant carried the snake to the nearest Sabha (rest houses during the Mauryan time) to be bitten and killed by it during a refill.

Back in the yore, animal skin or jute and cotton bags were the more preferred way to carry travel food, especially by the orthodox Hindus who didn't eat on the road. The only respite was the rest houses where they could rest their tired selves and replenish their stock. It was, in fact, the only time merchants and travelers ate a well-cooked meal. Coincidentally, the best-supplied Sabhas were closer to the city's entrance, like Taxila had one right outside its toll gate. Hence, food in a bag was not just the only option but also susceptible to thefts by the outlaw.

Whether it was the snake, the cons of food in a bag or the sheer boredom of eating sattu and dried boiled rice, the first tiffin carriers, which were heavy metals made from aluminium or brass, came from the necessity to carry edible food with safety. The merchants took to it instantly.

The popularity of the pails, which were eventually compartmentalised to be able to carry more food, led to the rise of travel foods like chikki, doodh roti, khakhara, gurgoli (energy bars) and the famous chivda (to which even Queen Elizabeth took fancy). Made in different sizes, a pair or two could carry even pickle and slow-cooked dishes like the Parsi umbriyo, mutton sukkhe, masala channa, pickles and Oriya macho chutka and the UP Kukur rotla as well. While the metal body kept the food warm for a reasonable amount of time, the heaviness discouraged not only the robbers but also the merchants who refused to carry more than two if travelling alone.

This is when the Bento Box, which was invented by military commander Oda Nobunga around the late 1500s to serve his men individually portioned food, reached India through the Silk Route. Made of bamboos, these boxes were great for carrying, and could accommodate quite a few things; however, for Indian-styled meals, they were highly unsuitable. The few made of metal were good to carry dry food.

The other tiffin carrier lookalike that reached the shores was the Arabic Safartas. Essentially stacked boxes, one on top of the other, secured by an iron frame, it made carrying food easy. Though tedious, it was a better alternative to the heavy metals and was instantly popular among merchants on the Silk Road. Although some believe that the Safartas was inspired from the first Indian iteration of the carrier.

There is another theory that the idea of the first tiffin carrier came from the way food was carried in temples without spilling. The first tiffin carrier, in fact, replicated the temple style, where similar-sized pots and pans were kept on top of each other and then secured with a coir, it was the exact replica of how milk and milk produce were stored in traditional kitchens.

> Tiffin became the best way to carry home-cooked food. In fact, the tradition of carrying tiffin started with the Parsis, who found the eat-nap habit a waste of time and got lunch delivered to the office instead. It is said that Mahadeo Havaji Bachche began his inning as a dabbawala while delivering hot, home-cooked meal to a Parsi businessman and then Gora Sahib, and soon, his service was so much in demand that he had to employ jobless youth who knew their area from the back of their hand.

The other influence came from the food servers on the port station who transported food in the same manner, and the food carriers from Mughal Kitchens who would skillfully carry a tower of pots and pans on their head without a drop spilt.

It is said that the tiffin carriers were a replica of these techniques but with a few tweaks, the frame, for instance, was fixed, in which similar-sized pails would be inserted. While this ensured that a complete thali could be carried at a time, the pails kept moving, leading to some spillage. This was when a friction clamp was added to the tiffin carriers. In the coming years, there were more experiments done with bottles, barnis and other utensils. An example of those experiments is the curd carrier still used by tribal women in Rajasthan to sell curd.

Curiously, the first tiffin carriers that got popular were made of brass, this may have something to do with the wide use of brass, or the fact that brass didn't add any flavour to the food like iron or other metals once it's cooked. The other reason is, of course, the lightness that made carrying four to five pails secured with clams easy.

Funnily, tiffin carriers, and the food they carried, quickly became a favourite with the wealthy as well, who saw it as a convenient device to transfer food, say, to the temple. In fact, the Chettiyar community, which is famous for their elegant tiffin carriers, each of them was either enamelled or had a design carved on them, used it for taking their offerings to the temple, and getting the prasad back home.

So fond was this community of the tiffin that soon these carriers became a part of their gifts to the groom, or even to a kid starting school, albeit with a difference. The presented tiffin carriers were bespoke to the core, with a few commissioned to the Swedish enamelware companies. There's a good chance that it was the Chettiyar tiffin carriers that reached Indonesia, where it took the shape of a Rangtang. These exquisitely decorated tiffin carriers became an integral part of the Game cuisine as well. Carriers would be filled with dry fruits and snacks and given to the mahut to be carried on elephant backs during royal hunting trips. There is a possibility that the British could have first seen the interesting contraption tied to a rope on an elephant during one of these expeditions, and would be surprised knowing that it was food that was still warm, tasty and miraculously hadn't spilt.

In a manner of speaking, the queen's travel pandaan too was a variation of the tiffin, and could have later led to those old stainless steel and brass school tiffins that had compartments to carry more food.

What was privy to the merchants and royalty became a mass item of use in the 1850s, with the Raj setting up offices and cities which changed the way Indians ate, there would be no lunch at home or nap after that. Tiffin became the best way to carry home-cooked food. In fact, the tradition of carrying tiffin started with the Parsis, who found the eat-nap habit a waste of time and got lunch delivered to the office instead. It is said that Mahadeo Havaji Bachche began his inning as a dabbawala while delivering hot, home-cooked meal to a Parsi businessman and then Gora Sahib, and soon, his service was so much in demand that he had to employ jobless youth who knew their area from the back of their hand. And that's how Harvard's biggest case study was born. With industrialisation, tiffin carriers became a matter of convenience to eat home-cooked food, the only difference was while the workers carried their own food, for the babus and sahibs, food was delivered fresh in tiffins that were decorated Chettiyar style.

It was with the Indians and the British that the tiffin carrier reached the rest of the world, including the iconic Raffles Hotel in Singapore, which opened in 1887, where tiffin carriers were used to serve the desi meal of Raj-style curries, kebabs and rice. And while the tiffin carrier kept changing, brass gave way to stainless steel and the Railways, on taking the dabba for serving meals inside the train, added a section for cooled water too, the one thing that didn't was the way food was filled in the pails: dry food at the bottom, curries in the middle and sukha sabzi on the top. Aside from the fact that such a buildup kept the food secure and warm, it was the secret for why food carriers never spilt food even as they sprinted towards the destination.

rajeshsharma1049@gmail.com

#LEGENDS

The Inspiration For Sherlock Holmes

Conan Doyle shared the personal and professional experiences that led him to create the character who would define his career

In 1929, Sir Arthur Conan Doyle, the legendary British author best known for creating Sherlock Holmes, reflected on the origins of his most famous literary character. Sherlock Holmes, a brilliant yet eccentric detective with unparalleled powers of observation and deduction, had become one of the most iconic figures in detective fiction by then. But in a rare interview, Conan Doyle shared the personal and professional experiences that led him to create the character who would define his career.

The Birth of Sherlock Holmes

Sherlock Holmes first appeared in *A Study in Scarlet*, published in 1887, but Conan Doyle later admitted that he had not initially set out to create such a groundbreaking character. According to Doyle, Holmes was born out of necessity. At the time, Doyle was a young, struggling writer and physician. He had written several novels and short stories, but none had achieved significant success. The idea for a detective character came almost by chance.

"I wanted to write a detective story, but I did not know where to start," Conan Doyle revealed in the 1929 interview. He noted that his initial inspiration was the growing popularity of detective fiction, especially the works of authors like Edgar Allan Poe, whose detective character C. Auguste Dupin influenced Doyle's thinking. But it wasn't until Doyle had a conversation with Dr. Joseph Bell, a professor at the University of Edinburgh, that the true essence of Holmes began to take shape.

The Influence of Dr. Joseph Bell

Dr. Joseph Bell, who taught Conan Doyle during his medical studies, became one of the key inspirations for the character of Sherlock Holmes. Bell was a keen diagnostician, known for his extraordinary ability to deduce a patient's medical history and condition simply by observing small details, like the way a person walked, the way they held themselves, or even their mannerisms. Conan Doyle often recalled Bell's demonstrations in class, where Bell would deduce details about a patient without them saying a word. It was a skill that deeply impressed the young doctor.

In his 1929 reflection, Conan Doyle described Bell as the "model" for Holmes's extraordinary powers of observation and deduction. "He could tell at a glance what a person's occupation was, or where they had been," Doyle recalled. "It was this keen sense of observation, combined with logical reasoning, that I transferred to my fictional detective." Bell, in turn, was flattered by the comparison but often downplayed his influence on the creation of Sherlock Holmes. Despite his modesty, it is clear that Dr. Bell's methods of diagnosis and reasoning formed the basis of the techniques Holmes would later employ to solve the most baffling cases.

Holmes as a Reaction to Popular Characters

At the time of Holmes's creation, the detective genre was dominated by "romantic" detectives, larger-than-life characters who solved cases through intuition, luck, or supernatural insight. Conan Doyle sought to create a more realistic, scientifically grounded detective. Unlike other detectives of the era, Sherlock Holmes relied not on chance but on careful analysis of evidence and logical deduction.

"I wanted a detective who used reasoning," Conan Doyle explained. "Holmes was the embodiment of scientific inquiry. He solved cases by carefully examining the evidence and drawing conclusions from the facts, not by relying on imagination or supernatural explanations."

Holmes's iconic methods, his careful observation, his reliance on forensic science, and his ability to think through a problem systematically, set him apart from the other detectives of the time. In a world that was rapidly embracing the scientific revolution, Holmes was a reflection of the era's fascination with reason and logic.

THE WALL

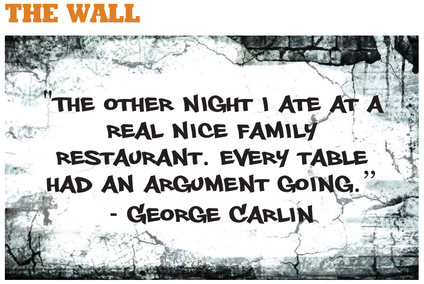

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

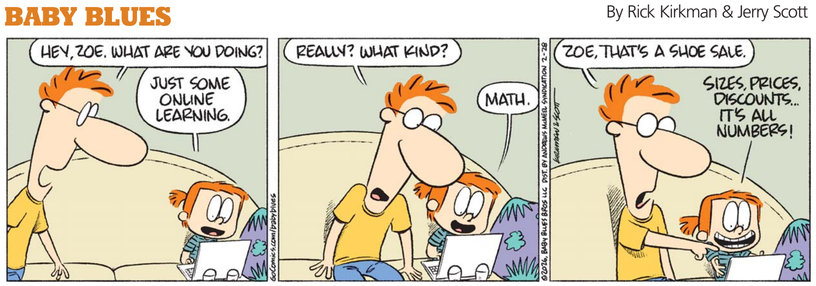

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

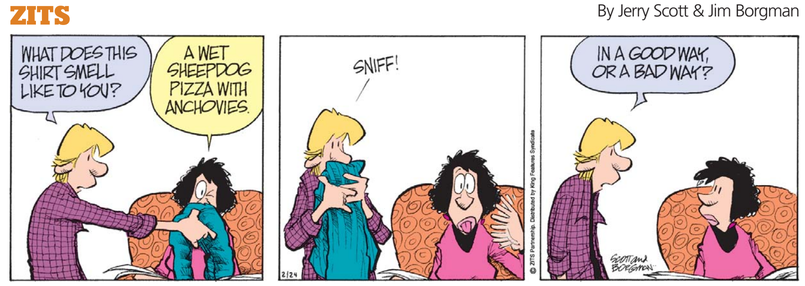

बहुचर्चित कांकाणी काला हिरण शिकार मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई हुई

काला हिरण शिकार केस में बचाव पक्ष के वकीलों ने समय मांगा

- सलमान खान सहित सभी आरोपियों को राहत, 13 जुलाई को अगली सुनवाई होगी
- बचाव पक्ष का कहना था कि मामले से जुड़े कुछ दस्तावेजों, तथ्यों का अध्ययन किया जाना बाकी है, इसलिए उन्हें तैयारी के लिए समय दिया जाए

जोधपुर, (कासं)। बहुचर्चित कांकाणी काला हिरण शिकार मामले में सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट में एक बार फिर सुनवाई हुई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान सहित अन्य फिल्मी सितारों से जुड़े इस चर्चित केस की सुनवाई न्यायाधीश रेखा बोराणा की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान सलमान खान और अन्य कलाकारों सैफ अली खान, तब्बू, नीलम और सोनाली बेंद्रे की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने अदालत से अतिरिक्त समय मांगा। बचाव पक्ष का कहना था कि मामले से जुड़े कुछ दस्तावेजों, तथ्यों का और अध्ययन किया जाना बाकी है, इसलिए उन्हें तैयारी के लिए समय दिया जाए। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई को तय की है।

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार की अपील और सलमान खान की सजा के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई होनी थी। साल 1998 में फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' की शूटिंग के दौरान जोधपुर के कांकाणी गांव में काला हिरण शिकार का मामला सामने आया था। इस मामले में सलमान खान को पांच साल की सजा हुई थी। मामले में सह आरोपी फिल्म अभिनेता सैफ अली खान, अभिनेत्री नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था। जस्टिस रेखा बोराणा की कोर्ट में दो मुख्य अपीलों में सुनवाई होनी थी। पहली अपील सलमान खान की ओर से अधीनस्थ कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी। पूर्व में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने सलमान खान को 5 साल के कारावास और 25 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किया था। दूसरी अपील राज्य सरकार की ओर से सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, तब्बू, नीलम और दुष्यंत सिंह को बरी किए जाने के खिलाफ पेश लीव टू अपील में शामिल थी।

एडवोकेट महिपाल विश्नोई ने बताया कि सलमान खान एवं अन्य आरोपी के वकीलों ने बहस के लिए समय देने की मांग की, जिसे स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई को 13 जुलाई को नियत की है। अब इस प्रकरण से जुड़े सभी कानूनी पहलुओं, राज्य सरकार की अपीलों और सलमान खान की याचिकाओं पर आगामी 13 जुलाई को एक साथ विस्तृत सुनवाई की जाएगी।

हॉस्टल में हुई चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

हॉस्टल का कर्मचारी ही मास्टमाइंड निकला

- हॉस्टल कर्मचारी ने अपने साथी के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा पुलिस टीम ने एयरकंडीशनर चोरी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों में एक आरोपी हॉस्टल का कर्मचारी है, जिसने अपने साथी के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 16 मई को परिवादी ऋषि चौधरी ने बोरखेड़ा थाने में रिपोर्ट दी। परिवादी ने रिपोर्ट में कहा कि कोरल पार्क में सालासर हॉस्टल पांच मंजिल का बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा कि उस हॉस्टल के 3 फ्लोर पर लगे 6 एसी विन्डो वाले को चोर 3 फ्लोर में अंदर घुसकर चुरा ले गये। फरियादी ने होस्टल में से 9 एयरकंडीशनर चोरी होने की रिपोर्ट दी, परिवादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। शहर एसपी ने बताया कि मामले का खुलासा करने के लिये पुलिस उप अधीक्षक रूद्रप्रकाश शर्मा के सुपरविजन में बोरखेड़ा थानाधिकारी अनिल टेलर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने चोरी किये गये माल व आरोपियों की तलाश शुरू की गई, टीम ने हॉस्टल में लगे सीसीटीवी फुटैज खंगाले। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने तकनिकी आधार व पूछताछ के दौरान होस्टल के कर्मचारी रोहित पर संदेह होने पर उसको डिटेन कर पूछताछ की, कड़ी पूछताछ के बाद कर्मचारी रोहित ने अपने साथी के साथ मिलकर एसी चोरी की वारदात को स्वीकारा। शहर एसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने कार्यवाही करते हुए तुलसा कोटड़ी हाल पेराडाईज हॉस्टल कोरल पार्क निवासी रोहित (24) एवं नयानोहरा निवासी अनिल (27) को गिरफ्तार किया, पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियो को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया, रिमांड के दौरान आरोपियों से चुराये गये एयरकंडीशनर भी बरामद किये है, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

कोटा के इटावा में बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार

- आरोपियों से बारां, जयपुर, श्योपुर के कई थाना क्षेत्र से चोरी की गई 10 बाइक बरामद की

कोटा, (निसं)। इटावा पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल चोरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पूछताछ के आधार पर पकड़े गये आरोपियों के कब्जे से कोटा ग्रामीण के बारां, सवाईमाधोपुर, जयपुर एवं श्योपुर मध्यप्रदेश अलग-अलग थाना क्षेत्र से चोरी की गई 10 मोटरसाइकिलों को बरामद किया है।

इटावा पुलिस टीम ने वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश कर चोरी की 10 बाइक बरामद की।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 13 मई को फरियादी हरिशंकर ने इटावा थाने में रिपोर्ट दी, फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि इटावा क्षेत्र में स्थित भूमि विकास बैंक के पास दुकान लगाता है और बाइक से दुकान पर आया और बाइक को बैंक के समीप खड़ा किया। रिपोर्ट में कहा कि एक घंटे बाद देखा तो बाइक को कोई अज्ञात चोरी करके ले गया। ग्रामीण एसपी ने कहा कि पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर बाइक चोरी का मुकदमा दर्ज किया।

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उप अधीक्षक ओमप्रकाश सरावग के सुपरविजन में इटावा थानाधिकारी अजीत सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने सायबर सेल की सहायता से मामले में तकनिकी अनुसंधान किया, टीम ने बाइक चोरी की घटना के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटैज खंगाले। ग्रामीण एसपी ने बताया कि टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए डोली निवासी पवन मीणा (19), इटावा निवासी रोहित उर्फ सुदामा मीणा (22) एवं श्योपुर निवासी आरिफ उर्फ राजा (26) को गिरफ्तार किया, पूछताछ में आरोपियों से बारां, जयपुर, श्योपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्र से चोरी की गई 10 बाईक बरामद की है, पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

पति-बच्चों के साथ टहल रही महिला से लूट

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में बेखौफ बाइक सवार बदमाशों ने रविवार रात के अंधेरे में एक महिला को निशाना बनाते हुए चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश महिला के गले से करीब दो तोला सोने का मंगलसूत्र तोड़कर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार हाउसिंग बोर्ड निवासी मंजूला यादव अपने पति प्रवीण यादव और बच्चों के साथ रात को खाना खाने के बाद वॉक पर निकली थीं। इसी दौरान कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत सदर थाना सर्किल के पास बाइक पर आए 2 बदमाशों ने मंजुला यादव को निशाना बनाया। बदमाशों ने तेजी से मंजूला के करीब बाइक रोकी और उनके गले पर झपट्टा मारकर करीब 2 तोला वजनी सोने का मंगलसूत्र तोड़ लिया। वारदात इतनी अचानक हुई कि जब तक पीड़िता और उनका परिवार कुछ समझ पाता, तब तक दोनों बदमाश बाइक पर बैठकर तेजी से आंखों से ओझल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना के तुरंत बाद पीड़ित परिवार ने स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। सरेराह चेन स्नेचिंग की खबर मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस हरकत में आई और नाकेबंदी करवा दी है।

भीलवाड़ा में फर्जी कागजात तैयार कर प्लॉट हड़पने वाला गिरोह पकड़ा

- मास्टरमाइंड सहित चार गिरफ्तार, एफएसएल जांच में हस्ताक्षर फर्जी पाए जाने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने जमीनों को अवैध रूप से हड़पने और संगठित रूप से भूमाफिया गिरोह चलाकर कीमती प्लॉटों पर कब्जा करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले के मुख्य सूत्रधार (मास्टरमाइंड) समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह जाली दस्तावेज और स्टाम्प वेंडर की मिलीभगत से बैकडेट में फर्जी कागजात तैयार कर जमीनों पर जबरन कब्जा जमा लेता था। एफएसएल जांच में हस्ताक्षर फर्जी पाए जाने के बाद पुलिस ने यह बड़ी कार्रवाई की है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पारस जैन एवं वृत्ताधिकारी शहर सज्जन सिंह के सुपरविजन में कोतवाली थानाधिकारी हनुमान सिंह के नेतृत्व में यह सफलता मिली है। मामले की शुरुआत 18 नवंबर 2023 को हुई, जब वकील कॉलोनी निवासी 70 वर्षीय बुजुर्ग प्रकाशचन्द्र मण्डोवरा ने कोर्ट के जरिए इस्तगासे से कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़ित के अनुसार, उन्होंने वर्ष 1990 में नगर विकास न्यास भीलवाड़ा से पंचवटी योजना में भूखंड संख्या 669-ए खरीदा था और वर्ष 2000 में इसकी रजिस्ट्री भी करवा ली थी। हाल ही में उन्होंने यूआईटी से लीज मुक्ति प्रमाणपत्र भी प्राप्त किया था। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, 13 अक्टूबर 2023 को जब पीड़ित प्रकाशचन्द्र अपने प्लॉट पर बाउंड्री वॉल (चारदीवारी) का निर्माण करवा रहे थे, तब आरोपी घनश्याम सिंधी अपने साथियों के साथ वहां आया। उसने पीड़ित के साथ गाली-गलौज व धक्का-मुक्की की और प्लॉट को खुद का बताते हुए एक बिकावनामा दिखाया। पीड़ित ने जब दस्तावेज देखा तो वह पूरी तरह फर्जी था, जिस पर उनके जाली हस्ताक्षर किए गए थे। आरोपी घनश्याम मनवानी, हेमंत मेठानी और नूर मोहम्मद ने मिलकर स्टाम्प वेंडर गोपालदास वैष्णव से मिलीभगत कर 18 मार्च 2009 का एक फर्जी बैकडेटेड बिकावनामा तैयार कर लिया था, ताकि कीमती जमीन को हड़पा जा सके।

कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। जांच के दौरान विवादित बिकावनामे और पीड़ित बुजुर्ग के हस्ताक्षरों के मिलान के लिए दस्तावेज विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजे गए। रिपोर्ट में यह प्रमाणित हो गया कि बिकावनामे पर किए गए हस्ताक्षर पूरी तरह से जाली हैं।

सबूत पुख्ता होते ही थानाधिकारी हनुमान सिंह के नेतृत्व वाली टीम ने दबिश देकर घनश्याम (53) पुत्र लीलाराम मनवानी निवासी, सिंधु नगर, भीलवाड़ा मुख्य आरोपी गोपालदास पिता ईश्वरदास वैष्णव निवासी सेथुरिया, थाना कारोई, भीलवाड़ा स्टाम्प वेंडर हेमंत कुमार पिता कन्हैयालाल सिंधी निवासी शास्त्रीनगर, भीलवाड़ा, नूर मोहम्मद पिता अब्दुल गफ्फार मंसूरी निवासी रुस्तम साइकिल स्टोर के पास, थाना भीमगंज, भीलवाड़ा को डिटेन किया और पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस गिरोह ने शहर में और कितने लोगों को अपनी धोखाधड़ी का शिकार बनाया है।

उदयपुर के मोबाइल टावर में आग लगी, हादसा टला

- फायर फाइटिंग सिस्टम और अग्निशमन दल ने आग पर पाया काबू

उदयपुर, (कासं)। चित्रकूट नगर स्थित भविष्य निधि (पीएफ) कार्यालय के बाहर लगे एक बड़े मोबाइल टावर में अचानक आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। दोपहर करीब 1 बजे टावर से तेज लपटें और धुआं उठता देख कार्यालय कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए संभावित बड़े हादसे को टाल दिया। घटना की जानकारी मिलते ही कार्यालय के केयर टेकर कुलदीप सिंह राठौड़ एवं चन्द्रप्रकाश ने तुरंत अग्निशमन दल को सूचना दी। आग तेजी से फैलती देख दोनों कर्मचारियों ने घबराने के बजाय कार्यालय में उपलब्ध फायर फाइटिंग सिस्टम का उपयोग करते हुए आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए। उनकी सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई के चलते आग को बढ़ने से रोका जा सका। इस बीच अग्निशमन दल भी मौके पर पहुंचा तथा आग पर पूर्णतया काबू पाया। पीएफ क्षेत्रीय आयुक्त-प्रथम प्रशान्त कुमार सिन्हा ने दोनों कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की जाती तो टावर के गिरने या आग के आसपास फैलने से बड़ा हादसा हो सकता था। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों ने कार्यालय के संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर भारी नुकसान होने से बचाया।

उदयपुर की फतहसागर झील में व्यापारी के ढूबने की आशंका, तलाश जारी

- एसडीआरएफ की 10 सदस्यीय टीम उदयपुर पहुंची, नहीं मिली सफलता

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की फतहसागर झील में रविवार को नहाने गए व्यापारी के डूबने की आशंका के बीच सोमवार को दूसरे दिन भी रेस्क्यू जारी रहा। हालांकि शाम तक सिविल डिफेंस व एसडीआरएफ टीम को इसमें सफलता नहीं मिली।

वहीं, हादसे के बाद चिंतित परिजनों का कहना था कि प्रशासन की ओर से कोई सुध नहीं ली जा रही है। वहीं पाल की सड़क पर लगे कैमरे बंद पड़े हैं, जबकि एक ही कैमरा जो एक्वेरियम के बाहर लगा है, वह भी निजी फर्म का है। जबकि झील की पाल या छतरी पर कैमरे लगे होने चाहिए ताकि ऐसी कोई घटना होने पर संबंधित की सटीक जानकारी मिल सके।

इधर, सिविलि डिफेंस द्वारा रविवार को सात घंटे रेस्क्यू चलाया गया उसके बाद आज सुबह एसडीआरएफ की दस सदस्यीय टीम भी उदयपुर पहुंची लेकिन शाम तक सफलता नहीं मिली। परिजनों को यह भी कहना था कि जो एसडीआरएफ की टीम आई है, उसमें भी केवल एक ही व्यक्ति ड्राइवर के तौर पर बार-बार जा रहा है, जिससे रेस्क्यू प्रभावित हो रहा है लेकिन एसडीआरएफ टीम का कहना है कि फतहसागर झील का क्षेत्र बड़ा होने से सर्च ऑपरेशन में समय लग रहा है।

जानकारी के अनुसार उदयपुर शहर के एक व्यापारी ललित मेहता (62) निवासी अशोक नगर जैन मंदिर के सामने रविवार सुबह 7.30 बजे फतहसागर के निकले थे। फिश एक्वेरियम के सीसीटीवी फुटेज वे 8.02 बजे फतहसागर पहुंचते दिखे और व्यायाम कर कपड़े उतार लाल थैली में रखे। इसके बाद वे किसी कैमरे की दायरे में नहीं दिखे। वहीं 10 बजे फतहसागर किनारे गश्त कर रहे होमगार्ड को एक कपड़े की थैली मिली तो उसने सिविल डिफेंस को सूचना दी। वहीं परिजन भी तलाशते हुए फतहसागर झील पहुंच गए। रविवार को भी रेस्क्यू ऑपरेशन सात घंटे चला इसके बाद शाम होने पर इसे रोक दिया गया और सोमवार को भी पूरे दिनभर सिविल डिफेंस व एसडीआरएफ की टीमें तलाश करती रही।

डूंगरपुर : ट्रांसफार्मर और घर में आग लगी

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में आग लगने की 2 अलग-अलग घटनाएं सामने आई हैं। दोवड़ा थाना क्षेत्र के हथाई गांव में एक कच्चे घर में आग लग गई, जिससे घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। वहीं, डूंगरपुर शहर के आदर्श नगर लिंक रोड पर एक बिजली के ट्रांसफार्मर में आग लगने से कई घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

हथाई गांव में मुकेश कुमार पुत्र थाना बरंडा मीणा के घर में रविवार रात आग लगी। मुकेश अपनी पत्नी और बच्चों के साथ खाना खाने के बाद घर के बाहर आंगन में सो रहे थे। रात करीब 10 बजे एक पड़ौसी ने घर में आग की लपटें देखकर शोर मचाया। पड़ौसी की आवाज सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंची, लेकिन तब तक आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया था। इस घटना में घर में रखा अनाज, कपड़े और जेवर सहित सारा सामान जलकर राख हो गया।

दूसरी घटना डूंगरपुर शहर के आदर्श नगर लिंक रोड पर हुई, जहां एक ट्रांसफार्मर में आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पास के बिजली के तार भी चिपक गए। फायर ब्रिगेड की टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। ट्रांसफार्मर में आग लगने के कारण आदर्श नगर और आसपास के इलाकों में कई घंटों तक बिजली आपूर्ति ठप रही।

भरतपुर के अनिरुद्ध नगर क्षेत्र में दस दिन से पेयजल संकट गहराया

महिलाओं ने जलदाय विभाग कार्यालय के बाहर मटके फोड़कर प्रदर्शन किया

- महिलाओं ने कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि मजबूरी में महंगे दामों पर टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं

भरतपुर, (निसं)। शहर के अनिरुद्ध नगर क्षेत्र में पिछले 10 दिनों से पेयजल संकट गहराने के बाद महिलाओं का गुस्सा सोमवार को जलदाय विभाग कार्यालय पर फूट पड़ा। परेशान महिलाओं ने जलदाय विभाग के बाहर मटके फोड़कर प्रदर्शन किया और विभागीय अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महिलाओं का आरोप है कि कॉलोनी में पिछले कई दिनों से पानी की सप्लाई बंद है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

महिलाओं और पुरुषों ने समस्या समाधान को लेकर आक्रोश जताया।

प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को कहा कि पानी नहीं आने से घरों में दैनिक कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो गया है। लोगों को नहाने और पीने के पानी तक के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द पानी सप्लाई बहाल नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

अनिरुद्ध नगर निवासी क्रांति ने बताया कि करीब 10 दिन पहले तक कॉलोनी में पानी आ रहा था, लेकिन उसका कोई निश्चित समय नहीं था। कभी देर रात 3 बजे तो कभी सुबह 6 बजे पानी आता था। अब पिछले 10 दिनों से पानी पूरी तरह बंद है। हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों को मजबूरी में महंगे दामों पर टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं।

महिलाओं ने बताया कि एक पानी के टैंकर के लिए करीब 2 हजार रुपये तक चुकाने पड़ रहे हैं। पीने का पानी भी बाजार से खरीदना पड़ रहा है। पानी की कमी का असर बच्चों की पढ़ाई पर भी पड़ रहा है, क्योंकि सुबह पानी की व्यवस्था करने में समय लग जाता है और बच्चे स्कूल देर से पहुंचते हैं। वहीं मामले को लेकर जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता केशव देव पांडे ने बताया कि विभाग के पास पहले इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई थी। सोमवार को महिलाओं द्वारा शिकायत किए जाने के बाद मामले की जांच करवाई जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मंगलवार तक कॉलोनी में पानी सप्लाई शुरू कर दी जाएगी। साथ ही सप्लाई के दौरान जीपीएस फोटो और वीडियो भी उपलब्ध करवाए जाएंगे ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

गंगापुर सिटी में वार्ड 26 के लोग पानी की सप्लाई नहीं होने से परेशान

दो सप्ताह से जलापूर्ति ठप होने से लोगों को पेयजल के लिए टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है

- जलदाय विभाग को कई बार सूचित किया जा चुका है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ

गंगापुर सिटी, (निसं)। वार्ड संख्या 26 स्थित संजय कॉलोनी में पिछले दो सप्ताह से जलापूर्ति ठप है। इस समस्या के समाधान के लिए सोमवार को कॉलोनीवासियों ने एडीएम बृजेंद्र मीणा को ज्ञापन सौंपा। स्थानीय लोगों ने बताया कि पेयजल के लिए उन्हें टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान और भारी परेशानी हो रही है।

गंगापुर सिटी में वार्ड 26 के निवासी एडीएम बृजेंद्र मीणा को ज्ञापन देने पहुंचे।

ज्ञापन सौंपने वालों में रमन सैन, बहादुर सिंह, सुनील सिंह, रामसेवक गुप्ता, सीमा देवी, सपना, राजेश कुमार राजपूत और नंदकिशोर राजपूत सहित अन्य निवासी शामिल थे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जलदाय विभाग को कई बार सूचित किया जा चुका है। इसके अलावा राजस्थान मुख्यमंत्री संपर्क पोर्टल 181 पर भी शिकायत दर्ज कराई गई है, लेकिन समस्या का समाधान अभी तक नहीं हुआ है। विभाग की ओर से केवल समाधान का आश्वासन दिया जा रहा है, जबकि जमीनी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

कॉलोनीवासियों ने आरोप लगाया कि जलदाय विभाग ने रेस्ट हाउस से गर्ल्स स्कूल तक नई पाइप लाइन बिछाई थी। हालांकि, विभागीय लापरवाही के कारण पुरानी पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इसके परिणामस्वरूप, सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं और पूरे क्षेत्र में पानी की आपूर्ति बाधित हो गई है। इससे स्कूल, अस्पताल और आसपास के अन्य निवासियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निवासियों ने बताया कि गर्मी के मौसम में पानी की खपत बढ़ जाती है, ऐसे में पर्याप्त पानी नहीं मिलने से पेयजल संकट गहरा गया है। विशेषकर महिलाओं को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। ज्ञापन में मांग की गई है कि गर्मी को देखते हुए क्षेत्र में शीघ्र जलापूर्ति बहाल की जाए और इस समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

पेयजल समस्या को लेकर महिलाओं ने मटके फोड़कर विरोध जताया

लोगों ने खाली मटकी लेकर जलदाय विभाग के अधिकारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

शाहपुरा। शाहपुरा शहर के वार्ड नंबर 23 के विभिन्न मौहल्ले व ढाणियों मे चली तेजल की समस्या को लेकर आखिरकार लोगों का गुस्सा फूट पड़ा।

■ उपखंड अधिकारी के 2 दिन में टैंकर सप्लाई शुरू करवाने के आश्वासन पर माने लोग

गुस्साएं महिलाओं ने उपखंड कार्यालय पर जलदाय विभाग के अधिकारियों के सामने ही मटका फोड़ कर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता शिशुपाल सैनी के फोन नहीं उठाने पर भी नाराजगी जताई। बाद में उपखंड अधिकारी संजीव कुमार खेदड़ के 2 दिन में टैंकर सप्लाई चालू होने तथा जल्द ही वार्ड में पेयजल टंकी से पाइपलाइन डाले जाने की आवश्यकता के बाद मामला शांत हुआ।

जानकारी के अनुसार शहर के वार्ड नंबर 23 में भूरा मूर्ति आटस के पीछे बड़ी पेयजल टंकी बनाई गई थी। उसे समय यहां आस पास के हनुमान सागर, तेल्या वाली, मिश्रा कॉलोनी,नाथ कॉलोनी,राजपूत कॉलोनी,काठाला वाली ढाणी आदि में रहने वाले लोगों को उम्मीद जगी थी कि अब उनकी पेयजल समस्या दूर हो जाएगी लेकिन टंकी बनने से लेकर आज तक पाइपलाइन नहीं डाली गई। जिस वार्ड में पेयजल समस्या गहरा गई। लोग मजबूरन निजी खर्चे पर टैंकर मंगा कर प्यास बुझा रहे हैं। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नाथूलाल सैनी,नगर अध्यक्ष मुकेश खुडानिया,प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव प्रवीण व्यास व पार्षद घनश्याम सैनी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग व महिलाएं खाली मटकी लेकर उपखंड कार्यालय पहुंची। जलदाय विभाग के अधिकारी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। एसडीएम संजीव कुमार ने मौके पर ही जलदाय विभाग के सहायक अभियंता शिशुपाल सैनी को बुलाया। उपखंड अधिकारी को लोगों ने विरोध जताते हुए बताया कि सहायक अभियंता उनके फोन नहीं उठाते हैं।ब्लॉक अध्यक्ष नाथूलाल सैनी ने कहा कि पेयजल की समस्या शहर के सभी वार्डों में है गर्मी का सितम जारी है उसके बावजूद भी पानी के टैंकर शुरू नहीं हो पाए हैं।उपखंड अधिकारी ने सहायक अभियंता को आगे से ऐसी शिकायत का मौका नहीं देने की बात कही।

381 स्थानों पर दबिश देकर 98 आरोपियों को गिरफ्तार किया

कोटपूतली। जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश के निर्देशन एवं जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशानुसार जिले में ऐसे सक्रिय अपराधी जो वांछित गतिविधियों में लिप्त रहते है, क्षेत्रवासियों में भय पैदा करते है, हार्डकोर अपराधियां, उद्घोषित अपराधी, स्थाई वारन्टी, भगौड़े, ईनामी अपराधी,मुकदमों में वांछित अपराधी, मादक पदार्थो, अवैध हथियार, अवैध शराब की तस्करी में लिप्त अपराधियों की गतिविधियों पर लगाम लगाने व सख्त कानूनी कार्यवाही करने के लिये 16 व 17 मई को चलाये गये अभियान के तहत सघन तलाशी, दबिश व छापेमारी की जिला पुलिस द्वारा अपराधियों के सम्भावित ठिकानों पर एक साथ कार्यवाही की गई।

■ जिले के 212 पुलिसकर्मियों के साथ पृथक-पृथक 51 टीमों द्वारा एक साथ एक ही समय पर दी गई दबिश व छापेमारी

टीमों द्वारा 381 स्थानों पर दबिश देकर कुल 98 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उक्त अभियान में उद्घोषित अपराधी, स्थायी वारन्टी व वांछित अपराधियों के खिलाफ भी प्रभावी कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान अवैध आबकारी अधिनियम के तहत 04 प्रकरण, 01 प्रकरण आर्म्स एक्ट में व 01 प्रकरण अवैध परिवहन/खनन के तहत पंजीबद्ध कर कुल 06 नये प्रकरण पंजीबद्ध किये गये। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के पर्यवेक्षण में अपराधियों का चिन्हिकरण कर उनके सम्भावित ठिकानों और गतिविधियों की जानकारी व निगरानी के लिये एएसपी कोटपूतली व नीमराना, जिले के समस्त डीएसपी व थानाधिकारियों एवं गठित टीमों द्वारा सम्भावित स्थानों पर दबिश व छापेमारी के लिये विशेष तैयारी की गई। अपराधियों की आसूचना संकलन करने के पश्चात एएसपी कोटपूतली नाजिम अली व एएसपी नीमराना सुरेश खिंची के निर्देशन में जिले के समस्त वृताधिकारियों एवं थानाधिकारियों व गठित टीमां द्वारा जिले में अलग-अलग स्थानों पर एक साथ दबिश देकर अपराधियों को घेरकर उनके सम्भावित आपराधिक ठिकानों की सघन तलाशी ली गई। अभियान के तहतअपराधियों में डर व आमजन में विष्वास कायम रखने, अपराधों पर लगाम लगाना, सोशियल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने व अफवाह फैलाने वालों की निगरानी, अपराधी के निवास स्थान के आसपास क्षेत्रवासियों में सुरक्षा की भावना पैदा करना, अपराधिक गैंग पर अंकुश लगाना, आर्म्स (हथियार), अवैध शराब तथा नशे पर अंकुश लगाना व अभियान के दौरान गिरफ्तार किये गये अपराधियों से गहन पूछताछ कर उनकी आपराधिक योजनाओं के बारे में पता लगाकर जिले में होने वाली गैंगवार की घटनाओं व अपराधों को रोकना हैं। वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी आदि अभियान का उद्धेष्य हैं।

बैठक आयोजित

कोटपूतली। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों एवं उपखंड अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं, विकास कार्यों तथा आमजन से जुड़ी आधारभूत सुविधाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

ऊर्जा मंत्री नागर ने दिव्यांगों को स्कूटी की सौगात दी

ऊर्जा मंत्री नागर देवली नगर पालिका परिसर में दिव्यांगजनों के स्कूटी वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए।

टोंक। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला, श्रमिक, युवा, किसानों को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक दृष्टि से मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिले, इसके लिए जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है।

■ ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने समस्याओं को संवेदनशीलता से सुनकर निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए

इस दौरान नागर ने सोमवार को जिले की देवली नगर पालिका परिसर में दिव्यांगजनों के स्कूटी वितरण कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश में विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। हमारी सरकार ने हाल ही में ग्राम विकास रथों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं को लेकर आमजन को जागरुक करने का कार्य किया, ताकि एक भी पात्र व्यक्ति अपने हक से वंचित नही रहें। उन्होने बताया कि सरकार के विधायक कोष से स्थानीय विधायक राजेन्द्र गुर्जर द्वारा आप सभी को 59 स्कूटियों का वितरण किया जा रहा है। आपके विधायक आमजन की व्यक्तिगत समस्याओं को लेकर बेहद संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग भाई-बहिनों को स्कूटी मिलने से उनका जीवन सुगम हो सकेगा। उन्हें रोजमर्रा के कामों में परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा। इस मौके पर स्थानीय विधायक राजेन्द्र गुर्जर ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय ने कहा था नर सेवा ही नारायण सेवा है।

जाट समाज प्रतिभावान सम्मान समारोह आयोजित

देवली। जाट विकास समिति देवली के तत्वावधान में रविवार,को सिरोही स्थित देहलवाल बाबा मंदिर परिसर में आयोजित जाट समाज प्रतिभावान सम्मान समारोह का आयोजन किया है यह आयोजन सामाजिक एकता, शिक्षा प्रोत्साहन और युवा जागरूकता का मंच. भी बना । समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 221 प्रतिभाओं का सम्मान कर उनका उत्साह बढ़ाया गया।इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज बंधुओं की उपस्थिति बनी रही तथा आयोजन के समापन तक उत्साह, अनुशासन और सामाजिक चेतना का वातावरण दिखाई दिया । जानकारी के अनुसार समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के जलदाय एवं भूजल विभाग के कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी रहे। विशिष्ट अतिथियों में रिटायर्ड जज राजेंद्र सिंह, एडिशनल एसपी धर्मराज चौधरी, सीओ हेमराज मूंड, पूर्व प्रधान गणेश जाट, पूर्व प्रधान बनवारी जाट, लोकमत चैनल की डायरेक्टर माया चौधरी, डॉ. धनराज जाट तथा नगर पालिका पार्षद छाया चौधरी सहित समाज के अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह में कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं,सहित राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों,और राजकीय सेवाओं में चयनित युवाओं,एवं भामाशाहों तथा समाज का नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। प्रतिभाओं का सम्मान किए जाने के दौरान उपस्थित लोगों कि तालियों कि गड़गड़ाहट से समारोह गूंज उठा। तो वही कार्यक्रम के दौरान राजस्थानी संस्कृति की मनमोहक प्रस्तुतियां भी पेश की गई। इस दौरान मुख्य अतिथि मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा और संस्कार ही समाज को नई दिशा देते हैं। उन्होंने युवाओं से नशाखोरी और सामाजिक कुरीतियों से दूर रहकर सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आव्हान किया। मंत्री चौधरी ने देहलवाल बाबा मंदिर स्थित जाट धर्मशाला में लगभग 20 लाख रुपए की लागत से डॉम निर्माण की घोषणा की।

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना मेरी भूमि खसरा नं. 255/28 रकबा 1.1982 वाके स्थित ग्राम तन चक चारणवास पटवार हल्का राजपुरवास ताला, तहसील जमवारामगढ जिला जयपुर राजस्थान से सम्बन्धित असल दस्तावेज कार्यालय उपखण्ड अधिकारी तहसील जमवारामगढ जयपुर द्वारा जारी संपरिवर्तन आदेश क्रमांक/संपरिवर्तन/2002/1735 दिनांक 25.04.2022 संपरिवर्तन आदेश का पंजीयन लेखपत्र दिनांक 24.02.2023 कहीं गुम हो गये हैं जो काफी प्रयास के उपरान्त भी नहीं मिल हैं। यदि मेरे उक्त सम्पत्ति के उपरोक्त असल दस्तावेज किसी को मिलते हैं तो निवेदन है कि मेरे मोबाइल नम्बर पर सूचित करें। आमजन को यह सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी भी अन्य व्यक्ति फर्म संस्था निकाय कम्पनी इत्यादि किसी से किसे से भी किसी प्रकार का क्रय विक्रय या किसी भी प्रकार का संव्यवहार नहीं करें, यदि मेरे उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई अन्य किसी भी प्रकार का क्रय विक्रय या किसी भी प्रकार का संव्यवहार करता है तो इसकी समस्त परिणामों के लिए वह स्वयं उत्तरदायी होगा। उसमें मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
घनश्याम सिंह पुत्र श्री ओंकार सिंह देवल उम्र 59 वर्ष निवासी चकचारणवास, तहसील जमवारामगढ जिला जयपुर राजस्थान हॉल निवासी 150 कृष्ण मार्ग, गोविन्द नगर पूर्व, ब्रह्मपुरी, आमेर रोड, जयपुर राजस्थान। मो.नं. 9694011121

इत्तलानामा वास्ते जाहिर करने वजह न जारी होने डिक्री के

(ओ. 21 रूल 22 जाब्ता दीवानी)

अज अदालत न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम 1 जयपुर महानगर जयपुर द्वितीय

श्रीमती फूलमती धामाणी व अन्य

बनाम

पंडित श्री नारायण पुजारी व अन्य

डिग्री बाबत इजराय 234/24

मुकदमा नं. .... सन्

बनाम्

मुसम्मी - दीनानाथ शर्मा
पुत्र स्व. श्री नाथूलाल शर्मा
निवासी- 271, ग्रीन पार्क, दादी का फाटक, झोटवाड़ा, जयपुर

चूंकि फूलमती धामाणी ने डिग्री अदालत उक्त मवखे .... व मुकदमा नं. .... सन् .... को इजराय के लिए दरख्वास्त पेश की है इसलिए आपको इत्तला दी जाती है कि आप इस अदालत में दिनांक 30 मई 2026 को हाजिर होकर अगर कोई उज्र वास्ते आपके खिलाफ इजराय किये जाने डिग्री रखते हों तो पेश करो।

आज ब तारीख 18.05.2026 व सब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के जारी किया गया।

रीडर ग्रेड-प्रथम
मोहर न्यायालय — अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-01, जयपुर महानगर-द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 612/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री प्रमोद पाल, निवासी 35/60 रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास OVALE CHARITABLE SOCITY OVALE HEAL THCARE प्लॉट नम्बर 5 ए, शॉप नम्बर-14-15 विश्व नगर, मेट्रो विहार नम्बर 83 के पीछे, न्यू सांगानेर रोड, सोडाला, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 14.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 17.07.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 613/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री प्रमोद पाल, निवासी 35/60 रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास अग्रणी सोसायटी फॉर एज्यूकेशन एण्ड डवलपमेन्ट 8 राधा निकुंज, सी इस्कॉन रोड रामपुरा रोड नियर केसर चौराहा, सांगानेर जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 14.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 17.07.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 610/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री प्रमोद पाल, निवासी 35/60 रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास स्व. सेठ लक्ष्मीनारायण स्मृति संस्थान 35/60 रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 14.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 17.07.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

खोया पाया

मेरे मकान 13/373 मानसरोवर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र, हैण्डिंग ओवर लेटर, अदेय प्रमाण पत्र खो गया। सूचित करें। मो. 9694921519

मेरे मकान नम्बर MA-1/406 प्रताप अपार्टमेंट, सैक्टर-29 प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर का ओरिजनल अलाटमेंट लेटर नम्बर 3342 कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें। रेनू सिंह-9414015939

प्लॉट नम्बर 111-ए, सूतर खाना जनता कॉलोनी का दिनांक 15 अक्टूबर 1994 का असल विक्रय पत्र कहीं गुम हो गए है। जिस किसी को मिले सूचित करें। नईमा नकवी मो. 9414841359

आम सूचना

जयपुर विकास प्राधिकरण (जे. डी.ए.) व हर आम को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अभिषेक कटेवा पुत्र स्वर्गीय विरेन्द्र सिंह कटेवा निवासी पलाट नम्बर 38, कान्ती नगर स्टेशन रोड, जयपुर ने अरविन्द कुमार जाट व मुकेश कुमार पुत्रान जगदीश प्रसाद निवासीयान ग्राम पीपला भरत सिंह (जाटों की ढाणी) तहसील सांगानेर जिला जयपुर को ऋण दिया हुआ है तथा ऋण अदायगी पेटे उपरोक्त दोनो भाईयों (अरविन्द कुमार व मुकेश कुमार) ने जयपुर विकास प्राधिकरण से स्वयं के पट्टा विलेख (फ्री होल्ड) भूखण्ड संख्या 11 / IB (b) 17 क्षेत्रफल 50 स्कवायर मिटर, 11 / IC (i) / 74 क्षेत्रफल 12.50 स्कवायर मीटर, 11 / IC (i) / 80, क्षेत्रफल 12.50 स्कवायर मीटर, 11/ IC (i)/83 क्षेत्रफल 12.50 स्कवायर मीटर, 11 / OB/115B, क्षेत्रफल 1250 स्कवायर मीटर, 11 / IC (b)/ 16 क्षेत्रफल 50 स्कवायर मीटर, 11/IC (i)/77 क्षेत्रफल 12.50 स्कवायर मीटर, 11 / IC (i) / 86 क्षेत्रफल 12.50 स्कवायर मीटर, 11 / IC (i)/ 92 क्षेत्रफल 12.50 मीटर एवं 11 / OB/115A, क्षेत्रफल 1250 स्कवायर मीटर जरिये आवंटन क्रमांक F-JDA/JONE-11/2026/9470, F-JDA/JONE-11/2025/7195, F-JDA / JONE-11/2025/7186, F-JDA/JONE 11/2025/7206, F-JDA/JONE-11/2025/7183, F-JDA/JPNE-11/2026/9472, F- JDA/JONE-11/2025/7185] F-JDA/JONE-11/2025/7214, F-JDA/JONE- 11/2025/7196, F-JDA/JONE-11/2025/7212 है। उपरोक्त भूखण्डों के मूल पट्टे (जे.डी.ए. द्वारा जारी रजिस्ट्रीस्टर्ड शुदा) मेरे पास ऋण अदायगी पेटे गिरवी, रहन रखे हुये है। जयपुर विकास प्राधिकरण इनके डुप्लीकेट पट्टे जारी नहीं करे तथा कोई व्यक्ति या संस्था इनको क्रय नहीं करे। सूचनार्थ प्रेषित है।

प्रेषक
राजेन्द्र सिंह महला एडवोकेट,
एस -10ए, अम्बाबाड़ी जयपुर मोबाईल - 9351648480

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 563/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री अजय कुमार निवासी 24 फ्रैंट्स कॉलोनी, लालकोठी जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास मरूधरा अकादमी 24 फ्रैंट्स कॉलोनी, लालकोठी जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 30.06.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक : न.नि.भ./स्कीम/2026-27/3029 — दिनांक : 11.05.2026

सार्वजनिक सूचना

जवाहर नगर योजना भरतपुर में आवासीय भूखण्ड संख्या ए-63 श्री रमेश चंद गुप्ता पुत्र श्री ईश्वर चंद गुप्ता जाति वैश्य निवासी - सेठ का मढ जामा मस्जिद, भरतपुर के नाम 99 वर्षीय लीज होल्ड पर आवासीय भूखण्ड आवंटन/नीलामी में नगर विकास न्यास, भरतपुर द्वारा विक्रय किया गया था। जिसका क्षेत्रफल 213.33 वर्गगज है। उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन कार्यालय आदेश क्रमांक 11027-29 दिनांक 28.01.2022 के द्वारा श्रीमती राधा गुप्ता पत्नी स्व० श्री रमेश चंद गुप्ता के नाम पूर्व में हो चुका है। श्रीमती राधा गुप्ता पत्नी स्व० श्री रमेश चंद गुप्ता ने उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 08.12.2023 के द्वारा श्री अनिल कुमार बंसल व श्री सुनील कुमार बंसल पुत्रगण श्री रमेशचंद बंसल को विक्रय कर दिया। आवेदकान श्री अनिल कुमार बंसल व श्री सुनील कुमार बंसल पुत्रगण श्री रमेशचंद बंसल जाति वैश्य निवासीयान- उच्चैन तहसील उच्चैन जिला भरतपुर हाल निवासीयान डी-34, जवाहर नगर, भरतपुर उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन कराना चाहते हैं। उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही इस कार्यालय द्वारा की जानी है।

इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में कार्यालय नगर निगम, भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने म्याद भूखण्ड संख्या ए-63, जवाहर नगर, भरतपुर का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

प्रभारी अधिकारी
स्कीम शाखा, नगर निगम, भरतपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 23264/2025
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी श्री जगदीश प्रसाद ताम्बी पुत्र स्व. श्री कन्हैया लाल ताम्बी उम्र लगभग 79 वर्ष निवासी प्लॉट नम्बर-2/181 संग्राम कॉलोनी, सी-स्कीम जयपुर राजस्थान।
मृतक कन्हैया लाल ताम्बी की चल सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 21.05.2026
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम मृतक कन्हैया लाल ताम्बी पुत्र श्री वीरधी चन्द निवासी प्लॉट नम्बर 2/181 संग्राम कॉलोनी सी-स्कीम जयपुर राजस्थान का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 21 माह 05 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 18 माह 05 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
प्रार्थी ने मृतक कन्हैया लाल ताम्बी के नाम प्रार्थना पत्र में वर्णित शेयर्स बयान उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहा है।

मोहर अदालत — आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम जिला एवं सैंशन न्यायालय जयपुर महानगर-प्रथम

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 23263/2025
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी श्री जगदीश प्रसाद ताम्बी पुत्र स्व. श्री कन्हैया लाल ताम्बी उम्र लगभग 79 वर्ष निवासी प्लॉट नम्बर-2/181 संग्राम कॉलोनी, सी-स्कीम जयपुर राजस्थान।
मृतक मनी देवी की चल सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 21.05.2026
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम मृतक मनी देवी पत्नि कन्हैया लाल ताम्बी निवासी एच-57, ताम्बी भवन बनीपार्क जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 21 माह 05 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 18 माह 05 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
प्रार्थी ने मृतका मनी देवी के नाम प्रा.पत्र में वर्णित शेयर्स की प्राप्ति बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहा है।

मोहर अदालत — आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम जिला एवं सैंशन न्यायालय जयपुर महानगर-प्रथम

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण क्रम संख्या-1 जयपुर महानगर-द्वितीय जयपुर

क्रमांक-502 — दिनांक-01.05.2026

ता.पेशी-06.06.2026

मालिराम राव पुत्र श्री भैरू राम राव
निवासी-93 शांति नगर, कालवाड रोड जोशी मार्ग, झोटवाडा जयपुर।

विषय-न्यायाधिकरण द्वारा क्लेम प्रार्थना पत्र संख्या-142/2020 में पारित आदेश दिनांक 01.06.2024 उनवानी सुमित पारीक बनाम गोविन्द कुमार वर्मा व अन्य की पालना के सम्बन्ध में।
उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि इस न्यायाधिकरण के अंतिम पंचाट दिनांक 01.06.2026 द्वारा प्रार्थी के पक्ष में तथा अप्रार्थीगण के विरूद्ध 4,47,000/- रूपये एवं इस राशि पर दिनांक 20.07.2019 से अदायगी तक 6 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज भी अदा करने का आदेश दिया गया था, परन्तु आपने न्यायाधिकरण द्वारा आदेशित रशि का भुगतान आज दिनांक तक नहीं किया है, जिसकी वसूली हेतु प्रार्थी द्वारा न्यायाधिकरण के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतः इस नोटिस द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि न्यायाधिकरण द्वारा पारित आदेश दिनांकित 01.06.2024 की पालना में उपरोक्त वर्णित राशि व ब्याज का भुगतान आगामी तारीख पेशी-06.06.2026 तक कर देवे अन्यथा आपके विरूद्ध मोटर यान अधिनियम के अन्तर्गत नियमानुसार वसूली की कार्यवाही प्रारंभ कर दी जायेगी।

न्यायाधीश
मोहर अदालत — मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण संख्या-1 जयपुर महानगर-द्वितीय, जयपुर

खोया-पाया मैं मोहन लाल नारोलिया पुत्र कालूराम निवासी रैगरों का मोहल्ला चाकसू मैंने बाबा आर एन गौड गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर द्वारा आवासीय स्कीम चमन विहार वार्ड नं. 12 चाकसू में प्लाट संख्या 89 एरिया 100 वर्गगज है का सम्पूर्ण हिस्सा लिया था जिसकी शुल्क रसीद संख्या 21819/14.10.1997 मुझसे गुम हो गयी है भविष्य में रसीद मिल जाती तो मैं रसीद को सोसाइटी मं सरेंडर कर दूंगा। दुरूपयोग पर समस्त जिम्मेदारी मेरी होगी।

इत्तलानामा वास्ते जाहिर करने वजह न जारी होने डिक्री के

(ओ. 21 रूल 22 जाब्ता दीवानी)

अज अदालत न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम 1 जयपुर महानगर जयपुर द्वितीय

श्रीमती फूलमती धामाणी व अन्य

बनाम

पंडित श्री नारायण पुजारी व अन्य

डिग्री बाबत इजराय 234/24

मुकदमा नं. .... सन्

बनाम्

मुसम्मी - श्रीमती कमला बाई
पुत्री छगन जी सरपंच हरमाड़ा
निवासी- सरपंच हरमाड़ा, तहसील आमेर
जिला- जयपुर

चूंकि फूलमती धामाणी ने डिग्री अदालत उक्त मवखे .... व मुकदमा नं. .... सन् .... को इजराय के लिए दरख्वास्त पेश की है इसलिए आपको इत्तला दी जाती है कि आप इस अदालत में दिनांक 30 मई 2026 को हाजिर होकर अगर कोई उज्र वास्ते आपके खिलाफ इजराय किये जाने डिग्री रखते हों तो पेश करो।

आज ब तारीख 18.05.2026 व सब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के जारी किया गया।

रीडर ग्रेड-प्रथम
मोहर न्यायालय — अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-01, जयपुर महानगर-द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 605/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री रमन कालिया निवासी 4/143 एस एफ एस अग्रवाल फार्म जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास सरस्वती शिक्षा संस्थान लाल महल के सामने, जमवारामगढ, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 13.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 15.07.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री पुरुषोत्तम गोयनका सुपुत्र श्री बनवारी लाल गोयनका निवासी प्लॉट नंबर-370 फ्लैट नंबर-303 सैकिण्ड फ्लोर माँ रेजीडेंसी तृतीय, प्रताप नगर विस्तार, केद जी के चौराहा के पास, मुरलीपुरा, जयपुर ने एक आवासीय फ्लैट स्थित फ्लैट नंबर जी-1, "हार्मोनी रेजीडेंसी-1" प्लॉट नंबर 642 प्रताप नगर विस्तार, केदजी का चौराहा, चौमू रोड, जयपुर जिसका कुल क्षेत्रफल 750 वर्गफीट है को क्रय (खरीदने) करने का इकरार श्रीमती निशा शर्मा पत्नी श्री अनिल कुमार अग्रवाल, निवासी प्लॉट नंबर 46, वार्ड नंबर-4 न्यू पोद्दार कॉलेज के सामने, स्टेशन रोड, नवलगढ जिला झुंझुनू (राजस्थान) से किया है। इस क्रय-विक्रय के संव्यवहार में किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, बैंक या वित्तीय संस्था को कोई भी आपत्ति/उज्र हो तो मुझ हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आगामी सात दिवस में लिखित में व्यक्तिगत उपस्थित होकर पेश करें। बाद मियाद कोई आपत्ति, उज्र मान्य नहीं होगा एवं प्रभाव शून्य व निष्प्रभावी होगा। अतः सूचित रहे।
जयपुर — (सतीश मोदी) एडवोकेट
दिनांक-18.05.2026 — मो. 9314833316

नाम परिवर्तन

मैंने मेरा नाम विकाश कुमार से बदलकर विकाश जाँगिड पुत्र झाबर मल जाँगिड रख लिया है। भविष्य में मूझे विकाश जाँगिड के नाम से जाना पहचाना जाये। निवासी ग्राम-भवानीपुरा, तहसील धोद, जिला सीकर राजस्थान

मैं मुनिफ अहमद पुत्र अलादीन खान मेरे पासपोर्ट नं. ई-4555467 में गलती से मेरी जन्मतिथि 15.03.1967 दर्ज हो गई जबकि सही जन्मतिथि 25.03.1967 है। भविष्य में मेरी जन्मतिथि 25.03.1967 मानी जावे। निवासी 129 नेहरू नगर, कुंडा आमेर जयपुर-302028 (राज.)

मैंने अपना नाम विनय कुमार (Vinay Kumar) से बदलकर विनय गुप्ता (Vinay Gupta) पुत्र श्री श्याम बाबू गुप्ता रख लिया है भविष्य में मुझे विनय गुप्ता (Vinay Gupta) के नाम से जाना जावें। पता-आर-55 गोविन्द नगर वार्ड नं. 74 गांधी मार्ग, जयपुर-302002

मैंने मेरा नाम रोहित कुमार महावर से बदलकर रोहित कुमार रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाएं। निवासी वार्ड नं. 3 संजय नगर, सुल्तानपुर कोटा (राज.) 325204

मै, आकांक्षा तिवारी पत्नी नंबर 15191695A NK (CC) देवेन्द्र कुमार तिवारी निवासी गांव -पुरे कलंदर PO-मानापुर हरिहरपुर, जिला अमेठी (UP)। मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम आकांक्षा तिवारी गलत दर्ज है। मेरे डॉक्यूमेंट्स यानी आधार और वोटर कार्ड के अनुसार मेरा सही नाम आकांक्षा है।

मैं, सोनाली चंद्रकांत कदम W/o No. 15220041F HAV (OPR) खामकर संतोष R/o VPO-कोडोली Teh. & Dist. संतारा (MH) मेरे पति के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम सोनाली चंद्रकांत कदम और D.O.B. 01.06.1994 गलत दर्ज है। मेरे आधार के अनुसार मेरा सही नाम सोनाली संतोष खामकर और D.O.B. 05.01.1994 है।

VACANCY FOR THE POST OF THE PRINCIPAL AT ARMY PRE PRIMARY SCHOOL, NIWARU MIL STN JAIPUR

1. Army Pre Primary School, Niwaru, Jaipur invites applications for the post of Principal on contractual basis.

Vacancies for	No. of Vacancy	Age limit	Qualification
Principal	01	Minimum age 25 Yrs Maximum age 55 Yrs	(a) Graduate or above in any discipline (b) Mandatory- A Teaching Degree B.Ed (Elementary Education or NTT (mandatory) (c) Experience as required under any one of the following clauses :- (i) At least 3 years experience of administrative charge of a recognized Middle School or higher classes. (ii) At lease 5 years experience as Head of School (Headmaster/ Headmistress/ Coordinator/Supervisor of Primary Wing of a recognized High School or an APPS

2. Last date of submission of application is 28 May 2026 at APPS, Niwaru alongwith photocopy of above mentioned documents.
3. The offered salary will be competitive and comparable to what other reputable private schools in the area are offering.
4. For query contact no. 9530267341, 7252002716.
5. e-mail id- appsniwaru45ib@gmail.com.

कार्यालय नगरपरिषद् कुचामनसिटी (डीडवाना-कुचामन)

Email :eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in
munibkcity@gmail.com
फोन नं. 01586-220022
01586-221526

क्रमांक :- न.प.कु./2026-27/929 — दिनांक :-18.05.2026

आपत्ति आमन्त्रण सूचना

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदको द्वारा पालिका में निम्न रूप से उल्लेखित प्रयोजनार्थ के लिये आवेदक प्रस्तुत किया है। पालिका द्वारा आवेदित प्रयोजनार्थ के तहत प्रकरण का निस्तारण किया जाना है। निम्न प्रकरणों में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिंनाक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तियां/कारण/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें, अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं आवेदक के पक्ष में भूमि आवंटन पट्टा/जारी कर दिया जावेगा।

क्र. स.	पत्रावली सं.	प्रयोजन	आवेदक का नाम/पिता का नाम व पता	क्षेत्रफलव गगजमें	खसरा नं., कॉलोनी/मौहल्ला का नाम
1.	17/2026-27	69-क	श्रीमती सन्तोष काबरा पत्नी रतनलाल काबरा	388.00	758, स्टेशन रोड़
2.	18/2026-27	69-क	श्रीमती शाहनाज बानो पत्नी मोहम्मद हनीफ	153.93	758, नया शहर
3.	19/2026-27	69-क	श्रीमती नसीम पत्नी दाउद	70.79	758, गुंलजारपुरा
4.	20/2026-27	69-क	श्रीमती अंजु पारीक पत्नी मुकेश कुमार पारीक	106.58	758, सब्जी मण्डी
5.	21/2026-27	69-क	श्री सुनील सोनी पुत्र महेश कुमार सोनी	275.73	758, डिडवाणियों की गली
6.	22/2026-27	निर्माण ईजाजत	श्री इन्द्र सिंह पुत्र प्रहलाद सिंह राठौड़	233.33	टोरड़ा रोड़, कुचामन सिटी
7.	23/2026-27	निर्माण ईजाजत	श्री अनिल अग्रवाल पुत्र राजकुमार अग्रवाल	164.87	चित्रकुट कॉलोनी, कुचामन सिटी
8.	27/2026-27	नामान्तरण	श्री हरीदयाल पुत्र मुगनाराम	177.77	टैगोर विहार
9.	40/2026-27	नामान्तरण	श्री नरेश कुमावत पुत्र रामस्वरूप कुमावत	210.00	जगदम्बा कॉलोनी, बुड़सूरोड़
10.	41/2026-27	नामान्तरण	श्रीमती रूपकंवर पत्नी हिम्मत सिंह	104.50	धर्मकांटा के पिछे
11.	44/2026-27	नामान्तरण	श्री श्रवणराम पुत्र बोदूराम गुर्जर	187.33	टोम कॉलोनी
12.	46/2026-27	नामान्तरण	श्री अजित ठोलिया पुत्र मेघाराम जाट	201.25	शारदा नगर
13.	01/2026-27	ट्रेड लाईसेन्स	मॉ कालका होटल जरिये श्री सुगन सिंह पुत्र श्रवण सिंह	-	डीडवाना रोड़, कुचामनसिटी

आयुक्त
नगरपरिषद् कुचामन सिटी

संक्षिप्त

जगराम बने वीडिओ संघ के जिला अध्यक्ष

बौंली -बामनवास। ग्राम विकास अधिकारी संघ सवाई माधोपुर जिला अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई गई। पर्यवेक्षक प्रदेश उपाध्यक्ष प्रहलाद जाट एवं टोंक जिला अध्यक्ष सुरेश चौधरी की उपस्थिति में निर्विरोध चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराई गई, चौथी बार सर्वसम्मति से चौथी बार बौंली उपखंड के ग्राम शिशोलाओ निवासी जगराम मीणा को सवाई माधोपुर जिला अध्यक्ष पद पर चुना गया है। सर्वसम्मति से गठित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर मांगीलाल गुर्जर खंडार को, मंत्री पद पर महेंद्र कुमार शर्मा को, कोषाध्यक्ष पद पर जितेंद्र कुमार शर्मा को, संयुक्त मंत्री दिनेश मीणा, संगठन मंत्री राकेश मीणा, प्रदेश प्रतिनिधि प्रशांत बैरवा, संगठन मंत्री देवी सिंह जाट, संरक्षक ब्रजकिशोर शर्मा एवं प्रभारी सुरेश सैनी को चुना गया है।

चेतना विजय बनी अध्यक्ष

निवाई। विजयवर्गीय समाज की महिला मंडल अध्यक्ष पद पर चेतना विजय को निर्वाचित किया गया। समाज के अध्यक्ष जितेंद्र विजय ने बताया कि प्रदेश कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विजयवर्गीय, प्रदेशाध्यक्ष डीपी विजयवर्गीय एवं प्रदेश महिला प्रभारी शिक्षा विजय की उपस्थिति में चेतना विजय को महिला मंडल अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर प्रदेश महिला प्रभारी दीक्षा विजय, पार्वती विजय, सरिता विजय, ममता विजय, उषा विजय, उर्मिला विजय, राधा विजय, पुष्पा विजय, सुनीता, सीमा विजय व प्रिया विजय सहित समाज की महिलाओं ने नवनियुक्त महिला अध्यक्ष चेतना विजय का स्वागत कर शुभकामनाएं दी।

'महासभा आपके द्वार' कार्यक्रम कल

निवाई। रैगर महासभा के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष शंकरलाल हाथीवाल के नेतृत्व में महासभा आपके द्वार कार्यक्रम का पंचम चरण 20 मई को सुबह 10 बजे मालपुरा के गांव गरजेडा से शुभारंभ होगा। जिला महामंत्री रामभज वर्मा बगड़ी ने बताया कि महासभा आपके द्वार कार्यक्रम में 25 मई तक मालपुरा के 15 एवं पीपलू के 22 गाँवों में समाज के लोगों को जागरूक किया जाएगा। जिसमें फिजूलखर्ची रोकने के लिए विभिन्न कुरुतियों को बंद करने, संस्कारयुक्त एवं तकनीकी शिक्षा का प्रचार प्रसार, ग्रामवार इकाई का गठन करने, महासभा को मजबूत करने के लिए नवीन सदस्य बनाने, सरकारी योजनाओं की जानकारी देने एवं समाज मे नशाखोरी को बंद करने के लिए समाज के लोगों को जागरूक किया जाएगा।

कार विद्युत पोल से टकराई

फुलेरा। फुलेरा कस्बे के बिचून रोड स्थित डीएल नगर के पास अलसुबह एक ईको कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे विद्युत पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार सड़क पर पलट गई तथा विद्युत पोल भी क्षितग्रस्त होकर गिर गया। हादसे में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सांभर निवासी कुछ लोग कार से जयपुर से फुलेरा की ओर आ रहे थे। इसी दौरान डीएल नगर के पास कार चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे विद्युत पोल से जा भिड़ी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई तथा आसपास के ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना कर दुर्घटना की जानकारी ली। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता का स्वागत

कोटपूतली। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित तिरुपति होटल में आयोजित 02 दिवसीय कार्यक्रम पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 (जयपुर देहात उत्तर) में बतौर मुख्य वक्ता शिरकत करने के लिये जाते समय कोटपूतली पहुंचने पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता मदन प्रजापत का राजा दक्ष छात्रावास के पदाधिकारियों, भाजपा कार्यकर्ताओं व आमजन द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर राजा दक्ष प्रजापति छात्रावास सचिव कमलेश प्रजापत, कोषाध्यक्ष महेश प्रजापति दांतिल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्मपाल प्रजापत, राधेश्याम प्रजापत, रामौतार पूतली, लालचंद पूतली, गिरिराज केशवाना, प्रवीण बंसल, प्रमोद गुरुजी, राजेश सराधना, ओमवीर कुमावत समेत अन्य मौजूद रहे।

सामोद बालाजी मन्दिर में जल्द बहाल हो रोप-वे : विधायक बराला

चौमूं / कालाडेरा । जयपुर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति जयपुर (दिशा) की बैठक में चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न जनहित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। विधायक बराला ने सामोद स्थित श्री वीर हनुमान मन्दिर में लम्बे समय से बंद पड़े रोप-वे को जल्द बहाल करने की मांग करते हुए कहा कि वह पिछले दो वर्षों से लगातार इस विषय को लेकर प्रयासरत हैं।

इसके साथ ही उन्होंने मन्दिर परिसर में मोबाइल नेटवर्क की समस्या को गंभीर बताते हुए मोबाइल टावर लगवाने की मांग रखी, जिस पर अधिकारियों ने अगस्त-सितंबर 2026 तक मोबाइल टावर स्थापित करवाने का आश्वासन दिया। बैठक में विधायक डॉ शिखा मील बराला ने चौमूं विधानसभा क्षेत्र के गांवों एवं चौमूं नगर परिषद क्षेत्र में पेयजल संकट का मुद्दा भी मजबूती से उठाया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में आमजन को पेयजल एवं बिजली आपूर्ति की गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई गांवों में जीआई पाइप लाइनें जर्जर हो चुकी हैं, जिन्हें शीघ्र दुरुस्त करवाकर नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही विधायक ने केंचुआ खाद योजना के अंतर्गत किसानों की लंबित सब्सिडी राशि का मुद्दा भी उठाया।

बैठक में चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने क्षेत्र से जुड़े विभिन्न जनहित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

- विधायक बराला ने मन्दिर परिसर में मोबाइल नेटवर्क की समस्या को गंभीर बताते हुए मोबाइल टावर लगवाने की मांग रखी

उन्होंने कहा कि कालाडेरा, सबलपुरा, घिनोई सहित कई गांवों के किसानों को अब तक सब्सिडी का भुगतान नहीं हुआ है, जिससे किसानों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने अधिकारियों से किसानों की बकाया सब्सिडी राशि जल्द जारी करवाने की मांग की। उप जिला अस्पताल चौमूं की जर्जर स्थिति को लेकर विधायक डॉ बराला ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नए अस्पताल भवन के लिए जमीन आवंटित होने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है।

उन्होंने जेडीए एवं संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर नए अस्पताल भवन का निर्माण जल्द शुरू करवाने की मांग की, ताकि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। साथ ही कालाडेरा एवं गोविंदगढ़ सीएचसी में अव्यवस्थाओं और डॉक्टरों की कमी का मुद्दा उठाते हुए अधिकारियों को औचक निरीक्षण करने के निर्देश देने की मांग की। विधायक बराला ने गोविन्दगढ अंडरपास में दोबारा जलभराव की समस्या का मुद्दा उठाते हुए कहा कि पूर्व में एनएचएआई द्वारा समाधान किए जाने के बावजूद अब फिर से पानी भरने लगा है, जिससे आमजन को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है।

समाज सेवा शिविर का शुभारम्भ

कोटपूतली। निकटवर्ती ग्राम पवाना अहीर के सेठ मूलचंद प्रभुदयाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों द्वारा 15 दिवसीय समाज सेवा शिविर का शुभारम्भ किया गया। शिविर प्रभारी व्याख्याता सुमन चौहान के नेतृत्व में विद्यालय कैम्पस में विद्यार्थियों द्वारा पेड़-पौधौं व पक्षियों के परिंडो में पानी डालकर दाना पानी की व्यवस्था की गई। प्रभारी व्याख्याता सुमन चौहान व शारीरिक शिक्षक शिवपाल यादव ने बच्चों को प्रेरित करते हुये कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिये। 17 से 31 मई तक 15 दिवसीय शिविर के लिये प्राचार्य भागीरथ सिंह मीणा व विद्यालय प्रशासन का मानना है कि ऐसे शिविरों से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, सामाजिक चेतना और जिम्मेदार नागरिक की भावना का विकास होता है जिससे वे एक सभ्य सुसंस्कृत और अनुशासित नागरिक के रूप में अपनी पहचान बना सकें।

मंत्री संजय शर्मा ने जनसुनवाई की

अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने सोमवार को अलवर में अपने आवास पर जनसुनवाई की। जनसुनवाई में शहर व ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने मंत्री के सामने पेयजल, बिजली, सड़क, नाली, साफ-सफाई अतिक्रमण जैसी समस्याएं रखीं। मंत्री ने एक-एक फरियादी की बात गंभीरता से सुनी और मौके पर मौजूद अधिकारियों को फोन कर तुरंत समाधान के निर्देश दिए।

- 'शिकायत का फॉलोअप लिया जाएगा, लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होगी'

मंत्री शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायत का निस्तारण होने के बाद संबंधित फरियादी को फोन या अन्य माध्यम से सूचित किया जाए।

अलवर आवास पर जनसुनवाई कर लोगों समस्याएं सुनते मंत्री संजय शर्मा।

उन्होंने कहा कि सिर्फ फाइल बंद करना उद्देश्य नहीं है, बल्कि फरियादी के संतुष्टि स्तर में बढ़ोतरी होनी चाहिए। आमजन की मूलभूत जरूरतों से जुड़ी शिकायतों को प्राथमिकता पर निपटाया जाए।

इस दौरान मंत्री शर्मा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने गरीब, किसान, महिला और युवाओं के लिए दर्जनों जनकल्याणकारी योजनाएं चला रखी हैं। लेकिन जानकारी के अभाव में जरूरतमंद लोग लाभ नहीं ले पा रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं और अधिकारियों से आव्हान किया कि वे खुद जागरूक रहें और अपने आसपास के पात्र लोगों को योजनाओं की जानकारी देकर आवेदन कराने में मदद करें। सरकार का पैसा सीधा लाभार्थी तक पहुंचे, यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए

उन्होंने ने कहा जनसुनवाई में आने वाली शिकायतें 'कागजी खानापूर्ति' बनकर न रह जाएं।

बालाजी क्रिकेट प्रतियोगिता के सातवें संस्करण का शुभारंभ

पावटा। ग्राम पंचायत ठीकरिया में रविवार को आयोजित बालाजी क्रिकेट प्रतियोगिता के सातवें संस्करण का शुभारंभ समाजसेवी गोपाल अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं लालचंद यादव की अध्यक्षता व रोहिताश भंगार, रामस्वरूप धनकड़, जीएसएस अध्यक्ष रामवतार यादव, लक्ष्मण सिंह और मुलचंद भंगार के विशिष्ट आतिथ्य में फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह में खेल प्रेमियों और ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी तथा पूरे गांव में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम शुभारंभ के दौरान आगंतुक अतिथियों का साफा एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

- ठीकरिया में क्रिकेट का रोमांच शुरू, वीर तेजाजी नगर ने उद्घाटन मैच में रामपुरा को 38 रन से हराया

इसके बाद प्रतियोगिता का पहला मुकाबला वीर तेजाजी नगर और रामपुरा टीम के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वीर तेजाजी नगर की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 93 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया। जवाब में रामपुरा की टीम मजबूत शुरुआत नहीं कर सकी और पूरी टीम 55 रन पर ऑलआउट हो गई। शानदार गेंदबाजी और बेहतरीन फील्डिंग के दम पर वीर तेजाजी नगर ने उद्घाटन मुकाबला 38 रन से जीतकर प्रतियोगिता में विजयी आगाज किया।

अतिथि गोपाल अग्रवाल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, जरूरत सिर्फ उन्हें उचित मंच देने की है। खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और भाईचारे की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि हार से सीख लेकर आगे बढ़ने वाला खिलाड़ी ही भविष्य में बड़ी सफलता हासिल करता है। आयोजन समिति के निखिल सिंह, जीके शर्मा एवं विष्णु सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 32 टीमें हिस्सा ले रही हैं। विजेता टीम को 21 हजार रुपए एवं आकर्षक ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम को 11 हजार रुपए एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता के सभी मुकाबले 10-10 ओवर के प्रारूप में खेले जाएंगे। इस अवसर पर रामस्वरूप धनकड़, कबूलचंद, कांग्रेस ठीकरिया अध्यक्ष कृष्ण प्रजापत, ललित यादव, मुलचंद यादव, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सतवंत, विक्रम यादव, ललित अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे।

क्रिकेट मैच का फीता काटकर उद्घाटन किया।

सांभर का पेयजल सप्लाई सिस्टम बिगड़ा

सांभरझील। सांभर में करीब दो माह से पेज सप्लाई का सिस्टम पूरी तरह से गड़बड़ा गया है। दो दिनों के अंतराल से की जा रही पेजजल सप्लाई को विभाग नियमित सप्लाई की श्रेणी में मानता है, और हजारों उपभोक्ताओं ने भी कई सालों से इससे समझौता भी कर लिया है। करीब दो माह से पेज सप्लाई 3 से 4 दिनों के अंतराल से हो रही है। कहीं पर दो दिनों के इंतजार से हो रही है यानी कुल सिस्टम की बैंड बजी हुई है। पेयजल सप्लाई के अंतराल में जो गैप हो रहा है चलो वह तो समझ में आ गया की हो गई कोई चूक, लेकिन जब कई दिनों के अंतराल से भी पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं आता है तो फिर समझा जा सकता है कि क्या हाल होगा इस भीषण गर्मी में जबकि सरकारी मापदंडों के हिसाब से प्रति व्यक्ति जितनी पानी की जरूरत होती है उसका आधा या उससे भी कम लोगों को परोसा जा रहा है। सांभर में लोगों की सहनशीलता इस कदर है कि इसे मजबूरी कहें या राजनेताओं की घोर लापरवाही की उन्होंने इसको भी बर्दाश्त करना अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा समझ लिया है। जनहित संघर्ष समिति के पूर्व अध्यक्ष ओम सिंह राठौड़ बताते हैं कि गौरव पथ के पास सांभर जलदाय विभाग की एक और लापरवाही के कारण आज भी कई दिनों से इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के दीवार के नजदीक डीपी के पास हजारों लीटर पानी रोजाना बेकार बहरा रहा है। जलदाय विभाग के कर्मचारी व ऑफिसर सब इधर से निकलते हैं फिर भी इसका कोई ठीक नहीं करवाया जा रहा है।

- करीब दो माह से पेज सप्लाई 3 से 4 दिनों के अंतराल से हो रही है। कहीं पर दो दिनों के इंतजार से हो रही है

लोगों के घरों में पानी कम आ रहा है, लेकिन व्यर्थ पानी को रोकना जरूरी नहीं समझते हैं। जिन लोगों को बेजा परेशानी है उनकी आवाज आगे तक पहुंच नहीं पाती और वे विभाग को कोस कर अपनी भड़ास निकाल लेते हैं। यदि किसी ने तकलीफ बयां कर दी तो समझ लो सोशल मीडिया पर उसका तो पीछा छुड़ाना ही मुश्किल हो गया। ऐसे में सांभर का पेयजल सिस्टम पूरी तरह से ऊपर वाले के भरोसे रह गया है। जनता प्रत्यक्ष रूप से बेचैन है लेकिन उनकी पीड़ा उठाने वाला कोई नेता सामने नहीं आ रहा है।

'संपर्क पोर्टल पर कोई भी प्रकरण 30 दिन से अधिक लंबित न रहे'

खैरथल। जिला सचिवालय पर सोमवार को जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर ने 25 मई से जिले में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान शुरू करने की घोषणा की। विभिन्न विभागों की योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि संपर्क पोर्टल पर कोई भी प्रकरण 30 दिन से अधिक लंबित न रहे और डिजिटल जनगणना का हाउस लेवल नंबरिंग कार्य 3 दिन में पूरा किया जाए।

बैठक में कलेक्टर ने बताया कि 'वंदे गंगा' अभियान को जनआंदोलन का रूप देकर जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और पारंपरिक जल स्त्रोतों के संरक्षण का काम किया जाएगा।

सभी विभाग ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय स्तर तक कार्ययोजना बनाकर श्रमदान, पौधारोपण, जल स्त्रोतों की सफाई, प्रभात फेरी, कलश यात्रा, पीपल पूजन और अमृत सरोवर पूजन जैसे कार्यक्रम करेंगे।

उन्होंने ने कहा 26 मई को जिले में विशेष ग्राम सभाएं होंगी। इनमें नए कार्यों का अनुमोदन होगा और ग्रामीणों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया जाएगा। 'हरियालो राजस्थान' के तहत पौधारोपण की तैयारी और चारागाह चिन्हिकरण का काम भी होगा। अभियान में गौशालाओं, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मंडियों और पेयजल स्त्रोतों के आसपास विशेष सफाई होगी। जलदाय विभाग जल परीक्षण करेगा। प्राचीन तालाबों, जोहड़ों की सफाई और जल स्त्रोतों की मैपिंग की जाएगी। कृषि विभाग स्प्रिंकलर, ड्रिप और फार्म पॉन्ड की स्वीकृतियां जारी करेगा।

बैठक में लंबित पेंशन सत्यापन तुरंत निपटाने, स्कूलों में आईएफए टैबलेट वितरण और 14 वर्षीय बालिकाओं के एचपीवी टीकाकरण की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

लाडो प्रोत्साहन योजना का प्रचार और शाला दर्पण पर आंगनबाड़ी आईडी अपडेट करने को कहा गया। सीएलएफ बिल्डिंग चिन्हिकरण और चंबल प्रोजेक्ट भूमि आवंटन कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान बैठक में एडीएम शिवपाल जाट, डिप्टी एसपी लालचंद, पीडब्ल्यूडी एसई ओमप्रकाश किराड, सीएमएचओ डॉ. अरविंद गेट, डीएसओ राकेश सोनी सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

खैरथल जिला सचिवालय पर समीक्षा बैठक लेते जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश।

- जिला सचिवालय पर आयोजित बैठक में कलेक्टर ने की घोषणा, अभियान को जन अभियान बनाने पर दिया जोर

भजन संध्या आयोजित

पावटा। ग्राम ठीकरिया में नव स्थापित गोपेश्वरी गौशाला एवं उपचार शाला के भव्य उद्घाटन समारोह के उपलक्ष में 21 मई 2026, गुरुवार को एक शाम गौ माता के नाम भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।कार्यक्रम शुक्ल पक्ष पंचमी के अवसर पर सायं 6 बजे से प्रभु इच्छा तक आयोजित होगा। आयोजन गोपेश्वरी गौशाला एवं उपचार शाला, ठीकरिया (पावटा) परिसर में होगा, जहां क्षेत्रभर से गौभक्तों, ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गुणगानकर्ता मुकेश मुक्कड़ एण्ड पार्टी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं मुख्य आकर्षण के रूप में गौऋषि तपस्वी संत प्रकाशदास महाराज की प्रेरणादायी उपस्थिति रहेगी। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य गौ सेवा, गौ संरक्षण एवं धार्मिक संस्कारों के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना है। भजन संध्या में गौ माता की महिमा, भक्ति रस एवं आध्यात्मिक संदेशों से वातावरण भक्तिमय रहेगा। समस्त ग्राम जनता एवं सत्ताईसा क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की गई है।

सार-समाचार

समाज सेवा शिविर का शुभारंभ

चौमूं / कालाडेरा । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जयसिंहपुरा में सोमवार को कक्षा 12 के विद्यार्थियों का समाज सेवा शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर का शुभारंभ ग्राम जयसिंहपुरा के पूर्व संरपच श्रवण कुमार यादव के द्वारा किया गया। श्रवण यादव ने अपनें उद्बोधन में कहाँ कि विद्यार्थियों को समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए समाज व पर्यावरण सुधार में अपना अहम योगदान करना चाहिए। विद्यार्थियो के कारा शिविर के अन्तर्गत विद्यालय परिसरों की साफ सफाई का कार्य शिविर प्रभारी सुमन देती यादव, व्याख्याता (भूगोल) के निर्देशन में किया। संस्था प्रधान प्रिती पारीक द्वारा मुख्य अतिथि एवं आगन्तुकों का स्वागत व सम्मान करते हुए विद्यार्थियों को शिविर में अधिक से अधिक योगदान करने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर का संचालन दिनांक 17 मई से लेकर 31 मई तक होगा। इस दौरान विद्यालय स्टाफ भी उपस्थित रहा।

सांसद राव राजेंद्र सिंह ने योजनाओं को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए

शाहपुरा । कलेक्ट्रेट सभागार जयपुर में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में जयपुर ग्रामीण लोकसभा सांसद राव राजेंद्र सिंह ने केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक करते हुए जमीनी स्तर पर चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि इस दौरान सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं समयबद्ध और पारदर्शी रूप से ज़मीन पर उतरें, यही हमारा निरंतर प्रयास है। बैठक में जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा, सीकर सांसद अमराराम चौधरी, विधायक महेंद्र पाल मीणा, मनीष यादव, बालमुकुंदाचार्य महाराज, गोपाल शर्मा, प्रशांत शर्मा, शिखा मील, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, जिला कलेक्टर संदेश नायक सहित अन्य जिला प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

फुलेरा रेलवे स्टेशन पर रेल यात्रियों को शीतल जल सेवा प्रदान की

फुलेरा। कस्बे के रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन दैनिक रेल यात्री महासंघ व दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत द्वारा भीषण गर्मी में आने-जाने वाली ट्रेनों के यात्रियों को आरओ का शीतल जल उपलब्ध करवाया जा रहा है। संस्था के सदस्य सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक लगातार यात्रियों की सेवा में जुटे रहते हैं और ट्रेनों में जाकर यात्रियों को पानी पिलाकर राहत पहुंचा रहे हैं। दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत के अध्यक्ष अशोक वासदेव ने बताया कि यह पुनीत कार्य सेवा भावना से किया जा रहा है। टीम के कार्य को देखकर अन्य लोग भी इस सेवा अभियान से जुड़ रहे हैं। इसी प्रकार दैनिक रेलयात्री महासंघ के अध्यक्ष विष्णु कयाल ने कहा कि भीषण गर्मी में शुद्ध व ठंडा जल पिलाना भी पुण्य का काम है। महासंघ के श्याम सिंह चौहान, विमल सोनी, कैलाश चंद सोनी, श्याम लाल सैनी, मनमोहन सिंह, पूनम कुमावत, तारा सोनी, गीता शर्मा, सीमा शर्मा सहित अन्य सदस्य इस कार्य में सहयोग कर रहे हैं। यह जल सेवा अभियान 3 मई से शुरू किया गया है, जो आगामी 30 जून तक जारी रहेगा।

पक्षियों के लिए 101 परिंडे लगाए

लालसोट । भीषण गर्मी के दौर में बेजुबान पक्षियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से संयुक्त कर्मचारी संघ खटवा द्वारा 101 परिंडे लगाने का अभियान चलाया गया। अभियान की शुरुआत ठाकुर जी मंदिर, खटवा से की गई, जहां संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सचिव मुकेश सैनी, कोषाध्यक्ष सियाराम मीणा, विश्राम सैनी बागवाला, कमलेश वैद, महेश जांगिड़, गजराज मीणा, रामकेश मीणा, रामबिलास मीणा, मुकेश महावर, गुलाबचंद मीणा, प्रदीप महावर, नवीन खटीक, गुलकेश मीणा, मनोहर प्रजापत, मुकेश जी, कमलेश शर्मा एवं सचिन जांगिड़ सहित कई सदस्य और ग्रामीण मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 21 को

पावटा। कस्बे के राठीवाला मंदिर में 21 मई से 28 मई 2026 तक 108 अष्टोत्तरशत श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। आयोजन पूज्य निम्बार्काचार्य श्री श्रीजी महाराज की असीम अनुकम्पा व महंत राधा मोहन दास महाराज के सान्निध्य में संपन्न होगा। आयोजन समिति के अनुसार कथा का आयोजन राठीवाला मंदिर, पावटा (कोटपूतली-बहरोड़) में किया जाएगा, जिसमें कथा प्रवक्ता वृंदावन धाम के आचार्य अभिषेक पाठक श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगे। कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से आयोजित होगी। कार्यक्रम के तहत 20 मई को सायं 4 बजे राठी वाला मंदिर पावटा से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो कस्बे के मुख्य मार्गों से होकर पुन: राठीवाला मंदिर पहुंचेगी। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा 21 मई को भागवत मूल पाठ प्रात: 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा। वही 27 मई को कथा समापन के बाद 28 मई को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें क्षेत्रभर के श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करेंगे। महंत राधा मोहन दास महाराज ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। आयोजन मंदिर बिहारी जी (राठीवाला मंदिर) पावटा एवं समस्त ग्राम जनता के सहयोग से संपन्न कराया जाएगा।

नेत्र चिकित्सा शिविर 21 को

मनोहरपूर । सामाजिक कार्यकर्ता स्वर्गीय भगवान सहाय मीणा एवं स्वर्गीय प्रभाती देवी मीणा की पुण्य स्मृति में चंद्र भगवान जन कल्याण संस्थान के माध्यम से विशाल चिकित्सा एवं नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन दिनांक 21 मई को पावटा शहर में आयोजित किया जाएगा इस शिविर में क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों की आंखों का ऑपरेशन जांच एवं हृदय रोग नाक कान गला रोग शिशु रोग के चिकित्सकों द्वारा निशुल्क जांच कर दवाइयां वितरण की जाएगी यह जानकारी देते हुए संस्था के महासचिव जगदीश सैन ने बताया कि राजस्थान प्रदेश के अध्यक्ष पूर्व जिला पार्षद जगदीश मीणा द्वारा अपने सहयोगियों के माध्यम से इस शिविर का आयोजन महान विभूतियों की स्मृति में विगत 20 वर्षों से किया जा रहा है जिसमें लाखों लोगों को निशुल्क दवाइयां बांटी गई है एवं हजारों लोगों की आंखों के ऑपरेशन निशुल्क करवाए गए हैं लगभग 15 शो रक्त यूनिट संग्रहण कर जरूरतमंद लोगों को बांटी गई है ।

वे अपना आखिरी मैच चेन्नई में खेलना चाहेंगे। और अब वो समय आ गया है। चेन्नई में ये उनका आखिरी मैच है। हो सकता है हम थला (धोनी) को खेलते हुए देखें। और अगर वो नहीं खेलते हैं, तो इसका मतलब है कि वो अगले साल फिर आएंगे।

- हरभजन सिंह

पूर्व भारतीय गेंदबाज, महेन्द्र सिंह धोनी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जैनिक सिनर

रोम में खेले गए इटालियन ओपन के फाइनल मुकाबले में इटली के युवा टेनिस स्टार जैनिक सिनर ने नॉर्वे के कैस्पर रुड को सीधे सेटों में हराकर एक बड़ी ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली हैं। घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए सिनर ने शानदार प्रदर्शन किया और 6-4, 6-4 से मुकाबला जीतकर इटालियन ओपन का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ जैनिक सिनर ने टेनिस इतिहास में 'करियर गोल्डन मास्टर्स' पूरा कर लिया हैं। बता दें कि इसका मतलब एटीपी मास्टर्स 1000 श्रृंखला के सभी 9 बड़े टूर्नामेंट जीतना होता हैं।

क्या आप जानते हैं ?... सर्वोच्च फीफा रैंकिंग : फरवरी 1996 में भारत 94वें स्थान पर पहुंचा था।

चेन्नई को हरा हैदराबाद ने प्लेऑफ में बनाई जगह

चेन्नई, 18 मई। सनराइजर्स हैदराबाद ने चेन्नई सुपर किंग्स को उनके घरेलू मैदान पर इशान किशन की बेहतरीन 70 रन की पारी साथ ही कप्तान पैट कमिंस की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर 5 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही हैदराबाद की टीम प्लेऑफ में पहुंच गई। यही नहीं हैदराबाद की जीत के साथ गुजरात की टीम भी प्लेऑफ में पहुंच गई। वहीं इस हार के साथ ही सीएसके की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद लगभग खत्म हो गई। इंडियन प्रीमियर लीग के 63वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद के साथ एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेन्नई में हुआ। इस मैच में सीएसके ने पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सीएसके ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 180 रन बनाए और हैदराबाद को जीत के लिए 182 रन का लक्ष्य मिला। सनराइजर्स हैदराबाद के पैट कमिंस ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए, वहीं साकिब हुसैन को दो विकेट मिले। ईशान मलिंगा और प्रफुल्ल हिंगे को 1-1 विकेट मिले। सीएसके की ओर से मुकेश चौधरी ने दो, जबकि अंशुल कंबोज, अकील हुसैन और नूर अहमद ने 1-1 विकेट लिए।

हैदराबाद ने प्लेऑफ में बनाई जगह, गुजरात को भी हुआ फायदा

हैदराबाद ने सीएसके को 5 विकेट से हरा दिया और प्लेऑफ में पहुंच गई। वहीं हैदराबाद की जीत के साथ ही गुजरात ने भी प्लेऑफ में जगह बना ली। यानी इस सीजन में तीन टीमें प्लेऑफ में पहुंच चुकी हैं जिसमें आरसीबी के बाद हैदराबाद और गुजरात हैं। अब प्लेऑफ के लिए सिर्फ एक जगह खाली है। वहीं इस हार के साथ सीएसके के प्लेऑफ में पहुंची की उम्मीद लगभग खत्म हो गई है।

संजू सैमसन ने बनाए 27 रन

संजू सैमसन ने 13 गेंदों पर 27 रन की पारी खेली और आउट हुए जबकि उर्विल पटेल 13 रन के स्कोर पर बोल्ड हो गए। कार्तिक शर्मा ने 19 गेंदों पर 32 रन की पारी खेली। ऋतुराज की बैटिंग काफी खराब रही और वो 21 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हुए। डेवाल्ड ब्रेविस ने 27 गेंदों पर 44 रन की पारी खेली। शिवम दुबे ने 26 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा दिया जबकि प्रशांतवीर ने 11 रन बनाए। हैदराबाद के लिए पैट कमिंस ने 3 विकेट लिए जबकि साकिब हुसैन को 2 सफलता मिली।

हैदराबाद की पारी, इशान ने लगाया अर्धशतक

ट्रैविस हेड नहीं चल पाए और 6 रन पर कैच आउट हो गए जबकि अभिषेक शर्मा ने 26 रन पर अपना विकेट गंवा दिया। क्लासेन ने 26 गेंदों पर 47 रन की अच्छी पारी खेली। इशान किशन ने 37 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और 47 गेंदों पर 70 रन बनाकर आउट हुए। नितिश कुमार रेड्डी 11 रन के स्कोर पर आउट हुए।

सीएसके ने प्लेइंग 11 में किए एक बदलाव

हैदराबाद ने अपनी प्लेइंग 11 में कोई बदलाव नहीं किया जबकि सीएसके ने अपनी अंतिम ग्यारह में एक बदलाव किया और गुरजपनीत की जगह अकील हुसैन की वापसी हुई।

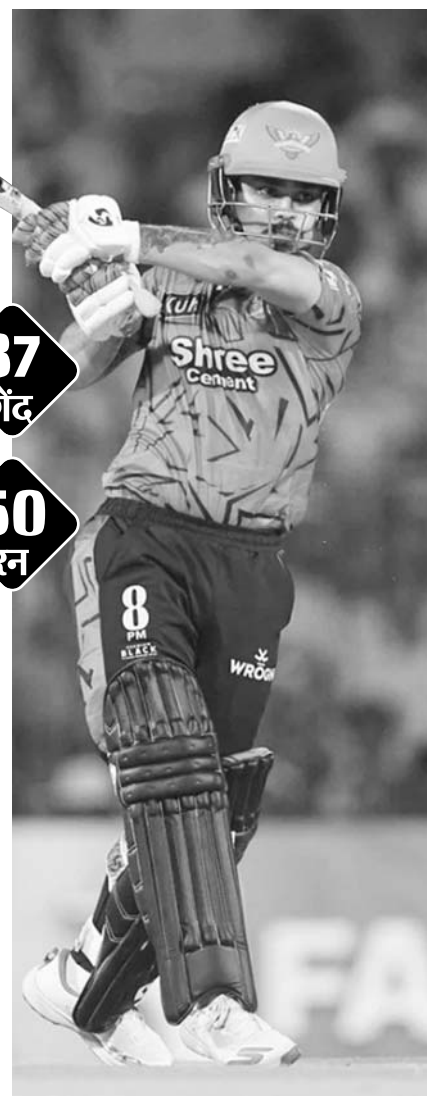

बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभाग हार के जिम्मेदार : रियान पराग

नई दिल्ली, 18 मई। आईपीएल 2026 का रोमांच अब अपने चरम पर पहुंच चुका है और हर मुकाबला प्लेऑफ की तस्वीर बदल रहा हैं। रविवार को खेले गए अहम मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हराकर प्लेऑफ की दौड़ को और दिलचस्प बना दिया हैं। हार के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग अपनी टीम के प्रदर्शन से बेहद निराश नजर आए और उन्होंने खुलकर बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभागों को हार का जिम्मेदार बताया।

अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 193 रन बनाए थे। टीम एक समय बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी, लेकिन बीच के ओवरों में लगातार विकेट गिरने से रनगति धीमी पड़ गई। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और लगातार पांच घरेलू हार के बाद आखिरकार अपने मैदान पर जीत दर्ज की।

मैच के बाद रियान पराग ने कहा कि उनकी टीम कम से कम 220 से 230 रन तक पहुंच सकती थी, लेकिन बल्लेबाज आखिरी ओवरों में मौके का फायदा नहीं उठा सके। उन्होंने माना कि टीम लगभग 20 से 30 रन पीछे रह गई। रियान पराग ने गेंदबाजी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि टीम के गेंदबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए। वहीं डोनोवान फरेरा को गेंदबाजी देने के फैसले पर भी उन्होंने सफाई दी। पराग ने कहा कि सामने दो बाएं हाथ के बल्लेबाज मौजूद थे और इसी रणनीति के तहत उन्होंने यह फैसला लिया था, लेकिन यह दांव सफल नहीं रहा।

हालांकि सबसे ज्यादा नाराजगी उन्होंने टीम की फील्डिंग को लेकर जताई। पराग ने साफ कहा कि राजस्थान रॉयल्स की फील्डिंग बेहद खराब रही और अगर टीम इसी तरह खेलती रही तो प्लेऑफ में जगह बनाना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ट्रॉफी जीतने के लिए हर विभाग में लगातार अच्छा प्रदर्शन जरूरी होता हैं।

गौरतलब है कि राजस्थान रॉयल्स इस सीजन कई मुकाबलों में अच्छी स्थिति में रहने के बावजूद मैच गंवा चुकी हैं। टीम की फील्डिंग और डेथ ओवर गेंदबाजी लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। मौजूद जानकारी के अनुसार आईपीएल 2026 में अब तक केवल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया हैं। बाकी तीन स्थानों के लिए सात टीमों के बीच कड़ी टक्कर चल रही हैं। ऐसे में राजस्थान रॉयल्स के लिए आगामी मुकाबले बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

रियान पराग ने यह भी कहा कि अगर टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाती है तो उसकी जिम्मेदारी खुद खिलाड़ियों की होगी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वह टीम की अगुवाई इस तरह नहीं करना चाहते, लेकिन खिलाड़ियों को अब अपनी गलतियों से सीखना होगा। जानकारों का मानना है कि राजस्थान रॉयल्स के पास अभी भी वापसी का मौका मौजूद हैं, लेकिन इसके लिए टीम को बल्लेबाजी के साथ-साथ फील्डिंग और गेंदबाजी में भी सुधार करना होगा।

आईपीएल 2026 पर्पल कैप की रेस में भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली, 18 मई। आईपीएल 2026 में रविवार को खेले गए मुकाबलों में कई स्टार बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को हराया, जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को मात दी। इस दौरान ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस भी और रोमांचक हो गई।

ऑरेंज कैप की दौड़ - विराट कोहली ने पंजाब के खिलाफ 37 गेंदों में 58 रन की अहम पारी खेली। इस पारी के साथ उनके इस सीजन में 542 रन हो गए हैं और वह ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष के बेहद करीब पहुंच गए हैं। उनसे आगे केवल साई सुदर्शन (554 रन) और शुभमन गिल (552 रन) हैं। वहीं कूपर कोनोली ने 22 गेंदों में 37 रन बनाकर इस सीजन में अपने कुल रन 473 तक पहुंचा दिए और वह आठवें स्थान पर पहुंच गए।

पर्पल कैप की दौड़ - भुवनेश्वर कुमार इस सीजन में शानदार लय में नजर आ रहे हैं। पंजाब के खिलाफ उन्होंने प्रियंश आर्य और प्रभसिमरन सिंह के विकेट चटकाए और 2/38 का प्रदर्शन किया। हालांकि इस मैच में उनकी इकॉनमी थोड़ी महंगी रही, लेकिन विकेट लेने का सिलसिला जारी रहा।

186 पदक विजेताओं को सरकारी सेवाओं में मिली 'आउट ऑफ टर्न' नियुक्तियां

2028 के ओलंपिक खेलों के लिए राजस्थान हो रहा तैयार : सीएम

जयपुर, 18 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर ऐतिहासिक निर्णय ले रही है। 'खेलों के साथ भी, खेलों के बाद भी' के ध्येय वाक्य के साथ सरकार खिलाड़ियों को आर्थिक सुरक्षा देने से लेकर 2028 ओलंपिक की तैयारी तक हर कदम पर सहायता प्रदान कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश को स्पोर्ट्स हब बनाने की दिशा में राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम, आउट ऑफ टर्न नियुक्तियां, स्पोर्ट्स लाइफ इंश्योरेंस स्कीम सहित खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं बनाई गई हैं।

प्रदेश की प्रतिभाओं को ओलंपिक के मंच तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार की तर्ज पर 'राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' शुरू की गई है। इस स्कीम का उद्देश्य वर्ष 2028 के ओलंपिक खेलों के लिए 50 प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें तैयार करना तथा इन चयनित खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय कोच, प्रशिक्षण, किट और अन्य आवश्यक सहायता प्रदान करना है। इसके अलावा उन्हें 25 हजार रुपये मासिक आउट ऑफ पॉकेट भत्ता भी दिया जाएगा। इसके साथ ही जयपुर में राजस्थान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किया जाएगा, जहां चयनित खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिलेंगी।

यह योजना उन खिलाड़ियों के लिए हैं, जो केंद्र की टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम का लाभ नहीं ले रहे हैं। इसमें 20 प्रतिशत सीटें पैरा-खिलाड़ियों के लिए आरक्षित रखी गई हैं। योजना के पारदर्शी संचालन और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की निगरानी के लिए 'राजस्थान मिशन ओलंपिक समिति' और 'राज्य प्रतिभा खोज एवं विकास समिति' का गठन किया गया है। पदक विजेता युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए राज्य सरकार ने आउट ऑफ टर्न नियुक्ति की नीति को मजबूती से लागू किया है। इसके अंतर्गत अब तक 186 पदक विजेता खिलाड़ियों को उनकी खेल उपलब्धियों के आधार पर राज्य की सरकारी सेवाओं में नियुक्ति प्रदान कर मान बढ़ाया गया है। प्रमुख खिलाड़ियों जैसे क्रिकेट से रवि विश्नोई, शूटिंग से मानिनी कौशिक, घुड़सवारी से दिव्यकृति सिंह, कबड्डी से सचिन को राजस्थान पुलिस सेवा में उप अधीक्षक के पद पर और पैराशूटिंग से मोना अग्रवाल को प्राध्यापक (शारीरिक शिक्षा) के पद पर खेल कोटे के तहत नियुक्ति देकर सम्मानित किया गया है। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले 1 हजार 786 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लगभग 40 करोड़ 12 लाख रुपये से अधिक का अनुदान स्वीकृत किया गया है।

अर्शदीप के चोटिल होने की खबर को पंजाब किंग्स ने बताया अफवाह

नई दिल्ली, 18 मई। पंजाब किंग्स ने अपने प्रमुख तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की फिटनेस को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट किया है कि वह पूरी तरह फिट हैं और लगातार टीम के साथ अभ्यास कर रहे हैं।

फ्रेंचाइजी ने आधिकारिक बयान में कहा, कुछ रिपोर्टों के विपरीत हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि हमारे प्रमुख तेज गेंदबाज और टीम के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज अर्शदीप सिंह पूरी तरह फिट हैं। वह नियमित रूप से टीम के साथ प्रशिक्षण कर रहे हैं। टीम प्रबंधन उनकी प्रगति से बेहद संतुष्ट है और वह टूर्नामेंट के अहम मुकाबलों के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पंजाब किंग्स ने आगे कहा कि नेट्स में अर्शदीप की ऊर्जा, लय और प्रतिबद्धता काफी उत्साहजनक रही है और टीम को भरोसा है कि वह आगे भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवाद में घिरे अर्शदीप - यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब अर्शदीप सिंह ने पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस मैच से पहले मुंबई बल्लेबाज तिलक वर्मा के साथ एक स्नैपचैट स्टोरी साझा की। इस पोस्ट में उन्होंने तिलक को अंधेरा कहा, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें नस्लभेदी टिप्पणी करने के आरोपों का सामना करना पड़ा। इस विवाद के बाद सोशल मीडिया पर भारी आलोचना शुरू हो गई, जिसके चलते पंजाब किंग्स को सार्वजनिक रूप से सफाई देनी पड़ी।

आईपीएल प्लेऑफ की रेस में बने रहने की आखिरी जंग

एलएसजी के खिलाफ रॉयल्स की अग्निपरीक्षा

जयपुर, 18 मई। राजस्थान रॉयल्स को अगर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को बरकरार रखना है तो उसे लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में खेल के हर विभाग में सुधार करना होगा। रॉयल्स ने अपने घरेलू मैदान सवाई मानसिंह स्टेडियम में अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और यहां होने वाला अंतिम मैच घरेलू टीम के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। रॉयल्स इसके बाद लीग चरण के अपने अंतिम मैच में मुंबई इंडियंस का सामना करेगा। रॉयल्स को रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ निचले क्रम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों की खराब प्रदर्शन के कारण हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा उसकी फील्डिंग भी अच्छी नहीं रही थी। रॉयल्स की टीम अच्छी शुरुआत के लिए 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर काफी हद तक निर्भर रही है, लेकिन इस युवा खिलाड़ी को दूसरे छोर से यशस्वी जायसवाल से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला है। ध्रुव जुरेल ने कुछ शानदार पारियां खेली हैं, लेकिन पिछले मैच में उन्होंने कुछ धीमी पारी खेली जबकि दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे। कप्तान रियान पराग ने हाल के मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह चाहेंगे कि उनकी टीम आखिरी पांच ओवरों में बल्लेबाजी में और अधिक सटीक प्रदर्शन करे। आईपीएल के मौजूदा सत्र में अधिकतर टीम की फील्डिंग अच्छी नहीं रही है और उन्होंने कई कैच छोड़े हैं। राजस्थान रॉयल्स भी इन टीमों में शामिल है जिसने कुछ अच्छे मौके गंवाए हैं। दिल्ली कैपिटल्स से मिली हार के बाद पराग ने टूर्नामेंट के अंतिम चरण में टीम के अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाने पर निराशा व्यक्त की थी। पराग ने कहा, "फील्डिंग खराब थी। अगर हम इसी तरह खेलते रहे तो हमें शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में नहीं होना चाहिए। अब अगर हम क्वालीफाई नहीं कर पाते हैं तो यह हमारी गलती होगी किसी और की नहीं।" एलएसजी की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। वह अब बिना किसी दबाव के खेल रही है जिसका नमूना पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली जीत में देखने को मिला। उसे राजस्थान रॉयल्स के बाद अपने आखिरी लीग मैच में पंजाब किंग्स का सामना करना है। उसकी टीम इन दोनों टीमों के समीकरण बिगाड़ने के लिए प्रतिबद्ध होगी। बल्लेबाजी एलएसजी की सबसे कमजोर कड़ी रही है, लेकिन मिचेल मार्श ने सीएसके के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया जिससे टीम जीत हासिल करने में सफल रही।

चनमारी एफसी के खिलाफ, आरयूएफसी फाइनल मैच के लिये तैयार

जयपुर, 18 मई। राजस्थान यूनाइटेड एफसी, आईएफएल 2026 सीज़न का अपना फाइनल मैच चानमारी फुटबॉल क्लब के खिलाफ मंगलवार शाम 19 मई, 2026 कोलकाता के कल्याणी स्टेडियम में मैच के लिए तैयार है। मैच शाम 6:30 बजे पर शुरू होगा क्योंकि डेज़र्ट वॉरियर्स गैप को पॉज़ नॉमिक नोट पर ख़त्म करना है। इस मैच से पहले, असिस्टेंट कोच विकास रावत ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया से बात की और पूरे सीज़न में टीम के सफ़र पर बात की। यह सीज़न का हमारा आखिरी गेम है, और प्रेशर तो है ही, टीम मेंटली तैयार है और आगे आने वाले चैलेंज के लिए पूरी तरह फोकस्ड है। यह सीज़न इसमें शामिल सभी लोगों के लिए सीखने का एक कीमती अनुभव रहा है। मुश्किलों के बावजूद, टीम ने पूरे कैंपेन में ग्रोथ, कैरेक्टर और हिम्मत दिखाई है। हमारा पूरा फोकस अब एक मज़बूत परफॉर्मेंस के साथ सीज़न को पॉजिटिव नोट पर खत्म करने पर है। मैं अपने सपोर्टर्स को भी दिल से धन्यवाद देना चाहूंगा जो इस सीज़न में हर पल टीम के साथ खड़े रहे हैं। उनके अटूट सपोर्ट ने सच में हमें मोटिवेट किया है।

भारत अंडर-18 हॉकी टीम की शानदार वापसी

भोपाल, 18 मई। भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 टीम को 6-3 से हराकर चार मैचों की सीरीज में दमदार वापसी की। भोपाल स्थित उदय दास मेहता (भाई जी) केंद्रीय साई केंद्र में खेले गए मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए मैच पर शुरू से अंत तक पकड़ बनाए रखी। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में बराबरी हासिल कर ली और अब अंतिम मुकाबला निर्णायक बन गया है।

डब्ल्यूपीएल पर पंजाब किंग्स की नजर, फ्रेंचाइजी ने टीम खरीदने की इच्छा जताई

नई दिल्ली, 18 मई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड भले ही महिला प्रीमियर लीग का तत्काल विस्तार नहीं करना चाहता हो, लेकिन आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन का कहना है कि फ्रेंचाइजी चार सत्र पुराने इस टूर्नामेंट में किसी समय एक टीम का मालिक बनना पसंद करेगी। वर्तमान में डब्ल्यूपीएल में आईपीएल फ्रेंचाइजी के स्वामित्व वाली तीन टीम मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स हैं। बीसीसीआई की मौजूदा पांच टीमों वाली डब्ल्यूपीएल में और टीमें जोड़ने की कोई तत्काल योजना नहीं है, लेकिन बर्मन वैश्विक स्तर पर इस खेल के विकास को लेकर आशान्वित हैं।

लखन मोरे पुरुष वर्ग व कीर्थिगा महिला वर्ग में भारतीय सॉफ्ट हॉकी टीम के कप्तान घोषित

जयपुर, 18 मई। एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ़ इंडिया की महासचिव रमेश सिंह ने बताया कि साउथ एशियन चैंपियनशिप काठमांडू नेपाल में 20 मई से 22 मई 2026 तक आयोजित की जाएगी भारत की सॉफ्ट हॉकी टीम अब दक्षिण एशिया में तिरंगा लहराने के लिए पूरी तरह तैयार है। प्रथम दक्षिण एशियाई सॉफ्ट हॉकी चैंपियनशिप 2026 हेतु आयोजित भारतीय प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन समारोह आज द्रोणाचार्य स्पोर्ट्स अकादमी, गोविंदम टावर, करधनी, झोटवाड़ा, जयपुर में राष्ट्रभक्ति, जोश और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह में खिलाड़ियों के उत्साह, अनुशासन और देश के लिए कुछ कर गुजरने के जज़्बे ने पूरे वातावरण को गौरवमयी बना दिया। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों के बीच भारतीय दल को आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाओं के साथ विदाई दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष पंत रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंडियन सॉफ्ट हॉकी लीग के वाइस चेयरमैन डॉ. आदित्य नाग तथा महासचिव रमेश सिंह उपस्थित रहे।

अरावली क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 18 मई। अंडर-16 समर कप में अरावली क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40ओवर में 278 रन 1 विकेट के नुकसान पर बनाए! अंशु ने 132, अंश यादव ने 68 और जय

जांगिड़ ने 50 रनों का योगदान दिया। यति क्रिकेट अकादमी की ओर से कविश अग्रवाल ने 1 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी यति क्रिकेट अकादमी 32 ओवर में 114 रन पर ऑल आउट हो गई। अभिषेक वर्मा ने 35 और जय प्रताप ने 29 रनों का योगदान दिया। अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से मनविजय पारीक और हर्षित ने 4-4 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच अंशु को चुना गया।

कालाडेरा समर कप सीजन-3 रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ भव्य शभारंभ

चौमूं / कालाडेरा, 18 मई। कस्बे के बस स्टैंड के पास स्थित भाला स्टेडियम में फ्रेंड्स सेवा समिति के तत्वावधान में सोमवार 18 मई 2026 को कालाडेरा समर कप सीजन - 3 रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा कार्यक्रम के अतिविशिष्ट अतिथि कालाडेरा थाना प्रभारी पूजा पूनिया, शिवाजी फाउंडेशन के इन्दराज चौपडा, गुरुकृपा रिंगस राकेश कुलडिया , शिवम कम्प्यूटर से राकेश शर्मा, के द्वारा विधिवत रूप से पूजा अर्चना कर दीप प्रज्वलित कर रात्री कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम आयोजकों ने आये हुए अतिथियों का राजस्थानी परम्परा के अनुसार साफा बंधवाकर स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

प्रथम जयपुर डिस्ट्रिक्ट रैंकिंग टेबल टेनिस चैम्पियनशिप 2026 सम्पन्न

जयपुर, 18 मई। जयपुर डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रथम जयपुर डिस्ट्रिक्ट रैंकिंग टेबल टेनिस चैम्पियनशिप-2026 का आयोजन दिनांक 16 एवं 17 मई 2026 को एसएमएस स्टेडियम टेबल टेनिस हॉल, जयपुर में उत्साह एवं शानदार प्रतिस्पर्धा के साथ सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में जयपुर जिले के विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने भाग लेते हुए बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन किया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के साथ-साथ अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला। इस प्रतियोगिता के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी कैप्टन दीपक कपूर रहे। वहीं प्रतियोगिता में मनमोहन सिंह रावत ने मुख्य रेफरी एवं संजीव पार्वी ने सहायक मुख्य रेफरी की भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में जी. रामनिवास, वरिष्ठ उप महालेखाकार, एजी ऑफिस जयपुर उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सराहना की। पुरस्कार वितरण समारोह में राजस्थान वेटरन टेबल टेनिस कमेटी के चेयरमैन अजय ओझा एवं कन्वीनर दीपांक दास भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर 32वीं नेशनल मास्टर्स टेबल टेनिस चैम्पियनशिप-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतने वाले राजस्थान के वेटरन खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।

पुरुष युगल 75 प्लस वर्ग में रामपाल कुमावत एवं मुलूंड देव ने रजत पदक प्राप्त किया। महिला एकल 70 प्लस वर्ग में कमलेश जैन बकलिवाल ने रजत पदक जीता। महिला टीम 55 प्लस वर्ग में अनीता मोदी ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत्त बारां

क्रमांक-462 दिनांक-14.05.2026

निविदा सूचना संख्या 03/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से एन.टी.पी.सी. अन्ता में Strengthening & Overlaying of Road in NTPC Township area Anta का कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://pwd.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। यू.बी.एन. संख्या निम्नानुसार है।

इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है।

अधीक्षण अभियन्ता
सा.नि.वि. वृत्त बारां

DIPR/C/8619/2026

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर

स्वास्थ्य भवन, त्यागी वाटिका, जेल वैल, बीकानेर

फोन-0151-2201142 gmail:eemhbikaner@ymail.com

क्रमांक- EE/M&H/BKN/2026-27/879 दिनांक-11.05.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या-05/2026-27

निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर में कुल रू. 226.11 लाख के 02 कार्य उप जिला अस्पताल पर विद्युत कार्यों हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष उपर्युक्त विद्युत श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे/एमईएस इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त विद्युत श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN- 1. NRH2627WSOB00238
2. NRH2627WSOB00239

(शिम्भू रमि जाटव)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर

DIPR/C/8640/2026

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (प्रथम)
रणथम्भौर बाघ परियोजना, सवाई माधोपुर

क्रमांक-एफ(1)स्टोर/उपसं/प्रथम/2026-27/3540 दिनांक-12.05.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 04/2026-27

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (प्रथम) रणथम्भौर बाघ परियोजना, सवाई माधोपुर की ओर से राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण कार्यों हतु पंजीकृत संवेदकों से अभयारण्य क्षेत्र (रणथम्भौर बाघ परियोजना, प्रथम) के अन्तर्गत रेंज बाघ परियोजना सवाई माधोपुर, कुण्डेरा, फलौदी में Tourism Road Maintenance Zone 1 to 10 (Total length 320 k.m.) मरम्मत कार्य (अनुमानित लागत 275.00 लाख रू.) हेतु वर्ष 2026-27 के लिए ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदायें दिनांक 12.05.2026 प्रात 10.00 बजे से दिनांक 01.06.2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जिन्हें दिनांक 02.06.2026 को नियमानुसार खोला जावेगा।

निविदा की शर्तें आदि का विवरण लोक उपापन/ई-टेण्डर की वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

NIB CODE- FOR2627A0253 UBN CODE- FOR2627WSOB00332

उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक
(प्रथम) रणथम्भौर बाघ परियोजना
सवाई माधोपुर

DIPR/C/8632/2026

मुख्यमंत्री ने जन सुनवाई में मौके पर परिवेदनाओं का समाधान किया

उन्होंने निर्देश दिए कि परिवेदनाओं के निस्तारण में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्यवाही हो

जयपुर, 18 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई में प्रदेशभर से आई महिलाओं, विशेष योग्यजन, वरिष्ठ नागरिक एवं विभिन्न वर्गों के लोगों की समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री ने अनेक प्रकरणों में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर मौके पर ही परिवेदनाओं का समाधान कर परिवादियों को राहत दी।

- **मुख्यमंत्री आवास पर हुई जन सुनवाई में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, श्रम, कृषि, गृह, राजस्व, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा व पेयजल आदि विभागों के संबंध में आमजन की समस्याएं सामने आई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने परिवादियों की बात ध्यान से सुनी तथा निस्तारण के उसी समय निर्देश दिए।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। इस अवसर पर प्रदेशभर से आई महिलाओं, विशेष योग्यजन, वरिष्ठ नागरिक एवं विभिन्न वर्गों के लोगों की समस्याओं को सुना।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई आमजन और शासन के बीच विश्वास एवं संवाद का प्रभावशाली माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आए सभी प्रकरणों के निस्तारण की समय-समय पर मॉनिटरिंग की जाए। अधिकारी ऐसी पारदर्शी एवं प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें, जिससे परिवादी को अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिवेदनाओं के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई हो। जनसुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याएं सुनकर परिवादियों से व्यक्तिगत संवाद भी किया। उन्होंने जनसुनवाई में बड़ी संख्या में आई महिलाओं, दिव्यांगों, बुजुर्गों सहित विभिन्न लोगों की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। आमजन अपनी परिवेदनाओं के हाथोंहाथ समाधान से बेहद संतुष्ट नजर आए। मुख्यमंत्री ने इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, श्रम, कृषि, गृह, राजस्व, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल सहित विभिन्न विभागों की आमजन से जुड़ी परिवेदनाओं को सुना और उनके निस्तारण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में नागौर से आए विशेष योग्यजन ताराचंद माली ने स्कूटी व इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल नहीं मिल पाने की अपनी पीड़ा मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। जिस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उन्हें शीघ्र स्कूटी व इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल देने के निर्देश दिए। इसी तरह, करौली के विशाल कुमार मीणा ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्हें उत्तर मेट्रिक छात्रवृत्ति योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है जिससे उन्हें आगे की पढ़ाई जारी रखने में समस्या आ रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को उन्हें शीघ्र ही उत्तर मेट्रिक छात्रवृत्ति दिलवाने के निर्देश दिए तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अपनी समस्याओं के इतने त्वरित समाधान से ताराचंद एवं विशाल बहुत खुश हुए और मुख्यमंत्री का आभार जताया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनप्रतिनिधिगण द्वारा लाए गए पोस्टरों का विमोचन भी किया। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में संबंधित जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

न्यायाधीश जांच समिति ने लोकसभा अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंपी

नई दिल्ली, 18 मई। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से जुड़े आरोपों की जांच कर रही न्यायाधीश जांच समिति ने सोमवार को संसद भवन में लोक सभा के अध्यक्ष ओम बिड़ला को अपनी रिपोर्ट सौंपी।

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत वैधानिक आवश्यकताओं के अनुपालन में प्रस्तुत की गई। इस रिपोर्ट को यथासमय संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखा जाएगा। इस समिति का गठन 12 अगस्त को लोक सभा अध्यक्ष ने किया था।

- **लोकसभा सचिवालय के अनुसार रिपोर्ट को दोनों सदनों के पटल पर रखा जायेगा**

उल्लेखनीय है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी। इसके बाद उनका इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरण कर दिया गया था। संसद में उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया भी शुरु हुई थी।

जयराम रमेश ने राज्यसभा में शिक्षा मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया

नोटिस में आरोप है कि शिक्षा मंत्री ने एक प्रेस कांफ्रेंस में संसदीय स्थाई समिति की बहुदलीय प्रकृति पर टिप्पणी की।

नई दिल्ली, 18 मई। कांग्रेस सांसद और महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के खिलाफ राज्यसभा में विशेषाधिकार हनन का नोटिस दाखिल किया है। यह नोटिस राज्यसभा की कार्यवाही एवं कार्य संचालन नियमावली के नियम 187 के तहत राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन को सौंपा गया है।

- **कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि संसदीय समिति को मिनी संसद भी कहा जाता है। किसी समिति के प्रति अपमानजनक या अवमाननापूर्ण टिप्पणी को सदन की अवमानना, माना जाना चाहिए।**

कांग्रेस नेता ने अपने नोटिस में आरोप लगाया है कि 15 मई को आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान शिक्षा मंत्री ने एनईईटी-यूजी पेपर लीक मामले पर संसदीय स्थायी समिति की सिफारिशों को लेकर टिप्पणी करने से इनकार किया और समिति की बहुदलीय प्रकृति पर सवाल उठाए। जयराम रमेश के अनुसार, मंत्री की यह टिप्पणी संसद और उसकी समितियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली है।

नोटिस में कहा गया है कि संसदीय समितियों को संसद का विस्तार माना जाता है और इन्हें मिनी संसद भी कहा जाता है। ऐसे में किसी समिति के प्रति अपमानजनक या अवमाननापूर्ण टिप्पणी को सदन की अवमानना माना जा सकता है। रमेश ने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्री ने जानबूझकर समिति की प्रतिष्ठा को कमतर दिखाने का प्रयास किया। कांग्रेस सांसद ने इसे संसदीय विशेषाधिकार का गंभीर उल्लंघन बताते हुए सभापति से आग्रह किया है कि इस मामले में धर्मेन्द्र प्रधान के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही शुरू की जाए।

गौरतलब है कि हाल के दिनों में एनईईटी यूजी पेपर लीक मामला को लेकर विपक्ष लगातार केन्द्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय पर हमलावर रहा है।

केरल में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा मिलेगी

सतीशन सरकार ने पहले दिन से ही चुनावी वादों को लागू करना शुरू किया

तिरुवनंतपुरम, 18 मई। केरल में मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन के नेतृत्व वाली नई सरकार ने सोमवार को अपनी पहली कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी फैसलों पर मुहर लगाई। सरकार ने महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सहित, विभिन्न वर्गों के लिए कई राहतकारी योजनाओं का ऐलान कर अपनी सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट कर दिया है। इन फैसलों को यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के चुनावी वादों को तेजी से लागू करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

- **सतीशन मंत्रिमंडल ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग से विशेष विभाग बनाने को भी मंजूरी दी इसके लिए राज्य सरकार बुजुर्गों के कल्याण के अंतर्राष्ट्रीय मॉडलों को अध्ययन कर लागू करेगी।**

केरल में सोमवार को एक नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत हुई। दस साल के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन राज्य की सत्ता में लौटा। केरल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद, वीडी सतीशन की अध्यक्षता में पहली कैबिनेट बैठक हुई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री सतीशन पत्रकारों से वार्ता के दौरान बताया कि कैबिनेट ने इंदिरा गारंटी कार्यक्रम के तहत महिलाओं के लिए केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। सरकार इसे 15 जून से लागू करेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कैबिनेट ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक अलग विशेष विभाग स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। यह पहल देश में अपनी तरह की पहली होगी। एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री सतीशन ने कहा कि राज्य सरकार बुजुर्गों के कल्याण के लिए अंतरराष्ट्रीय मॉडलों का अध्ययन करेगी, विशेष रूप से जापान की वृद्धजन देखभाल व्यवस्था को ध्यान में रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कैबिनेट ने विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों के मानदेय और कल्याणकारी भुगतानों में वृद्धि और आशा कार्यकर्ताओं को अतिरिक्त तीन हजार रुपये देने और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मासिक मानदेय में एक हजार रुपये की बढ़ोतरी के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। इसके अलावा मिड-डे मील से जुड़े खाना बनाने वाले कर्मचारियों, आयाओं और प्री-प्राइमरी शिक्षकों के मानदेय में भी एक-एक हजार रुपये की वृद्धि की घोषणा की गई।

पाकिस्तान ने लड़ाकू विमान स्क्वॉड्रन व 8 हजार सैनिक सऊदी में तैनात किये

नई दिल्ली, 18 मई। पाकिस्तान ने एक आपसी रक्षा समझौते के तहत सऊदी अरब में 8,000 सैनिक, लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रन और डिफेंस सिस्टम को तैनात किया है।

पाकिस्तान रियाद के साथ अपने सैन्य सहयोग को और बढ़ा रहा है, जबकि दूसरी ओर वह ईरान युद्ध में मुख्य मध्यस्थ की भूमिका भी निभा रहा है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस तैनाती की पूरी जानकारी, जो कि पहली बार सामने आई है, इनकी पुष्टि

- **ईरान युद्ध में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान के इस कदम को आश्चर्य से देखा जा रहा है**

तीन सुरक्षा अधिकारियों और दो सरकारी सूत्रों ने की है।

इन सभी ने इसे एक महत्वपूर्ण और युद्ध-सक्षम बल बताया है, जिसका उद्देश्य सऊदी अरब की सेना को तब सहायता देना है, जब उस पर कोई और हमला होता है। पाकिस्तान की सेना, विदेश मंत्रालय और सऊदी अरब के सरकारी मीडिया कार्यालय ने इस तैनाती पर कोई जवाब नहीं दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान ने करीब 16 विमानों का एक पूरा स्क्वाड्रन तैनात किया है, जिनमें से ज्यादातर -17 लड़ाकू विमान हैं, जिन्हें चीन के साथ मिलकर बनाया गया है।

हाईकोर्ट ने 80 फीट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसका वर्ष 2013 में भू-रूपांतरण भी हो चुका है। इसी प्रकार मोतीलाल गोयल, संपत लाल गोयल व सुआलाल गोयल द्वारा भी हाईवे किनारे अपनी भूमि पर हार्डवेयर और कृषि उपकरणों का व्यवसाय करके परिवार का पालन-पोषण किया जा रहा है। इसी प्रकार एक अन्य महिला दुर्गा देवी द्वारा भी अपनी भूमि खसरा नंबर 186 के कुछ हिस्से का भू-रूपांतरण करवाया गया है, कुछ जमीन पर इनका मकान बना हुआ है। जिला प्रशासन की ओर से कहा गया है कि अदालती आदेशों की पालना में 30 अप्रैल 2026 को 80 फीट सड़क के दोनों तरफ 25-25 फीट भूमि पर बसे लोगों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं, जिसमें 15 दिन का समय देते हुए अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया है। गौरतलब है कि इस मामले में कानूनी रूप से जमीन पर काबिज पक्षकारों की ओर से कहा गया है कि हाईकोर्ट के आदेश की आड़ में जिला प्रशासन द्वारा 30 अप्रैल 2026 को दिया गया नोटिस अवैध है, क्योंकि हमारा पक्ष सुने बिना ही यह कार्रवाई की जा रही है। पीड़ितों का कहना है कि, जिला प्रशासन ने उन्हें बिना सुने ही अतिक्रमणकारी घोषित कर दिया है, जबकि वे वैध रूप से जमीन पर काबिज हैं। उन्होंने कहा कि उनका पक्ष सुने बिना की गई कार्रवाई संविधान में दी गई सुरक्षा के विपरीत है।

पंचायत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आदेश की अवमानना है। दूसरी ओर 15 अप्रैल के बाद राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग की ओर से प्रार्थना पत्र पेश कर ओबीसी आयोग की रिपोर्ट, स्कूल स्टाफ, गर्मी और बारिश के मौसम के साथ ही अन्य कारण बताते हुए दिसंबर तक चुनाव कराने की छूट मांगी है, जिस पर खंडपीठ ने सुनवाई कर अपना फैसला सुरक्षित रखा हुआ है।

'बेल नियम है, जेल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थिति उभरती है, वह स्पष्ट है। वाटली (एक अन्य मामला) फैसले का हवाला यूएपीए के तहत आरोपी की अनिश्चितकालीन गिरफ्तारी को न्यायसंगत ठहराने के लिए नहीं दिया जा सकता।"

कोर्ट ने जोर देकर कहा कि के. ए. नजीब मामले में पहले से तय हो चुका है कि यूएपीए आरोपी के खिलाफ प्रथम दृष्टया केस होने का हवाला देकर ट्रायल में शामिल आरोपी को अनिश्चितकाल तक जेल में नहीं रखा जा सकता।

अंद्राबी को जमानत देते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने यूएपीए मामलों में दोष सिद्धि की बहुत कम दर का भी उल्लेख किया।

विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर में, वार्षिक सजा दर हमेशा 1 प्रतिशत से कम रही है, जिसका मतलब है कि ट्रायल के अंत में यूएपीए आरोपी के बरी होने की संभावना 99 प्रतिशत है।

कोर्ट ने कहा, हमने "नैशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो" के आंकड़े उद्धृत किए हैं।

वर्ष 2019 से 2023 तक के पांच साल की अवधि में, पूरे भारत में न्यूनतम सजा दर 1.5 प्रतिशत और अधिकतम 4 प्रतिशत है, जबकि जम्मू और कश्मीर में 2019 में सजा दर शून्य थी और 2022 में अधिकतम 0.89 प्रतिशत थी। इसका अर्थ है कि पूरे भारत में 2 प्रतिशत से 6 प्रतिशत केसों में सजा होती है, जिसका मतलब है कि ऐसे मामलों में 94 प्रतिशत से 98 प्रतिशत संभावना आरोपी के बरी होने की है।

कोर्ट ने अंद्राबी को जमानत देने का आदेश देते हुए विभिन्न शर्तें लगाईं, जैसे पुलिस के सामने नियमित रूप से उपस्थित होना, जांच में सहयोग करना और पासपोर्ट सौंपना।

वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फ़रासत ने अंद्राबी की ओर से दलीलें पेश कीं।

आखिर क्यों आबादी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में, यह जनसांख्यिक तर्क कुछ हद तक सही लगता है। कुल प्रजनन दर एक महिला से अपेक्षित है, जो औसत बच्चों की संख्या है, जो वर्तमान में 1.7 है, जो प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से कम है। प्रतिस्थापन स्तर वह संख्या है जो सुनिश्चित करती है कि कुल जनसंख्या स्थिर रहे।(एन एफ एच एस 2019-21 के अनुसार, भारत की राष्ट्रीय टोटल फर्टिलिटी रेट 2 है, जबकि दक्षिणी राज्यों में यह कम है: केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में 1.8 और आंध्र और कर्नाटक में 1.7। दक्षिणी राज्यों की चिंता इस बात से उत्पन्न होती है कि जनसंख्या परिसीमन कवायद इनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व को कम कर सकता है। हालांकि संसद में पुनर्विन्यास बिल अस्वीकृत हो गया है, दक्षिणी राज्यों को डर है कि जब भी यह अभ्यास किया जाएगा, यह उनके लिए नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

ताबड़तोड़ फैसले कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले ही आदेश जारी कर दिया है कि पुलिसकर्मियों पर कोई भी हमला राज्य पर हमला माना जाएगा और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व तृणमूल सरकार के रवैये के बिल्कुल विपरीत पुलिस ने इस बार सख्ती दिखाई और कम से कम 26 हंगामेदारों को गिरफ्तार किया, जो पहले की सरकार के समय सोचना भी नामुमकिन था।

प्रदर्शनकारियों और प्रशासन दोनों की तरफ से शक्ति प्रदर्शन का यह घटनाक्रम एक तरह से जमीन टटोलने की कोशिश थी। प्रदर्शनकारी पुलिस को अपनी पुरानी ताकत दिखाने की कोशिश कर रहे थे, जैसा कि पिछली सरकार में होता था।

दूसरी ओर, नई सरकार राज्य और प्रशासन पर अपने अधिकार को स्पष्ट करना चाहती थी। कोलकाता पुलिस और पश्चिम बंगाल पुलिस प्रशासन के पास तृणमूल शासन में कोई राजनीतिक समर्थन नहीं था और वे अपने बलों पर होने वाले हमलों का जवाब नहीं दे पाते थे। नई सरकार ने पुलिस बल को सार्वजनिक रूप से पूर्ण समर्थन देकर एक नयी शासन व्यवस्था पेश की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कल की घटना इस तरह की आखिरी होगी और किसी भी दोहराव को और भी दृढ़ता से संभाला जाएगा।

पश्चिम बंगाल पुलिस बल इस बात से प्रसन्न है कि उसने स्थिति का सामना अपने पेशेवर तरीके से किया, बजाय इसके कि उसके हाथ बंधे रहें। उदाहरण के रूप में, पुलिस बल ने पार्क सर्कस की स्थिति को जल्दी ही नियंत्रण में ला दिया। अपनी अलग पहचान स्थापित करने के प्रयास में, जो तृणमूल की छवि से पूरी तरह भिन्न है, नई भाजपा सरकार ने पूर्व शासन की घटनाओं और गड़बड़ियों की जांच के लिए कई आयोगों का गठन किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि वे पूर्व शासन की विभिन्न चूकों और गड़बड़ियों की जांच के लिए दो उच्च शक्ति संपन्न आयोग गठित करेंगे। भाजपा सरकार ने उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया है, जो सरकारी कार्यों में भ्रष्टाचार के आरोपों, सार्वजनिक परियोजनाओं में भ्रष्टाचार, वसूली रैकेट और जीवन के हर क्षेत्र में कुख्यात कट मनी संस्कृति की जांच करेगा।

सरकार ने महिलाओं पर पिछले पंद्रह वर्षों में तृणमूल शासन के दौरान हुए उत्पीड़न, हमलों और धमकियों की जांच के लिए एक वरिष्ठ महिला प्रशासनिक अधिकारी की अध्यक्षता में एक आयोग भी गठित किया है।

नीट लीक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

24 घंटों में पांच जगहों पर छापेमारी कर कई दस्तावेज, लैपटॉप और मोबाइल फोन जब्त किए हैं।

एजेंसी ने बताया कि मामला 12 मई को दर्ज किया गया था, जब शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग ने प्रश्नपत्र लीक की शिकायत दी थी। अब तक दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे, लातूर और अहमदनगर से कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। नौ आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस हिरासत में भेजा गया है, जबकि दसवें आरोपी को अदालत में पेश किया जा रहा है।

एसआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने भर्ती परीक्षा नहीं दी थी। इसमें पूर्व में दोनों परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को ही शामिल किया जा रहा है।

याचिका में कहा गया कि जब पूरी भर्ती परीक्षा ही रद्द हो चुकी है तो अब आगामी परीक्षा में आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों को भी शामिल करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट ने यह नहीं कहा है कि जिन्होंने एसआई भर्ती परीक्षा 2021 में भाग लिया था, उन्हें ही वापस होने वाली भर्ती परीक्षा में शामिल करें। पूर्व में जब ईओ-आरओ भर्ती की परीक्षा रद्द हुई थी, तब उसमें सभी अभ्यर्थियों को मौका दिया गया था। इसलिए सितंबर 2021 में होने वाली एसआई 2021 की पुन: परीक्षा में उन्हें भी शामिल किया जाए।

जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है। गौरतलब है कि एसआई भर्ती-2021 की परीक्षा में बड़े पैमाने पर पेपर लीक होने के चलते हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के दखल पर राज्य सरकार ने भर्ती परीक्षा को रद्द कर पुन: परीक्षा करवाने का निर्णय लिया है।

सतीशन ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और भाजपा के राज्य अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर शामिल थे। शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद, नई बनी सरकार ने सोमवार को अपनी पहली आधिकारिक कैबिनेट बैठक भी बुलाई।

क्या केरल में सतीशन का मु.मंत्री बनना प्रियंका के बढ़ते दबदबे का संकेत है?

केरल के मुख्यमंत्री के चयन में ना राहुल की चली, जिनकी पसंद वेणुगोपाल थे, ना सोनिया की चली, जिनकी राय रमेश चेन्निकला के पक्ष में थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मई। राहुल गांधी का झुकाव वेणुगोपाल की ओर था। प्रियंका गांधी ने सतीशन का समर्थन किया, जबकि सोनिया गांधी चेनिथला के प्रति अधिक सहानुभूतिपूर्ण थीं। इस त्रिकोणीय राजनीतिक खेल में, प्रियंका की समझ ही भारी पड़ी।

केरल का यह निर्णय गांधी परिवार के आंतरिक संतुलन को भी बदलता हुआ दिखाई दे रहा है।

यह महत्वपूर्ण केवल इसलिए नहीं है कि उन्होंने विजेता का समर्थन किया, बल्कि इसलिए भी कि केरल अब सीधे उनके राजनीतिक क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। प्रियंका वायनाड से लोकसभा सांसद हैं, वे 2024 के उपचुनाव में केरल से चुनी गई थीं, जब राहुल गांधी ने इस सीट को खाली किया। इसलिए पहले कभी भी किसी राज्य में अपने परिवार के परंपरागत मजबूत क्षेत्रों के बाहर जितनी "सीधी हिस्सेदारी" प्रियंका की थी, केरल में उससे कहीं अधिक है।

क्या सतीशन का मुख्यमंत्री बनना यह दर्शाता है कि प्रियंका गांधी अब कांग्रेस में राहुल गांधी से अधिक प्रभावशाली हो गई हैं? वायनाड में उनकी जीत ने उन्हें संसदीय वैधता दी। केरल के फैसले में उनकी भूमिका ने उन्हें एक स्पष्ट आंतरिक सफलता दी, और यदि कांग्रेस नेता उन्हें राज्य के रुझानों को समझने में राहुल से अधिक संवेदनशील मानने लगते हैं, तो उनकी बड़ी भूमिका की मांग और भी बढ़ेगी।

के.सी. वेणुगोपाल कम से कम इस समय तो असमंजस की स्थिति में हैं। मुख्य सवाल यह है कि क्या वे संगठन प्रभारी के रूप में एआईसीसी महासचिव बने रहेंगे, या केरल प्रकरण को राजनीतिक रूप से उनकी गिरावट के रूप में देखा जाएगा। वेणुगोपाल ने सार्वजनिक रूप से हाईकमान के निर्णय को स्वीकार किया और "निर्णय का पूरे मन से स्वागत करते हुए" सतीशन को बधाई दी। लेकिन राजनीतिक रूप से, यह उनके लिए गंभीर झटका है। उन्होंने केवल राज्य स्तर की दौड़ ही नहीं हारी, वे हार गए, भले ही वे राहुल गांधी की पसंद थे, भले ही उनके पास संगठनात्मक पद था, और भले ही कांग्रेस विधायकों का बहुमत उनके पक्ष में था।

कांग्रेस के हलकों में यह सवाल भी उठ रहा है: क्या वेणुगोपाल अब मल्लिकार्जुन खड़गे के स्थान पर कांग्रेस अध्यक्ष बनना चाहेंगे?

वर्तमान राजनीतिक वास्तविकता के लिहाज से, केरल प्रकरण के बाद, ऐसा हो पाना अधिक कठिन दिखाई देता है। खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष हैं तथा शीर्ष पर कोई औपचारिक रिक्ति नहीं है। वेणुगोपाल दिल्ली में अब भी प्रासंगिक रह सकते हैं, खासकर अगर राहुल उनका समर्थन करते रहें। लेकिन एक नेता, जो अपने राज्य में मुख्यमंत्री नहीं बन पाया, उसका पार्टी अध्यक्ष के दावेदार के रूप में उभरना जमता नहीं है। इस बीच, अगर वेणुगोपाल जीएसओ पद पर बने रहते हैं, तो उन नेताओं के सपने समाप्त हो जाएंगे, जो उस पद की ओर देख रहे थे, जैसे अजय माकन, अशोक गहलोत और मुकुल वासनिक। अगर वेणुगोपाल तिरुवनंतपुरम चले जाते, तो यह संगठनात्मक पद खाली हो जाता। सतीशन की जीत ने उत्तराधिकार के इस सवाल को असमंजस की स्थिति में पहुँचा दिया है और वेणुगोपाल उनके वर्तमान पद संरचना में कमज़ोर हो गए हैं। केरल के परिणाम से शायद मल्लिकार्जुन खड़गे उससे कहीं ज्यादा प्रसन्न हैं, जितना वे खुले तौर पर दिखा रहे हैं।

- **प्रियंका गांधी वायनाड से सांसद हैं, इसलिए अन्य राज्यों की तुलना में केरल की राजनीति में प्रियंका गांधी का सीधा दखल है।**
- **सतीशन को मुख्यमंत्री बनाने से ऐसे संकेत मिल रहे हैं कांग्रेस में उन्हें ज्यादा जवाबदेह नेता माना जा रहा है।**

औपचारिक रूप से, यह निर्णय खड़गे और राहुल गांधी की परामर्श प्रक्रिया के बाद आया, जब पर्यवेक्षकों ने कांग्रेस अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट सौंपी। लेकिन पार्टी के कुछ हिस्सों में, वेणुगोपाल को ऐसा व्यक्ति माना जाता रहा है, जिसकी राहुल के निकटता ने उन्हें औपचारिक पदनाम से अधिक प्रभावशाली बनाया, कभी-कभी आलोचक कहते हैं कि उनके कारण खड़गे के अधिकार में भी कटौती हो गई थी। चाहे यह आरोप पूरी तरह तटस्थ न हो, सतीशन की पदोन्नति को कई लोगों द्वारा एक शांत संतुलन बहाली के रूप में देखा जाएगा।

खड़गे केरल में हारे नहीं हैं। राहुल हारे। प्रियंका जीतीं। वेणुगोपाल पर रोक लगी। और सतीशन मुख्यमंत्री बने।

केरल की कहानी में कांग्रेस की आंतरिक कहानी निहित है।

सतीशन की पदोन्नति अब राजनीतिक रूपरेखा के रूप में केरल से आगे जायेगी।

सतीशन मॉडल कहता है कि एक नेता उच्च कमान की पसंद का सामना कर सकता है, अगर उसके पास पर्याप्त सार्वजनिक वैधता, गठबंधन विश्वास और जमीनी स्तर की विश्वसनीयता हो। यह कहता है कि क्षेत्रीय नेता और गठबंधन साझेदार, लगातार दबाव के माध्यम से, दिल्ली में बनाए गए निर्णयों को बदल सकते हैं। यह कहता है कि भविष्य में कांग्रेस पर कमान्ड और कंट्रोल के मामले में राहुल गांधी कमज़ोर हो सकते हैं।

यह पार्टी को अधिक लोकतांत्रिक बना सकता है। यह इसे अधिक अनुशासनहीन भी बना सकता है। राजनीति में, तैयार किये गये आंकड़े प्रभाव डाल सकते हैं, लेकिन जनता की स्वीकार्यता अंतत: इतिहास बनाती है।

जनता के पास जाएँ। जनादेश उस नेता का अनुसरण करता है, जो जनता के साथ होता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908